सूर्योदय 5:51 सूर्यास्त 6:57

आज का तापमान

शिमला	16.0 न्यू	26.0 अधि
धर्मशाला	17.2 न्यू	29.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,540
निफ्टी	24,252

सोना 1,60,000 चांदी 2,44,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शनिवार, 22 अगस्त 2026 | 6 भाद्रपद, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 117, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

तेलंगाना सीएम रेड्डी को अमेरिका जाने की परमिशन नहीं मिली

एजेंसी, हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को अमेरिका जाने की केंद्र से मंजूरी नहीं मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। सीएमओ के मुताबिक, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाला तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल अमेरिका दौरा नहीं कर सकेगा। विदेश मंत्रालय ने राजनीतिक आधार पर क्लियरेंस देने से इनकार किया है। रेवंत रेड्डी फिलहाल लंदन में हैं। उन्हें अमेरिका के बोस्टन जाना था व 30 अगस्त को हैदराबाद लौटना था, लेकिन अब वे 23 अगस्त को सीधे हैदराबाद लौटेंगे। हालांकि, सीएम रेड्डी ने अधिकारियों को अमेरिका जाए बिना वहां के संस्थानों के साथ सभी एमओयू और साझेदारी समझौते पूरे करने के निर्देश दिए हैं।

गुजरात में जहरीली शराब पीने वाले शख्स का ब्रेन डेड

एजेंसी, भावनगर। शराबबंदी वाले गुजरात में नकली शराब से अब तक 9 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, शुक्रवार को सूरत में रहने वाले संजयसिंह डोडिया नाम के एक युवक को ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। इस युवक ने भी 16 अगस्त की रात को भावनगर में शराब पार्टी की थी। शराब पीने के बाद संजय रात को ही सूरत लौट आया था। सुबह तक उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई थी। उसे सूरत के आईएनएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। संजय पिछले तीन दिनों से वेंटिलेटर पर था। वीरवार की रात संजय को हार्ट अटैक आया और सुबह उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। भावनगर में अब भी 25 लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं, इनमें 5 की हालत गंभीर है। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

अमृतसर के सीमावर्ती गांव में घर पर ग्रेनेड हमला, तीन घायल

एजेंसी, अमृतसर। भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे अमृतसर के गांव जट्टा में बीती रात बाइक सवार दो अज्ञात लोगों ने एक घर पर ग्रेनेड फेंक दिया। धमाके में घर के शीशे टूट गए और परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार दोनों हमलावरों ने चेहरे कपड़े से ढके हुए थे। वारदात के बाद वे बाइक से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पंजाब पुलिस और सेना की टीम मौके पर पहुंची तथा इलाके को घेरकर जांच शुरू की। घटनास्थल से विस्फोटक के टुकड़े और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। एसपी ग्रामीण रमनदीप सिंह ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। एफएसएल रिपोर्ट के बाद धमाके की वजह स्पष्ट होगी और तथ्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने मानी राहुल की मांग पैलेट गन मामले में एफआईआर दर्ज

प्रदर्शनकारी बोला-आंख खराब हुई, संसद मार्ग थाने में घंटों बैठे रहे राहुल गांधी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर प्रदर्शनकारी छात्र साहिल की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन मामला अज्ञात पर दर्ज किया गया है। साहिल का आरोप है कि पैलेट छर्रे लगने से उसकी आंख की रोशनी चली गई।

एफआईआर दर्ज करवाने तक राहुल गांधी थाने के बाहर ही बैठे रहे। वे शुक्रवार दोपहर करीब 12.30 बजे से संसद मार्ग थाने पहुंच गए थे। उन्होंने कहा था कि जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, वे हटेंगे नहीं। इसके बाद 5.30 बजे पुलिस ने एफआईआर लिखना शुरू किया था। इससे पहले राहुल ने साहिल को लगे छर्रे दिखाकर कहा था– 'पैलेट गन चलने के सबूत हैं। ये छर्रे साहिल के शरीर से निकले हैं। अगर पुलिस ने गन नहीं चलाई, तो किसने चलाई है। पुलिस कह रही है कि उन्हें एफआईआर नहीं करने के ऊपर से निर्देश हैं।' राहुल के साथ प्रियंका गांधी, अधीर रंजन चौधरी, सलमान खुर्शीद और जयराम रमेश भी मौजूद थे। 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शन कर रहे छात्र साहिल घायल हो गए थे।

राहुल बोले- शिकायत की कॉपी ही नहीं मिली

राहुल का आरोप है कि 20 जुलाई के प्रदर्शन में साहिल पैलेट गन से घायल हुए। 14 अगस्त को उन्होंने दिल्ली पुलिस को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन उन्हें शिकायत की कॉपी ही नहीं मिली। 17 अगस्त को ईमेल और फोन से भी शिकायत पर कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

राहुल का धरना न्याय के लिए नहीं, मीडिया में बने रहने की कोशिश: नड्डा

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि यह प्रदर्शन छात्रों या न्याय के लिए नहीं, बल्कि राजनीतिक हताशा और मीडिया का ध्यान खींचने के लिए किया जा रहा है। नड्डा ने कहा कि 20 जुलाई की घटना पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही संज्ञान ले चुका है व पूर्व जज की अध्यक्षता वाली 5 सदस्यीय कमेटी इसकी जांच कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि जब कोर्ट मामले की जांच कर रहा है, तो राहुल गांधी थाने के बाहर बैठकर क्या साबित करना चाहते हैं। नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस वंदे मातरम को लेकर हो रही आलोचना से ध्यान भटकाने के लिए प्रदर्शन कर रही है।

सीजेपी प्रवक्ता को पीटा, मंत्री को 48 घंटे का अल्टीमेटम

मारपीट करने वाले गुंडों को गिरफ्तार नहीं किया, तो मैं जयपुर आऊंगा : अभिजीत

एजेंसी, जयपुर। कॉकरोच जनता पार्टी प्रवक्ता आशुतोष रांका और उनके साथियों पर जयपुर में हमला हुआ। रांका शुक्रवार सुबह 10 बजे बगरू के राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा कंवरपुरा का निरीक्षण करने पहुंचे थे। तभी ग्रामीणों ने उन्हें पीटकर वहां से खदेड़ दिया। उनकी गाड़ियों पर भी पथराव किया गया। रांका के साथ मौजूद महिला समर्थकों पर गांव की महिलाओं ने मिट्टी फेंकी।

रांका ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा हमले में गाड़ियों के शीशे और मोबाइल तोड़े गए, एक महिला से मारपीट हुई और उनकी शर्ट फाड़ दी गई। टीम के एक सदस्य का हाथ फ्रैक्चर हुआ है। रांका ने कहा– आज पूरे देश ने भाजपा की गुंडागर्दी लाइव देखी है। ये शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के कहने पर हुआ है। 48 घंटे का अल्टीमेटम दे रहे हैं। हमलावरों की गिरफ्तारी हो और स्कूल निरीक्षण रोकने का आदेश वापस लिया जाए। ऐसा नहीं हुआ तो पूरे राजस्थान में आंदोलन करेंगे और दिलावर के इस्तीफे की मांग करेंगे। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा– अगर अगले 48 घंटों में स्कूल की मरम्मत का काम शुरू नहीं हुआ और उन गुंडों को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो मैं जयपुर आऊंगा और स्कूल के सामने बैठा रहूंगा, जब तक स्कूल को ठीक कराने का काम नहीं किया जाता है। जानकारी के अनुसार, आशुतोष सहित सीजेपी के 5 कार्यकर्ता गंभीर घायल हुए हैं। 7 के चोट लगी है। उन्हें इलाज के लिए एसएमस हॉस्पिटल लाया गया। सीजेपी का वाटिका रोड पर भट्टा वाला राजकीय सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने का भी प्लान था, जिसे अब कैंसिल कर दिया।

जंतर-मंतर पर क्या गड़बड़ी की, सबने देखा: शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- जिस तरह से कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जंतर-मंतर पर गड़बड़ी की। अश्लील वातावरण बनाया। सभी ने देखा है। ऐसा ही वातावरण राजस्थान में बनाना चाहते हैं। उनके बच्चों की शिक्षा में व्यवधान कौन बर्दाश्त करेगा। इसलिए विरोध हुआ। कॉकरोच मुंह छिपाकर भाग गए। ये अपनी झेंप मिटाने के लिए मदन दिलावर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

समुद्री लुटेरों के कब्जे वाले जहाजों में 22 भारतीय नाविक सवार, सभी सुरक्षित

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार यमन और सोमालिया तट के पास समुद्री लुटेरों के कब्जे में लिए गए दो वाणिज्यिक जहाजों में सवार सभी 22 भारतीय सुरक्षित हैं। शुक्रवार को प्रेस वार्ता में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी दी।

उन्होंने कहा, दो जहाज हैं; दोनों पर विदेशी झंडे लगे हैं और उन पर भारतीय नाविक सवार हैं। इनमें कुल 22 (एक जहाज पर 16 और दूसरे पर छह) भारतीय हैं, अब तक मिली जानकारी के मुताबिक, ये 22 नाविक सुरक्षित हैं और हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस मामले में संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हैं। जानकारी के अनुसार, दो अलग-अलग घटनाओं में सशस्त्र समुद्री डाकुओं ने दो जहाजों को अपने कब्जे में ले लिया। 20 अगस्त को एक इरिट्रिया के ध्वज वाले तेल उत्पाद टैंकर 'एम टी सिबू 1' को अदन की खाड़ी में यमन के तट से करीब 30 समुद्री मील दूर हमला किया। इसमें कथित तौर पर 16 भारतीय नाविक सवार थे।

होर्मुज पर जल्द होगा अमेरिका का फुल कंट्रोल: ट्रंप

ईरान की नेवी व एयरफोर्स खत्म, उनके पास सिर्फ कुछ मिसाइल और ड्रोन बचे

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका जल्द ही होर्मुज स्ट्रेट पर पूरी तरह कंट्रोल कर लेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों में ईरान की नेवी, एयरफोर्स और मिलिट्री लीडरशिप को बहुत नुकसान हुआ है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए सैन्य कार्रवाई करना जरूरी था। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर भविष्य में ईरान की ओर से फिर ऐसा खतरा पैदा हुआ, तो अमेरिका फिर से कड़े कदम उठाएगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान के कई बड़े नेता अब नहीं रहे। इसके चलते नए समझौते पर बातचीत मुश्किल हो गई है। फिलहाल यह भी साफ नहीं है कि ईरान में फैसले कौन ले रहा है।

ट्रंप ने एक बार फिर से दावा किया कि ईरान आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में महंगाई बहुत ज्यादा है। सेना को वेतन देने में भी दिक्कतें आ रही हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि अमेरिका जब बातचीत नहीं करना चाहता, तो प्रतिबंध लगाने लगता है।

ईरान कई साल से ऐसे प्रतिबंध झेलता आया है और इससे उसकी नीति नहीं बदली है।

ईरान की मदद करने वालों को दी चेतावनी

अमेरिका ने ईरान के साथ कारोबार करने वाले देशों और कंपनियों को चेतावनी दी है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बैसेंट ने कहा कि जो लोग ईरान के साथ कारोबार जारी रखेंगे, उनके खिलाफ अमेरिका कड़े आर्थिक कदम उठा सकता है। दरअसल, अमेरिका ने वीरवार को ईरान पर नई आर्थिक कार्रवाई का ऐलान किया है। इसका मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाकर उसे परमाणु कार्यक्रम खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए मजबूर करना है। अमेरिका पहले ही ईरान के तेल, बैंकिंग और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर कई प्रतिबंध लगा चुका है। अब वह ईरान से जुड़े दूसरे देशों और कंपनियों पर भी दबाव बढ़ाने की तैयारी में है।

सुप्रीम कोर्ट ने सिविल जज बनने के लिए 3 साल की प्रैक्टिस घटाकर एक साल की

एजेंसी, नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जज बनने के लिए शुरुआती परीक्षा में शामिल होने के लिए तीन साल के अनिवार्य वकालत के अनुभव को घटाकर एक वर्ष कर दिया है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने 2-1 के बहुमत से फैसला किया कि जज बनने की परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को जुडिशियल एकेडमी में ट्रेनिंग लेने के अलावा एक साल का क्लर्कशिप भी करना होगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मई 2025 और मार्च 2027 के बीच आयोजित परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अपने पुराने अनुभव का लाभ मिलेगा। बता दें कि 20 मई 2025 को उच्चतम न्यायालय ने जज बनने के लिए तीन वर्ष तक वकालत के अनुभव की अनिवार्यता बहाल करने का आदेश दिया था। इसी आदेश को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गई थीं। वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंजाल्वेस ने दायर याचिका में कहा है कि उच्चतम न्यायालय ने पांच लॉ कमीशन की रिपोर्ट पर विचार नहीं किया, जिसमें सर्वसम्मति से जज बनने के लिए बतौर वकील तीन साल की प्रैक्टिस की बात को खारिज की गई है। याचिका में दूसरे न्यायिक वेतन आयोग 2022 के रिपोर्ट का जिक्र किया गया था, जिसमें ऐसी किसी भी बाध्यता को लागू करने के पहले सभी पक्षों से सलाह-मशविरा करने पर जोर दिया गया है।

रोजगार को लेकर भाजपा का सरकार पर हमला मुख्यमंत्री सुक्खू बोले- विरोध विपक्ष का दायित्व

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही रोजगार के मुद्दे पर सियासत गरमा गई।

भाजपा विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारे लगाए। विपक्ष के इस प्रदर्शन में प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने का मुद्दा प्रमुख रहा। भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के दौरान प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के बड़े वादे किए थे, लेकिन सरकार उन वादों को पूरा नहीं कर सकी है। विपक्ष ने कहा कि बेरोजगारी हिमाचल के युवाओं से जुड़ा बड़ा मुद्दा है और सरकार को इस पर विधानसभा में जवाब देना चाहिए। भाजपा विधायक रणधीर शर्मा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पांच लाख नौकरियां देने के वादे के साथ सत्ता में आई थी। उन्होंने दावा किया कि सरकार अब तक प्रदेश के युवाओं को कुछ हजार नौकरियां ही दे सकी है। रणधीर शर्मा ने सरकार पर बेरोजगार युवाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने विधानसभा में नियम 67 के तहत स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। विपक्ष चाहता है कि सदन का पूरा तय कामकाज रोककर रोजगार के मुद्दे पर चर्चा करवाई जाए। भाजपा के इस प्रदर्शन पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि विपक्ष का विरोध करना लोकतंत्र का हिस्सा है और विरोध जताना विपक्ष का दायित्व है। हालांकि मुख्यमंत्री ने भाजपा के प्रदर्शन को उसकी आंतरिक राजनीति से जोड़ते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा विधायक अपनी पार्टी की आंतरिक कलह के चलते प्रदर्शन कर रहे हैं।

इंडिगो वेबसाइट हफ्ते में दूसरी बार ठप टिकट बुकिंग अटकी

एजेंसी, नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की वेबसाइट शुक्रवार को फिर ठप हो गई। कुछ यात्री वेबसाइट से फ्लाइट बुक नहीं कर पा रहे हैं। कुछ यूजर्स को मोबाइल एप में लॉगिन करने में भी दिक्कत आ रही है। वेबसाइट पर फ्लाइट बुकिंग खोलने पर नो डेटा अवलेबल का मैसेज दिख रहा है। यह इस हफ्ते दूसरा मौका है, जब इंडिगो की वेबसाइट और ऑनलाइन सर्विसेज में गड़बड़ी आई है। एयरलाइन ने वेबसाइट पर सर्विस एडवाइजरी जारी कर कहा कि सिस्टम में रुक-रुककर दिक्कत आ रही है। इससे कुछ कस्टमर्स को हमारी ऑनलाइन सर्विसेज का इस्तेमाल करने में दिक्कत हो सकती है। हमारी टीमें इस समस्या को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए काम कर रही हैं। इंडिगो ने यात्रियों से कुछ समय बाद डिजिटल चैनल दोबारा इस्तेमाल करने को कहा।

उत्तराखंड सरकार महिलाओं, युवाओं व ग्रामीण उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री धामी

एजेंसी, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के तहत 'चौपाल-2026' का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने देहरादून के आईटी पार्क स्थित 13 गांव में प्रदेश के सभी जिलों के स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के विपणन के लिए राज्य स्तरीय विपणन केंद्र खोलने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला, युवा और ग्रामीण उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना' के माध्यम से अब तक प्रदेश में 13 हजार से अधिक उद्यमियों को सहयोग दिया गया है। वहीं, आठ हजार से अधिक महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों को उद्यमिता एवं आजीविका के अवसरों से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के गांव अब प्रदेश के विकास में सहभागी बनने के साथ आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रदेश के युवाओं और मातृशक्ति में हुनर और कुछ कर गुजरने का जज्बा है, जबकि स्थानीय उत्पादों में देश-दुनिया के बाजार तक पहुंचने की क्षमता है। जरूरत केवल हुनर को सही दिशा और बाजार उपलब्ध कराने की है। इसी सोच के साथ 'मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना' को आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि योजना के तहत ग्रामीण उद्यमियों को व्यवसाय शुरू करने और उसका विस्तार करने के लिए प्रशिक्षण, आर्थिक सहयोग, तकनीकी मार्गदर्शन और बाजार से जोड़ने में सहायता दी जा रही है। सरकार का प्रयास है कि उत्तराखंड का युवा रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बने।

युवा रोजगार मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से प्रदेश में पांच लाख से अधिक ग्रामीण महिलाओं को 70 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जा चुका है। इनमें तीन लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनने में सफल रही हैं। प्रदेश की महिलाएं पहाड़ी मसालों, मंडुवा, झंगोरा, दालों, शहद, अचार, जैम, हस्तशिल्प, ऊनी उत्पादों और स्थानीय कला को कारोबार का रूप दे रही हैं।

सीएम सैनी से बोले विदेशी स्टूडेंट्स एचएयू में मिला भारत जैसा अपनापन

एजेंसी, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ रहे विदेशी विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ सीधे संवाद के दौरान हरियाणा की संस्कृति, लोगों के व्यवहार और विश्वविद्यालय में मिल रही कृषि शिक्षा की जमकर सराहना की। विद्यार्थियों ने कहा कि हकृवि का शैक्षणिक एवं शोध वातावरण उन्हें बेहद पसंद आया और हरियाणा के लोगों ने उन्हें ऐसा अपनापन दिया कि भारत उन्हें अपने दूसरे घर जैसा महसूस होता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों से उनके अध्ययन, शोध कार्य और हरियाणा में रहने के अनुभवों के बारे में बातचीत की। उन्होंने विद्यार्थियों से यहां की संस्कृति और विश्वविद्यालय में मिलने वाली शैक्षणिक सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। इस अवसर पर हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज सहित हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। विद्यार्थियों ने बताया कि विश्वविद्यालय में उन्हें उन्नत कृषि अनुसंधान, आधुनिक प्रयोगशालाओं, खेत आधारित शिक्षण, नवीन कृषि तकनीकों तथा वैज्ञानिकों और शिक्षकों के साथ संवाद के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के मैत्रीपूर्ण वातावरण की भी सराहना की। हकृवि के अंतरराष्ट्रीय मामले प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. आशा क्वात्रा ने शुक्रवार को बताया कि संवाद सत्र में जिम्बाब्वे के एंडरसन इसाक, इथियोपिया के मिहरेटू योनास बारदेस्सा, नाइजीरिया के मुहम्मद सानी गाम्बो और यूसुफ अमीनो, युगांडा के बेनेडिक्ट ओकाका तथा केन्या की कींगाती जैक्लिन नजोकि ने भाग लिया। अफगानिस्तान की डॉ. खतेरा काने ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की।

अफ्रीकी देशों समेत कई देशों के छात्रों ने साझा किए अनुभव

बैठक

भारत-जापान की युवा पीढ़ी का मिलन, मुख्यमंत्री आवास पर गूंजा दोस्ती और भविष्य का संदेश

भारत की आध्यात्मिक विरासत से परिचित हो रही जापानी युवा पीढ़ी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री आवास पर शुक्रवार को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसमें कूटनीति की औपचारिकता की जगह बच्चों की मुस्कान थी, भाषाओं की दूरी की जगह संवाद था और दो देशों की संस्कृति के बीच दोस्ती का सहज सेतु बनता दिखाई दे रहा था।

उत्तर प्रदेश-जापान निवेश बैठक के क्रम में आयोजित विशेष कार्यक्रम 'ए डायलॉग विद द फ्यूचर' में जापान के यामानाशी प्रांत से आए 13 विद्यार्थियों और उनके फैकल्टी सदस्यों ने लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी की मौजूदगी में हुआ यह संवाद आने वाले भारत-जापान संबंधों की उस तस्वीर को सामने ला रहा था, जिसकी नींव आज की युवा पीढ़ी के मन में रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने जापान के यामानाशी से आए विद्यार्थियों और उनके फैकल्टी सदस्यों तथा लखनऊ के युवा साथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए जापानी अभिवादन 'ओहायो गोजाइमासु' से अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। यह प्रदेश भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है और इसे 'हार्टलैंड ऑफ इंडिया' के रूप में भी देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि जिस अवध क्षेत्र में आज यह संवाद हो रहा है, उसी क्षेत्र में अयोध्या स्थित है। अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि है। जापानी विद्यार्थियों ने आगरा में ताजमहल देखा, मथुरा में भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि देखा, अब वाराणसी तथा सारनाथ जाने का अवसर उन्हें मिलेगा। सारनाथ में भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना प्रथम उपदेश दिया था। वाराणसी दुनिया की प्राचीनतम नगरियों में से एक है। इस तरह जापान से आए इन विद्यार्थियों के लिए उत्तर प्रदेश की यात्रा भारत की आध्यात्मिकता, संस्कृति और सभ्यतागत विरासत को करीब से जानने का अवसर भी है।

भारत-जापान संबंधों के भविष्य के राजदूत हैं दोनों देशों के विद्यार्थी : मुख्यमंत्री योगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल विद्यार्थियों का मिलन नहीं है। यह दो संस्कृतियों, दो परंपराओं और दो देशों की युवा पीढ़ियों का मिलन है। अगले वर्ष भारत और जापान के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं और ऐसे समय में दोनों देशों के ये विद्यार्थी भविष्य के राजदूत के रूप में इस संबंध को नई ऊंचाई देने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर भारत की सबसे बड़ी युवा कार्यशक्ति वाले उत्तर प्रदेश के बच्चे हैं और दूसरी ओर तकनीक, परंपरा और प्रतिबद्धता के लिए पहचाने जाने वाले जापान के बच्चे। एक बच्चा लखनऊ के किसी गांव से आया है और दूसरा जापान के किसी गांव से। एक हिंदी बोलता है, दूसरा जापानी लेकिन दोनों के बीच सबसे बड़ी समानता यह है कि दोनों अपने भविष्य की कहानी लिख रहे हैं।

शिमला के दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, बच्चों को भेजा गया घर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला में शुक्रवार को दो निजी स्कूलों को ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन ने एहतियातन विद्यार्थियों को छुट्टी देकर सुरक्षित घर भेज दिया। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंच गए तथा दोनों स्कूल परिसरों की गहन जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार कालीबाड़ी के समीप स्थित दयानंद स्कूल और न्यू शिमला स्थित डीएवी स्कूल को बम धमकी वाली ईमेल प्राप्त हुई। ईमेल मिलने की सूचना स्कूल प्रबंधन ने तत्काल पुलिस को दी। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए स्कूल परिसर खाली करवाए गए और विद्यार्थियों को घर भेज दिया गया। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने दोनों स्कूलों की कक्षाओं, परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों की बारीकी से तलाशी ली। डॉग स्क्वाड की मदद से भी संदिग्ध स्थानों की जांच की गई। हालांकि तलाशी के दौरान किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु अथवा विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। दोनों स्कूलों को सुरक्षित पाए जाने के बाद पुलिस ने राहत की सांस ली।

पुलिस की ओर से धमकी भेजने वाले ईमेल की जांच की जा रही है। साइबर विशेषज्ञों की मदद से ईमेल के स्रोत और इसके पीछे जुड़े लोगों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के बाद स्कूलों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की है। एहतियाती कदम के तौर पर स्कूल प्रबंधन ने भी विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उन्हें घर भेजने का निर्णय लिया।

सौहार्द और सहयोग से चलता है सदन छात्रों से संवाद में बोले स्पीकर पठानियां

104 छात्रों ने विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां से संवाद कर पूछे सवाल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के प्रथम दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले कान्वेंट ऑफ जीजस एंड मैरी, शेलेडे तथा वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दिओट, तहसील चौपाल के करीब 104 छात्र-छात्राओं ने विधानसभा का दौरा किया। कार्यवाही देखने से पूर्व विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां से कौंसिल चैंबर के गेट नंबर-1 पर मुलाकात की।

इस दौरान विद्यार्थियों ने सदन की कार्यप्रणाली, विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका, विधानसभा के गठन और मंत्रिपरिषद से जुड़े कई सवाल पूछे। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों के सवालों का क्रमवार जवाब देते हुए संसदीय व्यवस्था और सदन के संचालन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत की संसदीय व्यवस्था संघीय ढांचे पर आधारित है, जिसमें केंद्र और राज्य स्तर पर शासन व्यवस्था संचालित होती है।

केंद्र में संसद के दो सदन राज्यसभा और लोकसभा हैं, जबकि राज्यों में विधानसभा तथा कुछ राज्यों में विधान परिषद का प्रावधान है। पठानियां ने कहा कि वह चौदहवीं हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सर्वसम्मति से निर्वाचित अध्यक्ष हैं।

अध्यक्ष का प्रमुख दायित्व सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करना है। इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों का सहयोग जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि आपसी सौहार्द, सामंजस्य और सभी सदस्यों के सहयोग से ही सदन की कार्यवाही निर्विघ्न तरीके से आगे बढ़ सकती है। कानून की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों से संवाद करते हुए पठानियां ने उन्हें देश का भविष्य बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी आगे चलकर अधिवक्ता और न्यायाधीश बनेंगे। इसलिए लोकतांत्रिक व्यवस्था, कानून और संविधान की गरिमा को मजबूत बनाए रखना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अधिवक्ताओं और बैरिस्टरों की भूमिका का भी उल्लेख किया। पठानियां ने मोतीलाल नेहरू, विट्ठलभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे नेताओं के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन में अनेक कानूनविदों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को सदन की परंपराओं और गरिमा के बारे में भी जानकारी दी।

पेंशनभोगी 30 सितम्बर तक प्रस्तुत कर सकते हैं जीवन प्रमाण-पत्र

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की प्रक्रिया को लेकर राज्य सरकार ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हिमाचल प्रदेश कोषागार नियमों तथा वित्त विभाग के निर्देशों के तहत पेंशनभोगी 30 सितंबर, 2026 तक अपना जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं।

सरकार के निर्णय के अनुसार पेंशनभोगी अथवा पारिवारिक पेंशनभोगी सामान्य तौर पर जीवन प्रमाण एप्लिकेशन के माध्यम से ही डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। हालांकि, चिकित्सकीय रूप से अयोग्य ऐसे पेंशनभोगी, जो बायोमेट्रिक सत्यापन करवाने में असमर्थ हैं, उन्हें मैनुअल जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की सुविधा पहले की तरह उपलब्ध रहेगी। इसके लिए संबंधित चिकित्सक से प्रमाणित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। पेंशनभोगी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और लोक मित्र केंद्र में भी जीवन प्रमाण-पत्र बनवा सकते हैं, बशर्ते वहां बायोमेट्रिक उपकरण उपलब्ध हों। इसके अलावा जीवन प्रमाण पोर्टल अथवा मोबाइल पर जीवन प्रमाण एप्लिकेशन के जरिए भी डिजिटल प्रमाण-पत्र जनरेट किया जा सकता है।

राज्य सरकार ने भारतीय डाक भुगतान बैंक (आईपीपीबी) को डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र के सत्यापन और निर्गमन के लिए अधिकृत एजेंसी बनाया है। पेंशनभोगी यह सुविधा आईपीपीबी शाखाओं, डाकघरों और डोरस्टेप सेवा के माध्यम से ले सकते हैं। आधार आधारित प्रमाणीकरण से ऑनलाइन जारी डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र वैध माना जाएगा। जीवन प्रमाण के जरिए किया गया बायोमेट्रिक सत्यापन एक वर्ष तक वैध रहेगा।

इसके साथ ही पेंशनभोगियों को समय सीमा के भीतर प्रमाण-पत्र जमा करने की सलाह दी गई है। डिजिटल सुविधा से घर बैठे जीवन प्रमाण-पत्र बनवाने की सुविधा मिलने से बुजुर्गों को कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी और प्रक्रिया अधिक सरल व सुविधाजनक होगी।

हिमकेयर मामले में नया मोड़ जनकराज ने आरटीआई रिपोर्ट से किया दावा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश की हिमकेयर योजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के बीच भरमौर से भाजपा विधायक डॉ. जनक राज ने बच्चेदानी के ऑपरेशन को लेकर आरटीआई से प्राप्त जानकारी सार्वजनिक की है। यह जानकारी उन्होंने विजिलेंस ब्यूरो की विशेष जांच टीम की पूछताछ के एक दिन बाद जारी की। विधायक के अनुसार, आरटीआई के तहत प्रदेश के तीन स्वास्थ्य संस्थानों से वर्ष 2019 से 2022 के बीच बच्चेदानी के ऑपरेशन से संबंधित जानकारी मांगी गई थी। जनकराज का दावा है कि इस अवधि में किसी भी पुरुष की बच्चेदानी की सर्जरी नहीं हुई। उन्होंने आरटीआई के दस्तावेजों को सामने रखते हुए हिमकेयर योजना में पुरुषों के बच्चेदानी ऑपरेशन दिखाए जाने संबंधी दावों पर सवाल उठाए हैं।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा ट्रहाई गांव, शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल कुमार शर्मा, शिमला। जुन्गा तहसील के ट्रहाई गांव में शिवलिंग प्राण प्रतिष्ठा एवं स्थापना समारोह धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और श्रद्धा का अनूठा संगम बनकर सामने आया। पांच दिवसीय समारोह के दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर स्थापित शिव मंदिर को क्षेत्र में सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। मंदिर में सभी जाति, धर्म और समुदाय के लोगों को प्रवेश कर भगवान शिव के दर्शन और अपनी श्रद्धानुसार पूजा-अर्चना करने की स्वतंत्रता होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में चली आ रही कुछ रूढ़िवादी परंपराओं के बीच यह पहल सर्वजन आस्था का संदेश दे रही है। शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। श्रद्धालु गिरिनदी से पवित्र जल लेकर मंदिर परिसर तक पहुंचे।

कलश यात्रा में क्षेत्र के विभिन्न जाति-वर्गों की करीब 300 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ शिवलिंग की नगर परिक्रमा भी करवाई गई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन में आचार्य सुमित भारद्वाज के साथ चार अन्य विशेषज्ञ पंडितों ने विधि-विधान से विभिन्न अनुष्ठान संपन्न करवाए। पूरे आयोजन के दौरान गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें जुन्गा क्षेत्र के अलावा पड़ोसी सिरमौर और सोलन जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के संस्थापक सत्यपाल ठाकुर और उनकी धर्मपत्नी विषमा ठाकुर ने बताया कि उनकी स्वर्गीय माता की लंबे समय से शिव मंदिर निर्माण की इच्छा थी। इसे पूरा करने का उन्हें सौभाग्य मिला।

देवभूमि के मंदिरों में आस्था का सैलाब, तीन साल में मिले 419 करोड़

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी मंदिरों में श्रद्धालुओं की आस्था का बड़ा प्रमाण सामने आया है। पिछले तीन वर्षों में प्रदेश के 36 सरकारी मंदिरों में कुल 419.88 करोड़ रुपये का चढ़ावा प्राप्त हुआ। इसमें बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध सबसे आगे रहा, जहां श्रद्धालुओं ने 99.19 करोड़ रुपये चढ़ाए। यह आंकड़ा प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के प्रति लोगों की गहरी आस्था को दर्शाता है। मंदिरों में पहुंचने वाले श्रद्धालु मन्नत पूरी होने, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना के साथ दान करते हैं। मंदिरों में प्राप्त होने वाली इस राशि का उपयोग विभिन्न विकास कार्यों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। इसके अलावा गौशालाओं के संचालन और रखरखाव में भी चढ़ावे की राशि खर्च की जाती है। प्रदेश के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी श्रद्धालुओं ने बड़ी मात्रा में चढ़ावा अर्पित किया है।

शिमला जिला परिषद में सियासी शह-मात का खेल तेज, भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में जिला परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। हाई कोर्ट की ओर से चुनाव से संबंधित याचिका पर फैसला सुरक्षित रखे जाने के बाद दोनों दल अब अदालत के निर्णय का इंतजार कर रहे हैं। फैसला आने के बाद चुनाव की तारीख तय होने की संभावना है, जिसके साथ ही जिला परिषद में बहुमत साबित करने की कवायद शुरू हो जाएगी।

शिमला जिला परिषद में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की कुर्सी हासिल करने के लिए 13 सदस्यों का समर्थन जरूरी है। ऐसे में दोनों राजनीतिक दल अपने-अपने पक्ष में सदस्यों को जुटाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। खास तौर पर दो सदस्यों की भूमिका अहम मानी जा रही है, जिनके रुख से चुनाव का परिणाम प्रभावित हो सकता है।

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही बहुमत का दावा करने की तैयारी में हैं। पार्टी नेताओं की ओर से सदस्यों के साथ संपर्क बढ़ाया जा रहा है और संभावित समीकरणों पर चर्चा की जा रही है। हाई कोर्ट का फैसला इस पूरे घटनाक्रम में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसके बाद ही चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ पाएगी। जिला परिषद की सत्ता किस दल के हाथ में जाएगी, इसे लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं। दोनों पार्टियां अपने पक्ष में माहौल बनाने के साथ-साथ सदस्यों के समर्थन को लेकर भी सक्रिय हैं।

चुनाव की तारीख सामने आने के बाद सियासी तस्वीर और स्पष्ट होने की उम्मीद है। फिलहाल भाजपा और कांग्रेस की नजरें हाई कोर्ट के फैसले पर टिकी हैं। दो सदस्यों के समर्थन को लेकर बन रहे समीकरणों के कारण मुकाबला रोचक हो गया है। चुनाव की तारीख तय होते ही दोनों दलों की रणनीति और तेज होगी, साथ ही सदस्यों पर नजरें भी बढ़ेंगी।

हिमाचल में लोक प्रशासन शिक्षकों को जॉइनिंग देने के निर्देश

स्कूल की बोर्ड संबद्धता को नियुक्ति रोकने का आधार नहीं बनाया जा सकेगा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में लोक प्रशासन विषय के शिक्षकों की नियुक्ति को लेकर चल रहा असमंजस अब खत्म हो गया है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल स्कूल के हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध होने के आधार पर नियुक्त शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण करने से नहीं रोका जा सकेगा।

शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला उपनिदेशकों और संस्थान प्रमुखों को निर्देश जारी किए हैं कि नियुक्त किए गए शिक्षकों को नियमानुसार जॉइनिंग करवाई जाए। इससे उन शिक्षकों को राहत मिली है, जो नियुक्ति के बाद कार्यभार ग्रहण करने का इंतजार कर रहे थे। विभाग के अनुसार, लोक प्रशासन विषय के शिक्षकों की नियुक्ति निश्चित मानदेय पर पांच साल की अवधि के लिए की गई है। इन शिक्षकों की तैनाती सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में की जानी है। स्कूल की बोर्ड संबद्धता को लेकर कुछ स्तरों पर जॉइनिंग रोकने की स्थिति सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने अब स्थिति स्पष्ट की है।

नए निर्देशों के बाद जिला स्तर पर अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए भी स्थिति साफ हो गई है। अब केवल बोर्ड से जुड़ाव का हवाला देकर नियुक्त शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण करने से इनकार नहीं किया जा सकेगा। शिक्षा विभाग के इस फैसले से नियुक्त शिक्षकों के लिए स्कूलों में सेवाएं शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। अधिकारियों को निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

इससे लोक प्रशासन विषय की पढ़ाई भी प्रभावित नहीं होगी और विद्यार्थियों को शिक्षक उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। नियुक्त शिक्षकों की जॉइनिंग प्रक्रिया अब विभागीय निर्देशों के अनुसार आगे बढ़ाई जाएगी। इसके साथ ही विद्यालयों में लोक प्रशासन विषय की पढ़ाई नियमित रूप से शुरू हो सकेगी। विभाग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। नियुक्त शिक्षकों की जॉइनिंग में अनावश्यक देरी न हो, इसके लिए प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

हिमाचल में मानसून का कहर, 128 सड़कें और 52 पेयजल योजनाएं बाधित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मानसून की सक्रियता में कमी आई है, लेकिन भारी बारिश के बाद पैदा हुई समस्याएं अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। प्रदेश में अब भी 128 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। इसके अलावा 18 बिजली ट्रांसफार्मर और 52 पेयजल योजनाएं प्रभावित होने से कई क्षेत्रों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मानसून का सबसे अधिक असर मंडी और कुल्लू जिलों में देखने को मिल रहा है। मंडी जिले में 52 सड़कें बंद हैं, जिनमें अकेले सिराज उपमंडल के 35 मार्ग शामिल हैं। कुल्लू जिले में भी 43 सड़कें यातायात के लिए बाधित हैं। सड़कें बंद होने से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में आवाजाही प्रभावित हुई है तथा आवश्यक सेवाओं की पहुंच भी चुनौती बनी हुई है। बिजली व्यवस्था पर भी बारिश का असर पड़ा है।

मंडी जिले के सरकाघाट और सुंदरनगर क्षेत्रों में 15 ट्रांसफार्मर खराब होने की जानकारी है। इससे कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। वहीं, हमीरपुर जिले में पेयजल संकट गंभीर बना हुआ है। यहां 46 पेयजल योजनाएं बाधित होने से लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी कुछ पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं। आने वाले दिनों में मौसम साफ होने से राहत मिलने की उम्मीद जताई गई है।

नलटड़ी खड्ड पर पुल का दशकों से इंतजार बरसात में जान जोखिम में डाल रहे ग्रामीण

स्थायी पुल के अभाव में हर बरसात बढ़ती ग्रामीणों की परेशानी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुन्गा और ठियोग तहसील की सीमा पर बहने वाली नलटड़ी खड्ड के कांवती में आजादी के 80 वर्ष बाद भी स्थायी पुल का निर्माण नहीं हो पाया है। इसका खामियाजा पीरन पंचायत के बटोला सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों को हर बरसात में भुगतना पड़ता है। खड्ड में पानी बढ़ने पर ग्रामीणों को कई बार जान जोखिम में डालकर रस्सी के सहारे आवाजाही करनी पड़ती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 20 वर्ष पहले यहां पैदल आवागमन के लिए फुटब्रिज बनाया गया था, लेकिन पहली ही बरसात में तेज बहाव के कारण पुल बह गया। वर्ष 2023 में भी एक बच्चे को रस्सी के सहारे उफनती खड्ड पार करवाने का वीडियो सामने आया था। इसके बाद सरकार ने डीआरडीए शिमला को पुल निर्माण के निर्देश दिए, लेकिन काम आगे नहीं बढ़ सका।

बटोला, नालटा, मीमू और नट सहित कई गांवों के लोगों की घासनी, चारागाह और घराट खड्ड के दूसरी ओर हैं। इसके अलावा ठियोग और सिरमौर के कई क्षेत्रों से ग्रामीणों का नियमित संपर्क रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि खड्ड के दोनों ओर एंबुलेंस योग्य सड़कें बन चुकी हैं।

पुल नहीं बनने से ग्रामीण परेशान

ऐसे में यहां वाहन योग्य स्थायी पुल का निर्माण होने से बटोला सहित आसपास के कई गांवों को बड़ी राहत मिल सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल नहीं होने के कारण बरसात के दौरान बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को विशेष परेशानी उठानी पड़ती है। आपात स्थिति में एंबुलेंस को भी लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार नलटड़ी खड्ड के दोनों ओर सड़क सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद पुल का अभाव क्षेत्र के विकास में बड़ी बाधा बना हुआ है। उन्होंने सरकार और संबंधित विभाग से जल्द पुल निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। उनका कहना है कि पुल बनने से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि ठियोग, जुन्गा और सिरमौर के बीच ग्रामीणों का संपर्क भी बेहतर होगा। इस बार पीरन पंचायत के बटोला वार्ड से महिला प्रधान चुनी गई हैं।

संगठन अधिवक्ता, व्यापारी, किसान, युवा और विभिन्न वर्गों से सीधा संवाद बढ़ाने की तैयारी

प्रकोष्ठों के माध्यम से संगठन और समाज के बीच बढ़ाएंगे संवाद: पुरुषोत्तम गुलेरिया

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा महासू जिला के विभिन्न प्रकोष्ठों की संयुक्त बैठक फागू पंचायत घर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा महासू जिला अध्यक्ष अरुण फाल्टा ने की, जबकि हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा सांसद प्रो. (डॉ.) सिकंदर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भाजपा समस्त प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक पुरुषोत्तम गुलेरिया और बिट्टू वर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

बैठक में विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान संगठन को मजबूत करने, मंडल स्तर तक प्रकोष्ठों की सक्रियता बढ़ाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा समाज के विभिन्न वर्गों तक केंद्र सरकार की योजनाओं और भाजपा की विचारधारा पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। भाजपा समस्त प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक पुरुषोत्तम गुलेरिया ने कहा कि प्रकोष्ठ संगठन और समाज के बीच महत्वपूर्ण सेतु का काम करते हैं। पार्टी का प्रयास है कि प्रकोष्ठ केवल प्रदेश या जिला स्तर तक सीमित न रहें, बल्कि मंडल स्तर तक नियमित बैठकें, कार्यक्रम और संवाद अभियान चलाए जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकोष्ठ अपने संबंधित वर्ग के लोगों से संपर्क बढ़ाकर उनकी समस्याओं और सुझावों को संगठन तक पहुंचाए। आने वाले समय में मंडलवार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें अधिवक्ताओं, व्यापारियों, किसानों-बागवानों, युवाओं, खिलाड़ियों, पर्यटन और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ सीधा संवाद किया जाएगा।

गुलेरिया ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में पार्टी के प्रकोष्ठ महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यकर्ताओं को योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाने और पात्र लोगों को उनका लाभ लेने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिला, युवा, अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई हैं।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि केंद्र सरकार की उपलब्धियों को केवल आंकड़ों तक सीमित न रखें, बल्कि लाभार्थियों और आम नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करें।

डॉ. सिकंदर कुमार ने 'वंदे मातरम्' को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय गीत का सम्मान राजनीति का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रगौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान 'वंदे मातरम्' ने देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान को राजनीतिक विवाद से दूर रखने की आवश्यकता जताई और कहा कि ऐसे विषयों पर सभी को राष्ट्रहित के साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने और सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। कार्यकर्ताओं से केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रचार करने और लोगों से लगातार संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया गया। साथ ही मंडल स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित कर जनसमस्याओं को प्राथमिकता से उठाने पर चर्चा हुई।

एनएचएम के पांच वर्गों का बढ़ा मानदेय, एक सितंबर से नई दरें लागू

शिमला। हिमाचल में एनएचएम के आउटसोर्स कर्मचारियों को मानदेय बढ़ोतरी का लाभ मिलेगा। स्टाफ नर्स समेत चार श्रेणियों को 25 हजार और डाटा एंट्री ऑपरेटर को 18 हजार रुपए मिलेंगे।

कार्यालय ग्राम पंचायत अरलू खास
विकास खंड बंगाणा, जिला ऊना (हि.प्र.)

निविदा आमंत्रण सूचना

दिनांक 21/08/2026 को पंचायत की बैठक, जिसमें उपस्थिति 7/7 रही, में पारित प्रस्ताव के अनुसार ग्राम पंचायत अरलू खास में वित्तीय वर्ष 2026-27 के विकास कार्यों हेतु निर्माण सामग्री की आपूर्ति के लिए निविदायें आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मों/व्यक्तियों से निम्नलिखित सामग्री एवं कार्यों हेतु दरें आमंत्रित की जाती हैं। सामग्री का विवरण - 1. बजरी-10 एमएम, 20 एमएम, 40 एमएम-प्रति वर्ग फुट, 2. रेता, क्रशर डस्ट तथा रेता धुला प्रति वर्ग फुट, 3. पत्थर (सोलिंग) प्रति वर्ग फुट, 4. शेट्रिंग लोहे के प्रति वर्ग फुट, 5. शेट्रिंग लकड़ी की प्रति वर्ग फुट, 6. मिक्सर प्रतिदिन (डीजल व कार्य स्थान पर पहुँच सहित) 7. साइन बोर्ड लिखाई सहित, 8. पानी टैंकर प्रति दिन कार्य स्थल पर खड़ा करने का किराया, 9। इंटर लॉक टाइल/फुट ब्लॉक 40, 60, 80 एमएम (ISI मार्का) 10. ईंट (Bricks) ISI मार्का (1 व 2 अलग-अलग ग्रेड) 11. सरिया 2 सूत. 2.5 सूत. 3 सूत. 4 सूत आदि, 12.1 स्टील शीट प्रति बढ़िया (ISI मार्का), 13. नट प्रति किलोग्राम, 14. लोहे के एंगल प्रति किलो ग्राम, 15. PVC पाइप ISI मार्का, 16. सीमेंट किराया, Loading/Unloading सहित बंगाणा से, 17. लोकल चक्कर (ट्रिप किराया) सीमेंट शेट्रिंग आदि, 18. J.C.B. खुदाई पक्की कच्ची प्रति घंटा। **नियम एवं शर्तें:-** 1. इच्छूक फर्म/व्यक्ति का GST/SGST धारक होना आवश्यक है। 2. निविदायें दिनांक 11/09/2026 को शाम 05:00 बजे तक अवकाश को छोड़कर, पंचायत कार्यालय में बन्द लिफाफे में जमा करवानी होंगी। 3 किसी भी प्रतिनिधि व संबंधी की निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। 4. कम दर वाली निविदा ही स्वीकार की जायेगी। 5. यदि फर्म द्वारा सामान समय पर उपलब्ध नहीं करवाया गया तो निविदा रद्द कर दी जायेगी। 6. बजरी/रेता 200 वर्ग फुट के वाहन में ही कार्यस्थल तक, जहाँ तक गाड़ी जाती हो, उपलब्ध करवाये जायें। 7. बिलों के साथ M/X फॉर्म होना आवश्यक है। 8. प्राप्त कोटेशन दिनांक 14/09/2026 को प्रातः 11:00 बजे पंचायत निविदा कमेटी के समक्ष खोली जाएगी। 9. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार पंचायत निविदा कमेटी के पास सुरक्षित रहेगा।

प्रधान/सचिव ग्राम पंचायत अरलू खास
विकास खंड बंगाणा, जिला ऊना (हि.प्र.)

कार्यालय ग्राम पंचायत, शलाना
विकास खण्ड राजगढ़ जिला सिरमौर हि0प्र0

प्र.सं.:-07 **निविदा सूचना** दिनांक: 18.08.2026

आज दिनांक 05-08-2026 को ग्राम पंचायत शलाना की ग्राम पंचायत बैठक ग्राम पंचायत प्रधान श्री सुरेश कुमार जी की अध्यक्षता एवं ग्राम पंचायत शलाना के वार्ड सदस्यों की उपस्थिति में की गई, जिसमे कोरम पूर्ण होने के उपरान्त निम्न कार्यवाही अमल में लाई गई।

वर्ष 2026-27 के लिए निविदाएं आमंत्रित करने बारेः-

बैठक में सर्वम्मति से प्रस्ताव पास हुआ कि वर्ष 2026-27 के लिए विकास कार्यों को करने हेतु निविदाएं आमत्रित की जानी आवश्यक है ताकि कार्यों का नि0 किया जा सके, सामग्री का ब्यौरा निम्न प्रकार से हैः- रेत, बजरी, ईंट, पत्थर, जे0सी0बी0 मशीन, शरिया, शेटरिंग, जीआई पाईप, पेन्ट, जीआई पाईप, सीवरेज पाईपे लकड़ी/दरवाजे, खिड़की, लोहे के ऐंगल, चादर/शीट, चक्का टाईल, इन्टरलाक टाईल आदि।

उपरोक्त सामग्री सपलाई हेतु ईच्छुक वेन्डर जीएसटी सहित बन्द लिफाफे में निविदाएं दिनांक 24/08/2026 को सांय 3:00 बजे तक ग्राम पंचायत शलाना में आमन्त्रित की जाती है, जो दिनांक 24/08/2026 को ही ग्राम पंचायत की गठित कमेटी द्वारा खोली जाएगी व सबसे कम दरों की निविंदाए दिनांक 25/08/2026 को होने वाली पंचायत बैठक में पास की जाएगी, इच्छुक वेन्डर निम्न शर्तों व नियमों को पूरा करके अपनी निविंदाए भेज सकते हैः-

1. निविंदाए केवल पंजीकृत डाक द्वारा ही प्राप्त की जाएगी अन्य माध्यम से प्राप्त होने वाली निविंदाए स्वीकार नही होगी। 2. आपूर्तिकर्ता/वेन्डर को खनन विभाग से हस्ताक्षरित एम0फार्म जमा करवाने होगें। 3. ग्राम पंचायत द्वारा वेन्डर के खातें मे भुगतान टी.डी.एस काट कर दिया जाएगा। 4. सबसे कम दर वाले वेन्डर को सप्लाई का आर्डर दिया जाएगा। 5. पंचायत की योजनाओं की मांग के अनुसार प्रत्येक वार्ड में सामान सप्लाई करना होगा। 6. सामग्री के नापतोल क्वालिटी की जांच उपरान्त ही भुगतान वेन्डर के खाते में स्थानान्तरित किया जाएगा। 7. बिक्री कर के नियमों का पालन करना होगा, उल्लघंन करने पर वेन्डर खुद उत्तरदायी होगा। 8. आर्डर सप्लाई पर किसी कानूनी विवाद के लिए पंचायत कर्मचारी व प्रतिनिधी उत्तरदायी नही होगें। 9. आर्डर देने के पश्चात ही सामग्री सप्लाई करनी होगी। 10. किसी भी शर्त व नियमों का उल्लघंन होने पर निविदांए रद्द करने का पंचायत को पूरा अधिकार होगा। 11. बिना सूचना दिए पंचायत तिथि को बढ़ा सकती है, जिस पर किसी भी वेन्डर को कोई आपत्ति दर्ज करने का कोई अधिकार नही होगा, पंचायत के अधिकार सुरक्षित होगे। 12. पारित वेन्डर द्वारा जमानत राशि मु0 50000/रू जमा करनी होगी, जोकि वेन्डर अवधी पूर्ण होने के उपरान्त वापिस होगी। **प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हुआ।**

प्रधान/सचिव, ग्राम पंचायत शलाना
विकास खण्ड राजगढ़ जिला सिरमौर (हि0प्र0)

न्यूज ब्रीफ

सोनप्रयाग पुलिस ने अवैध शराब के साथ आरोपी पकड़ा

अनिल थपलियाल। नशा मुक्ति और अपराध रोकथाम अभियान के तहत सोनप्रयाग पुलिस ने चेकिंग के दौरान अवैध शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आशीष कुमार (32) निवासी तालजमण, बड़ेथ को पकड़ा। उसके कब्जे से पांच हाफ और 44 पव्वे शराब बरामद हुई। मामले में सोनप्रयाग कोतवाली में आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संबद्धता विस्तार के लंबित मामलों को लेकर राज्यपाल से मिले निजी कॉलेज

अनिल थपलियाल। देहरादून में निजी कॉलेज एसोसिएशन उत्तराखंड के प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष डॉ. सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में राज्यपाल से मुलाकात कर वर्षों से लंबित संबद्धता विस्तार मामलों का मुद्दा उठाया। एसोसिएशन ने बताया कि निरीक्षण और शुल्क प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद कई कॉलेजों को समय पर संबद्धता प्रमाणपत्र नहीं मिलते। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय से संबद्ध कुछ कॉलेजों के 2019 के बाद के प्रमाणपत्र भी लंबित हैं। इससे छात्रों की छात्रवृत्ति प्रभावित होने के साथ कॉलेजों को नैक मान्यता और नए पाठ्यक्रम शुरू करने में परेशानी हो रही है। राज्यपाल ने अपर सचिव को विश्वविद्यालयों से वार्ता कर समाधान के निर्देश दिए। प्रतिनिधिमंडल ने अपर सचिव से भी मुलाकात की।

पीपलकोटी टनल हादसा : मृतकों के परिवारों को मिलेंगे 45-45 लाख रुपए

◆ **टीएचडीसीआईएल-एचसीसी और श्रमिक संघ में बनी सहमति**

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून

विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) की टेल रेस टनल (टीआरडी) में 13 अगस्त को हुई दुर्घटना के बाद प्रभावित श्रमिकों और उनके आश्रितों को मुआवजा देने पर टीएचडीसीआईएल, हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी) और श्रमिक संघ के बीच सहमति बन गई है। मृतक श्रमिकों के आश्रितों को विभिन्न स्रोतों से मिलने वाली सहायता को मिलाकर करीब 45 लाख और घायल श्रमिकों को 3.50 लाख की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

शुक्रवार को चमोली के एसडीएम आरके पांडेय की अध्यक्षता में टीएचडीसीआईएल, एचसीसी और हिंदुस्तान जल विद्युत परियोजना निर्माण श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों के बीच संयुक्त वार्ता हुई। वार्ता में श्रमिक संघ ने हादसे से प्रभावित श्रमिकों और उनके आश्रितों को सम्मानजनक एवं समुचित अनुग्रह सहायता उपलब्ध कराने की मांग रखी। वार्ता के बाद बनी सहमति के अनुसार प्रत्येक मृतक श्रमिक के आश्रित को मिलने वाली करीब 45 लाख रुपये की कुल राशि में टीएचडीसीआईएल की ओर से 11.50 लाख रुपये और एचसीसी की ओर से 11.50 लाख रुपये शामिल होंगे। इसके अलावा राज्य सरकार, केंद्र सरकार, श्रमिक मुआवजा और अन्य स्रोतों से मिलने वाली अनुग्रह राशि भी कुल सहायता में शामिल होगी।

एक सप्ताह में खातों में पहुंचेगा मुआवजा

सहमति पत्र में कहा गया है कि मृतक श्रमिकों के आश्रितों और घायल श्रमिकों से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होने, सत्यापन और सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद एक सप्ताह के भीतर निर्धारित राशि संबंधित लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित करने के लिए संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

श्रमिक संघ के कई पदाधिकारी रहे मौजूद

इस दौरान टीएचडीसीआईएल की ओर से अधिशासी निदेशक अजय वर्मा, महाप्रबंधक रवींद्र सिंह राणा, अपर महाप्रबंधक शंभू प्रसाद डोभाल और वरिष्ठ प्रबंधक वीरेंद्र दत्त भट्ट मौजूद रहे। एचसीसी की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर विनोद कुमार, अधिशासी अभियंता विनय कुमार उपाध्याय और वरिष्ठ प्रबंधक गौतम विश्वास ने हिस्सा लिया। श्रमिक संघ की ओर से महामंत्री सोहन कुमार, उपाध्यक्ष गोपाल सिंह नेगी, कार्यालय सचिव समीर शाह, सह-सचिव सूरज कुमार, संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष पवन खंडूड़ी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

अग्निवीरों के भविष्य और सैनिक हितों के लिए संघर्ष करेगा यूकेडी

अनिल थपलियाल

◆ **अग्निवीरों के पुनरोजगार और आरक्षण पर यूकेडी ने सरकार को घेरा**

देहरादून में उत्तराखंड क्रांति दल के सैनिक प्रकोष्ठ ने अग्निवीर योजना, राष्ट्रीय सुरक्षा, युवाओं के रोजगार और पूर्व सैनिकों के हितों को लेकर प्रेस वार्ता की। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सूबेदार मेजर महिपाल सिंह पुंडीर और महामंत्री ऑनरेरी कैप्टन चंद्र मोहन गड़िया ने कहा कि उत्तराखंड सैनिक बहुल प्रदेश है और यहां की कई पीढ़ियों ने सेना में सेवा देकर देश की सुरक्षा में योगदान दिया है। ऐसे में अग्निवीर योजना के दूरगामी प्रभावों पर गंभीर चर्चा जरूरी है।

उन्होंने कहा कि चार वर्ष की सेवा के बाद अग्निवीरों के भविष्य के लिए सरकार को रोजगार, स्वरोजगार, पुलिस और अर्द्धसैनिक सेवाओं में अवसर तथा तकनीकी प्रशिक्षण जैसी ठोस व्यवस्थाएं करनी चाहिए। प्रकोष्ठ ने कहा कि जब पूर्व सैनिकों के लिए सरकारी सेवाओं में निर्धारित पांच प्रतिशत पुनरोजगार व्यवस्था भी पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है, तब अग्निवीरों के लिए दस प्रतिशत आरक्षण की घोषणा को जमीन पर उतारना बड़ी चुनौती है।

अग्निवीरों को ठोस रोजगार नीति दे सरकार : यूकेडी

यूकेडी सैनिक प्रकोष्ठ ने सरकार से अग्निवीरों के पुनरोजगार की स्पष्ट नीति बनाने और उन्हें प्राथमिकता देने की मांग की। अध्यक्ष ने कहा कि यह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि प्रदेश के युवाओं, सैनिक समाज और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि यूकेडी सैनिक प्रकोष्ठ इन मुद्दों को मजबूती से उठाता रहेगा। प्रेस वार्ता में कई पूर्व सैनिक और संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

हिमाग्नि ने बढ़ाया प्रदेश का मान

हिमाग्नि के कांस्य से चमका उत्तराखंड एशियन ओपन में शानदार प्रदर्शन

अनिल थपलियाल

देहरादून के हिमाद्रि आइस स्केटिंग रिंक में आयोजित एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए हिमाग्नि शर्मा, अग्रिमा भट्ट और आयुष रमेश कंसवाल ने करीब 14 देशों के 270 खिलाड़ियों के बीच प्रतिभा दिखाई। हिमाग्नि शर्मा ने 500 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। अग्रिमा भट्ट ने 500 मीटर में 13वां और आयुष रमेश कंसवाल ने 1000 मीटर में 20वां स्थान हासिल किया। आइस स्केटिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष शिव पैन्यूली ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि सीमित प्रशिक्षण के बावजूद उनका प्रदर्शन सराहनीय है। उन्होंने खिलाड़ियों को हिमाद्रि रिंक नियमित रूप से रियायती दरों पर उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में उत्तराखंड के पदकों की संख्या आठ हो गई है।

गांव-गांव पहुंचेगा जागरूकता वाहन युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल

गिरीश चंदोला

संवादाता,चमोली जिले के युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना की जानकारी अब गांव-गांव पहुंचाई जाएगी। शुक्रवार को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर के ऑडिटोरियम में आयोजित एमएसएमई चौपाल के दौरान योजना की जानकारी देने के साथ जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह वाहन 21 अगस्त से एक सितंबर तक जिले के विभिन्न विकासखंडों और न्याय पंचायत क्षेत्रों में पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून स्थित मुख्य सेवक सदन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। गोपेश्वर में मौजूद लोगों ने मुख्यमंत्री का संबोधन वर्चुअल माध्यम से सुना। चौपाल में युवाओं, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमियों को स्वरोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी दी गई।

जागरूकता वाहन के माध्यम से लोगों को मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और वित्तीय सहयोग की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा उद्यमी पंजीकरण, उत्पाद की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार से जोड़ने के बारे में भी मार्गदर्शन मिलेगा।

गौचर में बंद घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

गिरीश चंदोला

चमोली के गौचर में बंद घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो जोड़ी चांदी के कंगन, दो जोड़ी पायल, एक सूटकेस और जैकेट बरामद किए। गौचर निवासी सत्यपाल सिंह चौधरी के देहरादून जाने के दौरान घर में चोरी हुई थी। शिकायत मिलने पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें संदिग्ध की पहचान हुई। शुक्रवार सुबह पुलिस ने गौचर-रुद्रप्रयाग मोटर मार्ग से आरोपी उमेद सिंह भंडारी को दबोच लिया। पूछताछ में उसने चोरी स्वीकार की।

हरिद्वार में हिमालयन एमएसएमई एक्सपो शुरू सौ से अधिक स्टॉल लगे

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। हरिद्वार के प्रेमनगर आश्रम में शुक्रवार को चार दिवसीय हिमालयन एमएसएमई एक्सपो का शुभारंभ हुआ। वाइब्रेंट उत्तराखंड के तहत आयोजित एक्सपो में केंद्र सरकार और करीब छह राज्यों के विभागों व कंपनियों ने 100 से अधिक स्टॉल लगाए हैं। यहां उत्तराखंड समेत सिक्किम, तेलंगाना और दिल्ली के कृषि, बागवानी व स्थानीय उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। आयुर्वेदिक, हर्बल, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और सुगंधित उत्पाद आकर्षण का केंद्र हैं। आयोजक विवेक चौहान ने इसे व्यापारियों और स्टार्टअप के लिए उपयोगी बताया। एक्सपो में एमएसएमई विकास, स्टार्टअप और आधुनिक कृषि तकनीक पर सेमिनार, कार्यशाला और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होंगे।

एकीकृत खेती से आत्मनिर्भर बनीं सत्येश्वरी देवी, मुख्यमंत्री धामी ने किया सम्मानित

उदित नैनवाल

विकासखंड दशोली के देवर खडोरा क्षेत्र स्थित हरियाली स्वायत्त सहकारिता से जुड़ी ग्राम पंचायत डुग्री स्याणा निवासी एवं जय भैरवनाथ स्वयं सहायता समूह की सदस्य सत्येश्वरी देवी को सफल एकीकृत कृषि उद्यम के लिए मुख्यमंत्री सशक्त बहिना योजना के अंतर्गत देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सम्मानित किया। सत्येश्वरी देवी ने कृषि और उससे जुड़ी विभिन्न आजीविका गतिविधियों को एकीकृत करते हुए सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग किया और अपनी आय बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय पहल की।

उनके इस प्रयास में रीप ग्रामोत्थान परियोजना चमोली की ओर से प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग प्रदान किया गया। सत्येश्वरी देवी की उपलब्धि उनके व्यक्तिगत प्रयासों के साथ ही स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन, हरियाली स्वायत्त सहकारिता और रीप ग्रामोत्थान परियोजना के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

जरूरतमंद परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार : प्रेमचंद अग्रवाल

अनिल थपलियाल

◆ **प्रेमचंद अग्रवाल ने जरूरतमंदों को बांटे मुख्यमंत्री राहत कोष के चेक**

ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने शुक्रवार को ऋषिकेश स्थित अपने कैंप कार्यालय में विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से आए जरूरतमंद लोगों को मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से करीब आठ चेक वितरित किए। चेक प्राप्त करने वालों में गंभीर बीमारियों से पीड़ित और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लोग शामिल रहे। इनमें कुछ लाभार्थी कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। आर्थिक कठिनाइयों के बीच मुख्यमंत्री राहत कोष से मिली सहायता उनके उपचार में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करेगी। इस अवसर पर डॉ. अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को उपचार के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए वह लगातार प्रयासरत हैं। भविष्य में भी पात्र लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

नारायणबगड़ में कुत्तों का आतंक, डंडा लेकर बाजार पहुंच रहे लोग

गिरीश चंदोला

चमोली जिले के नारायणबगड़ बाजार और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा और हिंसक कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। कुत्तों के अचानक राहगीरों पर हमला करने से बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में दहशत का माहौल है। हालात यह हैं कि लोग अकेले बाजार आने-जाने से भी डर रहे हैं और सुरक्षा के लिए हाथों में डंडा लेकर चलने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार कुत्तों के झुंड अचानक लोगों के पीछे दौड़ पड़ते हैं और हमला करने की कोशिश करते हैं। समस्या को देखते हुए वन विभाग ने करीब आठ से दस कुत्तों को पकड़कर रेस्क्यू किया है। पशुपालन विभाग भी कुत्तों को इंजेक्शन लगाने का अभियान चला रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से जल्द प्रभावी कार्रवाई कर लोगों को इस समस्या से स्थायी राहत दिलाने की मांग की है।

जनसंवाद लोक मिलन में राज्यपाल ने सुनीं पूर्व सैनिकों और नागरिकों की समस्याएं

जनसमस्याओं के निस्तारण में देरी बर्दाश्त नहीं : राज्यपाल

अनिल थपलियाल

देहरादून स्थित लोक भवन में शुक्रवार को आयोजित लोक मिलन कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने पूर्व सैनिकों, उनके आश्रितों और प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उत्तरकाशी, अल्मोड़ा, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, हरिद्वार और देहरादून से पहुंचे 14 लोगों ने राज्यपाल के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याएं और सुझाव रखे। इनमें भूमि संबंधी मामले, रोजगार उपलब्ध कराने, ग्राम विकास कार्यों में सहयोग सहित व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याएं प्रमुख रहीं।

राज्यपाल ने सभी प्रकरणों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और प्रत्येक मामले को निर्धारित समयसीमा के भीतर नियमों के अनुसार हल किया जाना चाहिए। उन्होंने शिकायत निवारण अधिकारी को निर्देश दिए कि प्राप्त प्रकरणों को तत्काल संबंधित जिलाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों को भेजा जाए तथा समाधान की नियमित निगरानी भी की जाए।

राज्यपाल ने कहा कि लोक भवन में आयोजित लोक मिलन कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, विशेषकर पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों की समस्याओं को सीधे सुनना और उनके समाधान के लिए संवेदनशील पहल करना है। उन्होंने अधिकारियों से जनसमस्याओं के प्रति गंभीरता और संवेदनशीलता बनाए रखने को कहा।

उत्तराखण्ड स्टेट सीड एण्ड ऑर्गेनिक प्रोडक्शन सर्टीफिकेशन एजेन्सी

तृतीय तल, किसान भवन, मसूरी बाईपास, रिंगरोड, नेहरूग्राम, देहरादून, 248001, उत्तराखण्ड, दूरभाष न0: 0135-2671861
ई-मेलः ussopca@gmail.com, Info@usoca.org

USOCA
NPOP/NAB/0011

बीज प्रमाणीकरण कार्यप्रणाली

❖ एजेन्सी बीज अधिनियम 1966, बीज नियम 1968 के अन्तर्गत भारतीय न्यूनतम बीज प्रमाणीकरण मानकों के अनुरुप अधिसूचित प्रजातियों के बीजों का प्रमाणीकरण कार्य सम्पादित करती है।

❖ भारत सरकार द्वारा एजेन्सी को उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली तथा जम्मू एवं कश्मीर में ओ0ई0सी0डी0 बीज प्रमाणन हेतु Designated Authority (DA) नामित किया है।

❖ एजेन्सी ऑनलाईन प्रणाली में बीज प्रमाणीकरण सेवा प्रदान करने वाली अग्रणी संस्था है।

एजेन्सी द्वारा प्रमाणित की जाने वाली प्रमुख फसलें :-

फसल	* खाद्यान्न : गेहूं, जौ, मक्का, धान, मंडुवा, रामदाना, मादिरा * दलहन : चना, मटर, मसूर, गहत (कुल्थी) राजमा, उर्द, मूंग, अरहर * तिलहन : तोरिया, सरसों, सोयाबीन * चारा : जई, लोबिया * सब्जी : मटर, आलू, प्याज
उपलब्धि	* बीज प्रमाणीकरण एजेन्सी ISO 9001: 2015 प्रमाणित संस्था * अन्तर्राष्ट्रीय बीज प्रमाणन (OECD) हेतु डिजिग्नेटेड आर्थोरिटी
प्रमाणन मानक	* भारतीय न्यूनतम बीज प्रमाणीकरण मानक * अन्तर्राष्ट्रीय बीज प्रमाणन OECD मानक ।
प्रमाणीकरण क्षेत्र	* एजेन्सी द्वारा राज्य में लगभग 35 हजार कृषकों के लगभग 01 लाख है0 क्षेत्रफल खाद्यान्न, दलहनी, तिलहनी, चारा एवं सब्जी आदि फसलों की उच्च उत्पादकता युक्त प्रजातियों के लगभग 34 लाख कु0. बीजों की मात्रा का प्रमाणीकरण किया जाता है।

जैविक प्रमाणीकरण कार्यप्रणाली

उपलब्धि :

❖ उत्तराखण्ड स्टेट ऑर्गनिक सर्टीफिकेशन एजेन्सी (USOCA) जैविक प्रमाणीकरण कार्य संचालन हेतु Agriculture and Processed Food Products Export Development Authority (APEDA) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रत्यायित प्रमाणीकरण निकाय (Accredited Certification Body) है।

❖ उत्तराखण्ड स्टेट ऑर्गनिक सर्टीफिकेशन एजेन्सी (USOCA) को भारत वर्ष की सार्वजनिक क्षेत्र में प्रथम जैविक प्रमाणीकरण एजेन्सी होने का गौरव प्राप्त है।

प्रमाणन मानक :

♦ नेशनल प्रोग्राम फॉर ऑर्गनिक प्रोडक्शन (NPOP) एवं ♦ काउँन्सिल रेगुलेशन (EC) नं0 834/2007 (अपरिष्कृत उत्पाद)

प्रमाणीकरण स्कोप श्रेणियाँः USOCA द्वारा निम्न श्रेणियों के अन्तर्गत जैविक प्रमाणन सेवाएँ प्रदान की जा रही है:-

♦ फसल उत्पादन	♦ वन्य उत्पाद संग्रहण	♦ सी-वीड एवं एक्वॉटिक प्लान्टॅस *(Sea weed & Aquatic Plants)*
♦ पशुधन, कुक्कुट पालन एवं उत्पाद	♦ विधायन इकाई	♦ ग्रीन हाऊस फसल उत्पाद *(Green House Crop Production)*
♦ मौन-पालन	♦ व्यापारिक इकाई	♦ एडीशनल इन्पुट *(Additional Inputs)*

2027 से पहले अकाली-भाजपा गठबंधन की चर्चा तेज

संगरूर में जनसभा के दौरान हरसिमरत ने भविष्य के राजनीतिक घटनाक्रम पर दिया संकेत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के बीच संभावित गठबंधन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं एक बार फिर तेज हो गई हैं। अकाली सांसद हरसिमरत कौर बादल के हालिया बयान ने इन अटकलों को और हवा दे दी है। संगरूर में संत हरचंद सिंह लोंगोवाल की बरसी पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने गठबंधन को लेकर सीधे तौर पर कोई घोषणा नहीं की, लेकिन उनके संकेत ने सियासी हलकों में नई चर्चा शुरू कर दी है।

कार्यक्रम के दौरान लोगों ने क्षेत्र में कौशल विश्वविद्यालय की मांग रखी। इस पर हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि यह अच्छी मांग है और ऐसे छोटे-छोटे काम होते रहते हैं। इसके बाद उन्होंने अपने बयान को आगे बढ़ाते हुए कहा कि वह बोलते-बोलते चुप कर जाती हैं और लोगों को जल्द ही खुद पता चल जाएगा कि आगे क्या होने वाला है। उनके इस बयान को अकाली दल और भाजपा के संभावित गठबंधन से जोड़कर देखा जा रहा है।

दोनों दलों के बीच राजनीतिक नजदीकी की चर्चा उस समय और बढ़ी, जब अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की खबर सामने आई। इसके बाद पंजाब की राजनीति में संभावित गठबंधन को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया। हालांकि, अभी तक दोनों दलों की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए किसी औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं की गई है। अकाली दल और भाजपा पहले भी पंजाब में लंबे समय तक गठबंधन के साथी रहे हैं। दोनों दलों ने कई विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़े हैं। हालांकि, कृषि कानूनों को लेकर वर्ष 2020 में दोनों के बीच राजनीतिक संबंधों में बड़ा बदलाव आया और अकाली दल ने भाजपा से अलग होने का फैसला किया था। इसके बाद दोनों पार्टियों ने अलग-अलग चुनावी रणनीतियों के साथ पंजाब की राजनीति में अपनी जगह बनाने की कोशिश की।

अब 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए राज्य में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में यदि अकाली दल और भाजपा के बीच दोबारा समझौता होता है, तो इसका असर राज्य की चुनावी राजनीति पर पड़ सकता है। दोनों दलों के संभावित साथ आने से सीटों के बंटवारे, उम्मीदवारों के चयन और चुनावी रणनीति को लेकर भी कई सवाल खड़े होंगे। हरसिमरत बादल के बयान के बाद अकाली दल के समर्थकों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी चर्चा बढ़ गई है। हालांकि, उनके बयान को अभी गठबंधन की आधिकारिक पुष्टि नहीं माना जा सकता। उन्होंने केवल भविष्य में होने वाले घटनाक्रम की ओर संकेत किया है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल समेत कई राजनीतिक दल आगामी चुनाव की तैयारी में जुटे हैं। ऐसे में किसी भी बड़े राजनीतिक गठबंधन का चुनावी मुकाबले पर सीधा असर पड़ सकता है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अकाली दल और भाजपा 2027 का विधानसभा चुनाव एक बार फिर साथ मिलकर लड़ेंगे। हरसिमरत बादल के बयान ने इस सवाल को और दिलचस्प बना दिया है। अब राजनीतिक नजरें दोनों दलों के अगले कदम और उनकी ओर से आने वाले आधिकारिक बयान पर टिकी हैं।

पंजाब बंद का असर, बाजारों में सन्नाटा सिख बंदियों की रिहाई को लेकर प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर

पंजाब में शुक्रवार को कौमी इंसाफ मोर्चा की ओर से बुलाए गए सात घंटे के बंद का व्यापक असर देखने को मिला। कई इलाकों में बाजारों के शटर बंद रहे और सड़कों पर सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम आवाजाही दिखाई दी। बंद का मुख्य उद्देश्य जेलों में बंद सिख कैदियों की रिहाई की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बनाना बताया गया है।

प्रदर्शन के दौरान कई स्थानों पर नेशनल हाईवे और रेल ट्रैक पर धरने दिए गए। इससे यातायात और रेल सेवाओं पर भी असर पड़ा। कई जगह सार्वजनिक परिवहन बाधित रहा, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्कूलों के अलावा कुछ सरकारी और निजी संस्थानों के बंद रहने की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि, बंद के दौरान आपातकालीन सेवाओं को इससे बाहर रखा गया है। अस्पताल, एंबुलेंस और अन्य जरूरी सेवाओं को सामान्य रूप से संचालित करने की अनुमति दी गई है, ताकि मरीजों और जरूरतमंद लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो।

कौमी इंसाफ मोर्चा लंबे समय से सिख बंदियों की रिहाई का मुद्दा उठाता रहा है। मोर्चे की मांग है कि ऐसे सिख कैदियों को रिहा किया जाए, जो अपनी कानूनी सजा पूरी कर चुके हैं या जिनकी रिहाई से संबंधित मामले लंबे समय से लंबित हैं।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सजा पूरी होने के बावजूद जेलों में बंद लोगों के मामलों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। पंजाब बंद के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन सतर्क रहा।

न्यूज ब्रीफ

मरीज बनकर पहुंची विजिलेंस टीम, 100 रुपए लेते कर्मचारी को रंगे हाथ दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। पीजीआई चंडीगढ़ में मरीजों से कार्ड बनाने के नाम पर कथित वसूली का मामला सामने आया है। इंटरनल विजिलेंस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक अस्पताल अटेंडेंट को रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोप है कि वह 10 रुपये में बनने वाले कार्ड के लिए मरीजों और तीमारदारों से 100 रुपये वसूल रहा था। कर्मचारी के खिलाफ लंबे समय से अतिरिक्त पैसे लेने की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों के आधार पर विजिलेंस टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। टीम का एक सदस्य मरीज बनकर न्यू ओपीडी पहुंचा और कार्ड बनवाने के लिए अटेंडेंट से संपर्क किया। आरोप है कि कर्मचारी ने कार्ड के बदले 100 रुपये मांगे। इसके बाद टीम ने उसे पकड़ लिया। जांच में ऑनलाइन भुगतान के जरिए कथित वसूली का प्रमाण भी सामने आया है। मामले की आगे जांच जारी है।

जालंधर में भीषण सड़क हादसा, दंपती और 6 साल की बेटी की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, जालंधर। जालंधर के फिल्लौर में शुक्रवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान लुधियाना के गांव भामियां निवासी विनय कुमार, उनकी पत्नी सुमन और छह वर्षीय बेटी कविशा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तीनों एक्टिवा पर नकोदर स्थित धार्मिक स्थल से माथा टेककर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी स्कूटी की एक कार से जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। कार चालक से भी पूछताछ की जा रही है। चालक का कहना है कि उसे हादसा कैसे हुआ, यह समझ नहीं आया।

अनुमति न मिलने तक फ्री पेट्रोल बांटने पर रोक, कारोबारी ने जारी किया वीडियो

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-10 और सेक्टर-7 में आज फ्री पेट्रोल का लंगर नहीं लगाया जाएगा। कारोबारी राकेश त्रेहन उर्फ 'राजा दी किंग' ने वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन से कार्यक्रम की अनुमति मिलने तक पेट्रोल बांटने का आयोजन रोक दिया गया है। कारोबारी ने लोगों से भी अपील की कि वे बिना अनुमति के कार्यक्रम स्थल पर भीड़ न जुटाएं। इससे पहले फ्री पेट्रोल बांटने के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने से सड़क पर जाम की स्थिति बन गई थी। इसके बाद प्रशासन की ओर से ऐसे आयोजनों को लेकर अनुमति और यातायात व्यवस्था पर ध्यान दिया जा रहा है। फिलहाल सेक्टर-10 और 7 में पेट्रोल का फ्री लंगर नहीं लगेगा। अनुमति मिलने के बाद ही कार्यक्रम आयोजित करने पर फैसला लिया जाएगा।

भगवंत मान के सियासी सफर पर बनी डॉक्यूमेंट्री, 30 अगस्त को होगी रिलीज

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के जीवन और राजनीतिक सफर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री जल्द रिलीज होने वाली है। 'फ्रॉम सतौज टू पार्लियामेंट' नाम की इस डॉक्यूमेंट्री में उनके गांव सतौज से लेकर संसद और मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने के सफर को दिखाया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुद इसकी जानकारी साझा की है। डॉक्यूमेंट्री 30 अगस्त को सात अलग-अलग भाषाओं में रिलीज की जाएगी। इसमें उनके शुरुआती जीवन, सार्वजनिक जीवन में कदम रखने, राजनीति में प्रवेश और पंजाब के मुख्यमंत्री बनने तक के सफर को प्रमुखता से दिखाने की बात कही गई है। डॉक्यूमेंट्री के जरिए दर्शकों को उनके राजनीतिक संघर्ष और उपलब्धियों की झलक मिलेगी। सात भाषाओं में रिलीज होने से इसे अलग-अलग क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी है। रिलीज की तारीख सामने आने के बाद इसे लेकर राजनीतिक और आम दर्शकों के बीच चर्चा भी शुरू हो गई है। डॉक्यूमेंट्री में मान के राजनीतिक फैसलों, जनसभाओं और सार्वजनिक जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण पड़ावों को भी शामिल किया जाएगा। इससे उनके प्रशंसकों को उनके सफर की एक अलग झलक देखने को मिलेगी।

चंडीगढ़ में पंजाब भाजपा कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

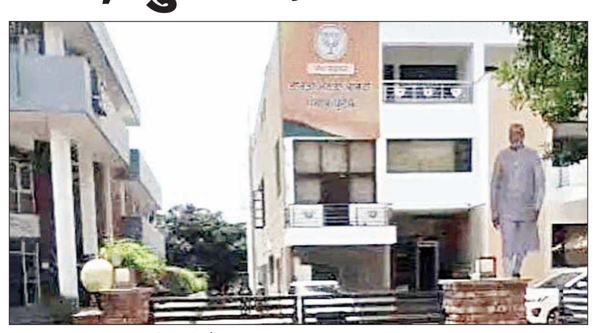

चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा के स्टेट ऑफिस को शुक्रवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। कार्यालय को धमकी भरा ई-मेल मिलने की सूचना के बाद चंडीगढ़ पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए ई-मेल की जांच शुरू कर दी गई है।

बताया जा रहा है कि धमकी ऐसे समय मिली है, जब पंजाब भाजपा कार्यालय पहले भी हमले का निशाना बन चुका है। इससे पहले कार्यालय पर हैंड ग्रेनेड से हमला किया गया था। इस पुराने घटनाक्रम को देखते हुए मौजूदा धमकी को सुरक्षा एजेंसियां गंभीरता से ले रही हैं। धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद पुलिस ने कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है। आसपास के इलाके में भी निगरानी बढ़ाई गई है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ई-मेल किस स्रोत से भेजा गया और धमकी के पीछे किसकी भूमिका हो सकती है।

जांच के दौरान ई-मेल की तकनीकी जानकारी और उसमें दिए गए संदेश को खंगाला जा रहा है। अधिकारियों की ओर से धमकी की वास्तविकता की पुष्टि के लिए जरूरी सुरक्षा प्रक्रियाएं अपनाई जा रही हैं। भाजपा कार्यालय पर पहले हुए ग्रेनेड हमले के कारण पुलिस किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहती। कार्यालय और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी बढ़ाई जा सकती है।

साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। धमकी वास्तविक है या किसी ने डर पैदा करने के उद्देश्य से ई-मेल भेजा है, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा।

अमृतसर के सीमावर्ती गांव में धमाका फौजी के घर पर हमला; दो महिलाएं घायल

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

अमृतसर के भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे रमदास थाना क्षेत्र के गांव जटा में वीरवार देर रात धमाकों से दहशत फैल गई। बताया जा रहा है कि अज्ञात हमलावरों ने एक फौजी के घर को निशाना बनाकर विस्फोटक फेंका। घटना में घर में मौजूद दो महिलाएं घायल हो गईं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र को खंगालते हुए हमलावरों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें कुछ संदिग्ध हमलावर बाइक पर तेज गति से मौके से निकलते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर उनकी पहचान करने में जुटी है।

आसपास लगे अन्य कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है, ताकि हमलावरों के आने-जाने के रास्ते का पता लगाया जा सके। प्रारंभिक जानकारी में घर पर ग्रेनेड फेंके जाने की बात सामने आई है। हालांकि पुलिस ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ग्रेनेड हमले की पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और जांच के बाद ही विस्फोटक की प्रकृति स्पष्ट हो सकेगी।

सीमावर्ती इलाका होने के कारण घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही हैं। घायल महिलाओं की स्थिति और घटना के पीछे किसी विशेष कारण की भी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल पुलिस अज्ञात हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल, पुलिस हमलावरों की पहचान के प्रयास में जुटी है

जीरकपुर में बिल्डर के ऑफिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग, बाइक से आए दो हमलावर फरार

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर

मोहाली के जीरकपुर में शुक्रवार को एक बिल्डर के दफ्तर को दो हथियारबंद युवकों ने निशाना बनाया। बाइक पर आए दोनों बदमाशों ने बिल्डर अमित दुआ के प्रोजेक्ट के गेट पर तीन राउंड फायर किए और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी बाइक पर सवार होकर बिल्डर के प्रोजेक्ट के गेट के पास पहुंचे थे। उन्होंने वहां रुककर फायरिंग की और कुछ ही देर में बाइक से फरार हो गए। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में भी अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर फायरिंग से जुड़े साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि बाइक सवार दोनों युवकों की पहचान की जा सके। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी किस दिशा से आए थे और वारदात के बाद किस रास्ते से फरार हुए। बिल्डर अमित दुआ ने बताया कि उन्हें पिछले करीब एक साल से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं।

उनका आरोप है कि धमकियां केवल उन्हें ही नहीं, बल्कि उनके परिवार के सदस्यों को भी दी जा रही थीं। अब दफ्तर के बाहर हुई फायरिंग के बाद उन्होंने मामले को गंभीर बताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। फायरिंग की घटना को पहले से मिल रही धमकियों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हालांकि, पुलिस अभी सभी पहलुओं की जांच कर रही है और फायरिंग के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हुई है।

घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों की ओर से आसपास के इलाकों में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि फायरिंग के पीछे किसी आपराधिक गिरोह की भूमिका है या किसी अन्य विवाद के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। बिल्डर को पहले से मिल रही धमकियों को देखते हुए पुलिस इस पहलू को भी जांच में शामिल कर रही है। घटना के बाद बिल्डर और उनके परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

वैध प्रमाणपत्र के बावजूद एमबीबीएस काउंसलिंग से बाहर, हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

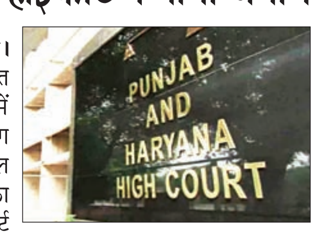

545 और 541 अंक वाले अभ्यर्थियों को काउंसलिंग में नहीं मिली जगह।

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस दाखिले की काउंसलिंग से दो ओबीसी-एनसीएल अभ्यर्थियों को बाहर किए जाने का मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट पहुंच गया है। दोनों अभ्यर्थियों ने याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि उनके पास वैध प्रमाणपत्र होने के बावजूद दस्तावेजों में कमी बताकर उन्हें काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया।

याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन से जवाब मांगा है। दोनों अभ्यर्थियों ने नीट-यूजी परीक्षा में भी अच्छे अंक हासिल किए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एक अभ्यर्थी ने 545 अंक और दूसरे ने 541 अंक प्राप्त किए हैं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उनके पास ओबीसी-एनसीएल श्रेणी से संबंधित वैध प्रमाणपत्र मौजूद हैं। इसके बावजूद दस्तावेज संबंधी कमी का हवाला देकर उन्हें पात्र उम्मीदवारों की काउंसलिंग से बाहर कर दिया गया। इससे उनके एमबीबीएस में प्रवेश के अवसर पर असर पड़ रहा है। मामला हाईकोर्ट पहुंचने के बाद अब चंडीगढ़ प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि दोनों अभ्यर्थियों को काउंसलिंग में शामिल क्यों नहीं किया गया और उनके दस्तावेजों में किस प्रकार की कमी पाई गई थी।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत से राहत की मांग की गई है। उनका पक्ष है कि यदि उनके प्रमाणपत्र निर्धारित नियमों के अनुसार वैध हैं, तो उन्हें काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर दिया जाना चाहिए। अब प्रशासन के जवाब के बाद ही मामले की अगली दिशा स्पष्ट होगी।

116 करोड़ के स्मार्ट सिटी घोटाले में बड़ा अपडेट, फरार अकाउटेंट ने किया सरेंडर

थाईलैंड भागने के आरोप के बाद अनुभव मिश्रा सीबीआई की हिरासत में पहुंचा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम के चर्चित स्मार्ट सिटी घोटाले में सात महीने से फरार चल रहे अकाउंटेंट अनुभव मिश्रा ने आखिरकार गुरुवार को विशेष सीबीआई अदालत में सरेंडर कर दिया। सरेंडर के बाद सीबीआई ने उसे हिरासत में ले लिया और कोर्ट से पूछताछ के लिए रिमांड मांगा। अदालत ने सीबीआई को आरोपी का सात दिन का रिमांड दे दिया है।

सीबीआई के मुताबिक, अनुभव मिश्रा को जब कथित घोटाले में अपनी भूमिका को लेकर जांच एजेंसी की कार्रवाई की भनक लगी, तो वह देश छोड़कर थाईलैंड चला गया था। लंबे समय तक फरार रहने के कारण जांच एजेंसी उसकी तलाश कर रही थी। पिछले सप्ताह अदालत की ओर से उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया गया था। इसके बाद आरोपी ने अदालत में पेश होकर सरेंडर किया।

यह मामला चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी से जुड़े करीब 116.84 करोड़ रुपये के कथित घोटाले का है। सीबीआई इस मामले में वित्तीय लेनदेन, दस्तावेजों और कथित अनियमितताओं की जांच कर रही है। जांच एजेंसी अब अनुभव मिश्रा से घोटाले में उसकी भूमिका के अलावा दूसरे आरोपियों और संबंधित लोगों के बारे में भी पूछताछ करेगी। सीबीआई का कहना है कि रिमांड के दौरान आरोपी से कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जाएगा।

जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि कथित घोटाले में रकम के लेनदेन और भुगतान से जुड़े फैसलों में उसकी क्या भूमिका थी। इसके साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि मामले में कौन-कौन से अधिकारी या अन्य लोग शामिल थे और उनके बीच किस तरह का संपर्क था। अदालत में सरेंडर के बाद अनुभव मिश्रा को सीबीआई ने अपनी हिरासत में ले लिया। अब सात दिनों की पूछताछ के दौरान जांच एजेंसी दस्तावेजों और अन्य सबूतों के आधार पर उससे सवाल करेगी। सीबीआई यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि वह घोटाले का पता चलने के बाद थाईलैंड क्यों गया और वहां कितने समय तक रहा।

मामले में आरोपी के विदेश जाने से जांच एजेंसी के सामने उसकी तलाश एक चुनौती बनी हुई थी। अब उसके वापस आने और अदालत में सरेंडर करने के बाद जांच को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हुआ है। गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद उसका सरेंडर करना मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। फिलहाल सीबीआई की जांच जारी है। सात दिन के रिमांड के दौरान अनुभव मिश्रा से पूछताछ के बाद घोटाले में अन्य लोगों की भूमिका को लेकर भी तस्वीर स्पष्ट होने की उम्मीद है। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि 116.84 करोड़ रुपये से जुड़े इस कथित घोटाले में वित्तीय और प्रशासनिक स्तर पर किस-किस की भूमिका रही। सीबीआई अब मामले में जुड़े अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी खंगालेगी।

जांच के दौरान बैंक खातों, भुगतान प्रक्रिया और संबंधित दस्तावेजों की जांच की जाएगी। एजेंसी यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि कथित अनियमितताओं से किसे आर्थिक लाभ पहुंचा। अनुभव मिश्रा से पूछताछ के आधार पर आगे कुछ अन्य लोगों को भी जांच के दायरे में लाया जा सकता है। फिलहाल आरोपी सात दिन की सीबीआई हिरासत में है और जांच एजेंसी उससे घोटाले से जुड़े अहम तथ्यों की जानकारी जुटाने में लगी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चंडीगढ़ में वेंडर्स पर कार्रवाई, 20 सेक्टर होंगे अतिक्रमण मुक्त

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुपालन में शहर में अवैध वेंडिंग और अतिक्रमण के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। शुक्रवार से शुरू हुए इस अभियान के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को उनकी निर्धारित वेंडिंग साइट्स पर शिफ्ट किया जा रहा है। निगम का लक्ष्य शुरुआती चरण में सेक्टर-1 से 20 तक के क्षेत्रों को अतिक्रमण मुक्त करना है।

नगर निगम की संयुक्त टीमों ने जोन-1 के अंतर्गत आने वाले विभिन्न इलाकों में कार्रवाई शुरू की। इनमें सेक्टर 1 से 20 के अलावा खुड्डा अलीशेर, कैंबवाला, खुड्डा लाहौरा, खुड्डा जस्सू, सारंगपुर और धनास शामिल हैं। इन क्षेत्रों में उन वेंडर्स को हटाया जा रहा है, जिन्हें ड्रॉ ऑफ लॉट्स की प्रक्रिया के तहत पहले ही निर्धारित वेंडिंग साइट आवंटित की जा चुकी है। निगम अधिकारियों के अनुसार, अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से लगने वाली रेहड़ियों और स्टॉल को हटाकर वेंडर्स को व्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और आम लोगों के लिए सार्वजनिक रास्तों को सुगम करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

पहले चरण में सेक्टर 1 से 20 तक कार्रवाई की जा रही है। निगम की टीमें उन वेंडर्स की पहचान कर रही हैं, जिन्हें पहले ही वैकल्पिक वेंडिंग साइट दी जा चुकी है, लेकिन वे अब भी पुराने स्थानों पर कारोबार कर रहे हैं। ऐसे वेंडर्स को निर्धारित जगहों पर भेजा जा रहा है। अभियान के दौरान निगम की अलग-अलग टीमें मौके पर मौजूद रहेंगी और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेंगी। अधिकारियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार वेंडिंग व्यवस्था को व्यवस्थित करना जरूरी है। इसके लिए आवंटित साइट्स का इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाएगा।

निगम की कार्रवाई से आने वाले दिनों में शहर के कई प्रमुख बाजारों और सड़कों पर अतिक्रमण कम होने की उम्मीद है। वहीं, वेंडर्स को भी निर्धारित स्थानों पर कारोबार करने के लिए कहा जा रहा है। निगम अब अभियान को आगे बढ़ाते हुए अन्य क्षेत्रों में भी कार्रवाई कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

किश्तवाड़ में 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा की मौत, शिक्षक गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 14 वर्षीय छात्रा की मौत के बाद सनसनी फैल गई। छात्रा छात्रू इलाके की रहने वाली थी। गर्भावस्था से संबंधित उपचार के लिए उसे किश्तवाड़ से डोडा रेफर किया गया था, लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने नाबालिग की गर्भावस्था से जुड़े आरोपों के मामले में एक स्कूल शिक्षक को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार जांच के दौरान यह पता लगाया जा रहा है कि छात्रा की गर्भावस्था किन परिस्थितियों में हुई और उसकी मौत की वास्तविक वजह क्या थी। मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नाबालिग की पहचान गोपनीय रखी गई है।

एलओसी के पास मिला मोर्टार शेल, सेना ने सुरक्षित कर किया निष्क्रिय

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास सेना ने एक मोर्टार शेल बरामद कर उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। यह मोर्टार शेल मेंढर के मनकोट सेक्टर के डबराज इलाके में मिला था। शेल मिलने की सूचना मिलते ही सेना का बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और क्षेत्र को सुरक्षित करने के बाद नियंत्रित तरीके से मोर्टार शेल का निस्तारण किया। इस दौरान किसी तरह की अनहोनी नहीं हुई। अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई के दौरान किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है। सेना ने आवश्यक सुरक्षा सावधानियां बरतते हुए पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। एलओसी के संवेदनशील क्षेत्र में मोर्टार शेल मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बढ़ाई गई है।

पुलवामा हमले के आरोपी इंशा जान को बड़ा झटका, कोर्ट ने जमानत ठुकराई

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। पुलवामा आतंकी हमले की साजिश और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह देने के आरोपी इंशा जान को स्पेशल एनआईए कोर्ट से राहत नहीं मिली। अदालत ने उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। विशेष न्यायाधीश प्रेम सागर ने कहा कि मामले में गवाहों से पूछताछ जारी है और आरोपी की रिहाई से अभियोजन के मुख्य गवाहों को प्रभावित किए जाने की आशंका है। इंशा जान पर रणबीर दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, यूएपीए और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मुकदमा चल रहा है। आरोप है कि उसने अपने पिता के साथ मिलकर जैश आतंकियों को घर में पनाह देने के साथ भोजन और आवाजाही में भी मदद की। बचाव पक्ष ने लंबे समय से जेल में रहने और स्वास्थ्य संबंधी दलीलें दी थीं। अदालत ने जेल प्रशासन को आवश्यक चिकित्सा सुविधा देने के निर्देश दिए।

सर्जियो गोर के बयान पर जम्मू-कश्मीर में बढ़ी सियासी हलचल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के श्रीनगर दौरे के दौरान जम्मू-कश्मीर को भारत का अहम हिस्सा बताए जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो गई हैं। भाजपा ने इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत और पाकिस्तान के प्रचार पर करारा जवाब बताया। वहीं कांग्रेस ने तीसरे पक्ष की भूमिका बनने को केंद्र सरकार की नीतिगत विफलता करार दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान द्वारा अमेरिकी राजनयिक को तलब किए जाने को अमेरिका-पाकिस्तान का द्विपक्षीय मामला बताया। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अमेरिकी भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका को ज्यादा गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। अपनी पार्टी ने हालांकि गोर के बयान का स्वागत किया है।

बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा को लेकर हाई अलर्ट, 50 वाहनों के काफिले से बढ़ी निगरानी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के पांचवें दिन श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही को लेकर राजौरी-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। करीब 50 वाहनों के काफिले में लगभग 42 बड़ी बसें शामिल थीं। सुरक्षा एजेंसियों ने हाईवे और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई, ताकि यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। यातायात पुलिस के एसपी फारूक कैसर ने बताया कि काफिला सुरक्षित रूप से राजौरी पहुंच गया और यातायात व्यवस्था सामान्य रही। प्रशासन ने यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए पहले ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए थे।

जम्मू को बड़ी सौगात, 378 करोड़ से बनेगा अम्बफला-रूपनगर फ्लाईओवर

दो महीने में तैयार होगी फ्लाईओवर की डीपीआर, फिर बढ़ेगा काम

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

जम्मू शहर की लंबे समय से चली आ रही यातायात समस्या के समाधान की दिशा में बहुप्रतीक्षित अम्बफला-रूपनगर फ्लाईओवर परियोजना को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है। करीब 378.40 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस महत्वाकांक्षी परियोजना से जानीपुर रोड और आसपास के क्षेत्रों में लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना का विचार करीब 19 वर्ष पहले सामने आया था, लेकिन विभिन्न कारणों से यह लंबे समय तक आगे नहीं बढ़ सका। अब इसके निर्माण की दिशा में नए सिरे से तेजी दिखाई दे रही है।

फ्लाईओवर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए भोपाल की मंगलमल इंफ्रा एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड को कंसलटेंसी का काम सौंपा गया है। कंपनी ने न्यू प्लाट और आसपास के क्षेत्रों में मिट्टी की जांच का काम शुरू कर दिया है। निर्माण से पहले जमीन की स्थिति, मिट्टी की क्षमता और अन्य तकनीकी पहलुओं का अध्ययन किया जा रहा है। इन जांचों के आधार पर फ्लाईओवर की डिजाइन और निर्माण से जुड़ी तकनीकी योजना तैयार की जाएगी।

कंसलटेंसी कंपनी को निर्धारित समय के अनुसार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर लोक निर्माण विभाग को सौंपनी है। अधिकारियों के अनुसार करीब दो महीने में डीपीआर तैयार होने की उम्मीद है, जबकि कंसलटेंसी के लिए कुल 90 दिन की समयसीमा निर्धारित की गई है। डीपीआर तैयार होने के बाद लोक निर्माण विभाग प्रस्ताव को सरकार के समक्ष भेजेगा। इसके बाद परियोजना के अगले चरण की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। अम्बफला-रूपनगर फ्लाईओवर को जम्मू शहर की यातायात व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है। जानीपुर रोड और आसपास के इलाकों में वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण पीक समय में अक्सर जाम की स्थिति बनती है।

लेह हिंसा के 25 आरोपियों को राहत

लेह हिंसा में 11 महीने बाद 25 लोगों के केस होंगे वापस

भारतेंदु संवाददाता, लेह। लद्दाख प्रशासन ने पिछले वर्ष 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा के मामले में बड़ा फैसला लिया है। प्रशासन ने हिंसा से जुड़े 87 लोगों में से 25 लोगों पर दर्ज प्राथमिकी वापस लेने की घोषणा की है। इसके साथ ही लद्दाख में जल्द पंचायत चुनाव कराने की बात भी कही गई है। यह फैसला लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस की मांगों के बीच प्रशासन के रुख में नरमी के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। लद्दाख के मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने लेह में आयोजित प्रेस वार्ता में इन फैसलों की जानकारी दी।

◆ लेह हिंसा के मामलों में सरकार ने नरम किया रुख

दरअसल, 24 सितंबर 2025 को लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लेह में बड़ी रैली आयोजित की गई थी। लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के नेतृत्व में आयोजित यह प्रदर्शन बाद में हिंसक हो गया था। इस दौरान चार लोगों की मौत हुई थी और बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। घटना के बाद प्रशासन ने कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए थे।

हिंसा के करीब 11 महीने बाद प्रशासन ने 25 लोगों पर दर्ज मामलों को वापस लेने का निर्णय लिया है। हालांकि, बाकी मामलों को लेकर तत्काल राहत नहीं दी गई है। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि शेष मामलों की जांच पुलिस महानिदेशक के स्तर पर की जाएगी। इससे संकेत मिलता है कि सभी मामलों को एक साथ समाप्त करने के बजाय प्रत्येक मामले की परिस्थितियों और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने पंचायत चुनाव जल्द कराने की घोषणा भी की है।

स्थानीय निकाय चुनावों में देरी भाजपा के लिए बनेगा बड़ा मुद्दा

एनसी-कांग्रेस लोकल सेल्फ गवर्नमेंट की सबसे बड़ी दुश्मन : पठानिया

भारतेंदु संवाददाता, उधमपुर

उधमपुर ईस्ट से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायक रणबीर सिंह पठानिया ने शुक्रवार को उमर अब्दुल्ला की सरकार पर पंचायत और अर्बन लोकल बॉडी चुनावों में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने एनसी और कांग्रेस को जम्मू-कश्मीर में 'लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट की सबसे बड़ी दुश्मन' बताया। पठानिया ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को मज़बूत लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट की ज़रूरत है। लोकल बॉडी चुनावों में देरी को लेकर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों को अपना रुख साफ़ करना चाहिए।

◆ स्थानीय सरकार मजबूत करने के बजाय चुनाव टाल रही एनसी : पठानिया

उन्होंने पूछा कि आज लद्दाख ने अपने लोकल बॉडी चुनावों की घोषणा कर दी है। जम्मू-कश्मीर को किस चीज़ ने रोका है, क्या रुकावट है। पठानिया ने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर में लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट की सबसे बड़ी दुश्मन नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस हैं। वे चाहते हैं कि लोग छोटी-मोटी नाली, गली, पाइप या सड़क के लिए परेशान हों और उनके पास आएं। उन्होंने कहा कि पंचायत और यूएलबी चुनावों में देरी आने वाले सेशन में बीजेपी के लिए एक बड़ा मुद्दा होगा।

पठानिया ने कहा कि यह एक ऐसी सरकार है जिसकी कोई प्रतिबद्धता, कोई दिशा या विकास की कोई सोच नहीं है। हम इसे बेनकाब करेंगे और इसका विरोध करेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर ज़मीनी स्तर पर न दिखने का आरोप लगाया।

लद्दाख पहुंचे अमेरिकी राजदूत, थिकसे मठ के किए दर्शन

भारतेंदु संवाददाता, लेह। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को लद्दाख के प्रसिद्ध थिकसे मठ का दौरा किया। पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मठ मध्य लद्दाख का सबसे बड़ा बौद्ध मठ माना जाता है। अपनी स्थापत्य शैली के कारण यह तिब्बत के प्रसिद्ध पोटाला पैलेस जैसा दिखाई देता है। लेह से करीब 19 किलोमीटर की दूरी पर स्थित थिकसे मठ लद्दाख की समृद्ध बौद्ध संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण केंद्र है। थिकसे मठ की स्थापना वर्ष 1433 में हुई थी। यहां प्राचीन मूर्तियां, स्तूप, स्क्रॉल पेंटिंग और दीवारों पर बनी आकर्षक चित्रकलाएं मौजूद हैं। मठ की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत इसे लद्दाख आने वाले पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण बनाती है। यहां 1980 के दशक में स्थापित मैत्रेय बुद्ध की करीब 15 मीटर यानी 48 फीट ऊंची प्रतिमा भी प्रमुख आकर्षण है।

मां वैष्णो देवी: कटड़ा में भव्य महाआरती आज

मां वैष्णो देवी की नगरी में सजेगा भव्य धार्मिक आयोजन

भारतेंदु संवाददाता, कटड़ा। मां वैष्णो देवी की पावन नगरी कटड़ा में आज श्रद्धा और भक्ति से सराबोर भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। आज शाम सात बजे फवारा चौक मुख्य बस अड्डे पर श्री माता वैष्णो देवी की भव्य महाआरती और दिव्य भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट की ओर से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

◆ श्रद्धालुओं के लिए खास शाम, फवारा चौक पर होगी भव्य महाआरती

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाआरती के आयोजन, श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था और कार्यक्रम को आध्यात्मिक स्वरूप देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान डीआईजी शिव कुमार शर्मा, एसपी कटड़ा कामेश्वर पुरी, भाजपा जिला अध्यक्ष रोहित दुबे, अरुण शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक और आयोजन से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे।

महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि मां भगवती के पावन चरणों में आयोजित होने वाली महाआरती श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति का सुंदर संगम होगी। उन्होंने कहा कि इस धार्मिक आयोजन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की भक्ति से जोड़ना और क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण को मजबूत करना है।

जेएंडके में फिर बदलेगा मौसम, 29 से तेज बारिश के आसार

मौसम विभाग अलर्ट, बारिश के साथ भूस्खलन और बाढ़ का भी खतरा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में इन दिनों गर्मी और उमस का असर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम मुख्य रूप से गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है। हालांकि बीच-बीच में बादल छाने और बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिल सकती है। विशेष रूप से जम्मू संभाग के कुछ इलाकों में सुबह और दोपहर के समय गरज के साथ तेज बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। मौसम में अचानक बदलाव को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 21 और 22 अगस्त को जम्मू संभाग के कई स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में अचानक तेज वर्षा होने की भी संभावना है। ऐसे में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। बारिश के दौरान जलभराव और स्थानीय स्तर पर यातायात प्रभावित होने की स्थिति भी बन सकती है।

◆ जम्मू-कश्मीर में 29-31 अगस्त तक तेज बारिश की संभावना

इसके बाद कुछ दिनों तक मौसम में उमस बनी रह सकती है। दिन के समय तापमान बढ़ने से लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि आसमान में बादलों की आवाजाही और कहीं-कहीं होने वाली बारिश से तापमान में थोड़ी गिरावट आने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले किसानों के लिए भी बारिश राहत लेकर आ सकती है, क्योंकि इससे फसलों को पर्याप्त नमी मिलने में मदद होगी। मौसम विभाग ने 29 से 31 अगस्त के बीच जम्मू-कश्मीर में बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान जताया है। इस अवधि में जम्मू संभाग के कई हिस्सों में तेज बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश की स्थिति बनने पर अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

एसएमवीडीयू की स्टाफ बस दुर्घटनाग्रस्त, 15 लोग घायल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू जिले के झज्जर कोटली इलाके के पास शुक्रवार को श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय की स्टाफ बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कम से कम 15 लोग घायल हो गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस के ब्रेक फेल होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस हादसे का शिकार हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों और संबंधित अधिकारियों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया तथा घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारी के अनुसार दुर्घटना में घायल सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। फिलहाल घायलों की स्थिति और हादसे के कारणों से जुड़ी विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

लैंड पूलिंग नीति से बदलेगा जेएंडके का शहरी विकास मॉडल

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर सरकार ने शहरी क्षेत्रों के सुनियोजित विकास को गति देने के लिए लैंड पूलिंग नीति-2026 अधिसूचित कर दी है। आवास एवं शहरी विकास विभाग की ओर से जारी इस नीति का उद्देश्य बिखरी हुई जमीन को एकत्र कर आधुनिक आवासीय, वाणिज्यिक, संस्थागत और आधारभूत ढांचे का विकास करना है। नीति में जमीन मालिकों की स्वैच्छिक भागीदारी को प्रमुख आधार बनाया गया है।

◆ बिखरी जमीन से बनेगा आधुनिक शहर, नई नीति में 60-40 व्यवस्था

नई व्यवस्था के तहत अलग-अलग मालिकों की जमीन को एक साथ पूल किया जाएगा। इसके बाद संबंधित क्षेत्र की समग्र योजना तैयार कर सड़क, आवास, व्यावसायिक क्षेत्र और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इससे छोटे-छोटे और बिखरे भूखंडों के कारण होने वाली अनियोजित वृद्धि पर रोक लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

लैंड पूलिंग नीति की सबसे महत्वपूर्ण व्यवस्था जमीन के बंटवारे को लेकर है। पूल की गई जमीन का 60 प्रतिशत हिस्सा कंसोर्टियम या डेवलपर के पास रहेगा। इसके बदले डेवलपर क्षेत्र के नियोजित विकास और संबंधित कार्यों को आगे बढ़ाएगा। वहीं शेष 40 प्रतिशत जमीन विकास प्राधिकरण को दी जाएगी। इस हिस्से का इस्तेमाल सार्वजनिक सुविधाओं और शहर स्तरीय आधारभूत ढांचे के विकास के लिए किया जाएगा।

बयानबाजी

उमर अब्दुल्ला पर भड़कीं इल्तिजा मुफ्ती, बोलीं- इतना कमजोर मुख्यमंत्री नहीं देखा

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री को मजबूती दिखानी चाहिए: इल्तिजा मुफ्ती

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के कथित रक्षात्मक रवैये को लेकर तीखा हमला बोला है। शोपियां में आयोजित एक युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर का कमजोर और डरा हुआ मुख्यमंत्री बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर और भारत के इतिहास में इतना कमजोर और डरा हुआ मुख्यमंत्री पहले कभी नहीं देखा।

इल्तिजा मुफ्ती ने मुख्यमंत्री के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री को अपने रुख पर मजबूती से कायम रहना चाहिए। उनके अनुसार प्रदेश के लोगों का प्रतिनिधित्व करते समय मुख्यमंत्री को आत्मविश्वास, दृढ़ता और मजबूती का प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि मुख्यमंत्री को इतना रक्षात्मक होने की जरूरत क्यों है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री को अपने लोगों के लिए मजबूती से खड़ा होना चाहिए और उनकी समस्याओं तथा हितों को प्रभावी तरीके से सामने रखना चाहिए।

मुफ्ती ने अमेरिकी राजदूत के श्रीनगर दौरे का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राजदूत श्रीनगर आए थे और उनसे बैठक से कुछ घंटे पहले मुख्यमंत्री लोगों को यह बताने लगे थे कि बैठक का एजेंडा क्या है और क्या नहीं है। इल्तिजा मुफ्ती ने इसी उदाहरण के जरिए मुख्यमंत्री के कथित रक्षात्मक रवैये पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुखिया को किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी स्थिति स्पष्ट और मजबूती से रखनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक परिस्थितियां अन्य राज्यों से अलग: इल्तिजा मुफ्ती

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक परिस्थितियां अन्य राज्यों से अलग रही हैं। ऐसे में यहां के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। मुख्यमंत्री को जनता की उम्मीदों और समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने चाहिए। लोगों को ऐसा नेतृत्व चाहिए जो कठिन परिस्थितियों में भी आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रख सके और प्रदेश के हितों की मजबूती से पैरवी करे।

शोपियां में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में इल्तिजा मुफ्ती ने युवाओं से जुड़े मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं के सामने बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। बड़ी संख्या में युवा रोजगार के अवसरों की तलाश कर रहे हैं। युवाओं को अपने भविष्य को लेकर कई तरह की चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार और राजनीतिक नेतृत्व को युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए।

उन्होंने युवाओं को भरोसा दिलाया कि उनकी आवाज उठाने और उनकी समस्याओं को सामने रखने के लिए वह उनके साथ खड़ी रहेंगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। रोजगार, शिक्षा, कौशल विकास और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस प्रयास जरूरी हैं।

2018 के बाद लद्दाख में फिर पंचायत चुनाव, 193 पंचायतों में होगा मतदान

मतदाता सूची संशोधन के बाद जारी होगी अधिसूचना

भारतेंदु संवाददाता, लेह

लद्दाख में लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन ने पंचायत चुनाव कराने का फैसला लिया है। इसके लिए राज्य चुनाव आयोग को मतदाता सूची में संशोधन करने और चुनाव अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने बताया कि पंचायत चुनाव कराने पर विचार चल रहा है और जल्द ही चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। प्रशासन के इस फैसले से ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से बने राजनीतिक शून्य को समाप्त करने की उम्मीद जगी है।

लद्दाख में आखिरी बार पंचायत और नगर निकाय चुनाव वर्ष 2018 में हुए थे। उस समय लद्दाख जम्मू-कश्मीर का हिस्सा था। इसके बाद 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अलग होकर लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। पंचायतों और स्थानीय निकायों का कार्यकाल वर्ष 2023 के अंत तथा 2024 की शुरुआत में समाप्त हो गया था। इसके बाद से स्थानीय स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों की कमी बनी हुई थी।

अब प्रशासन ने आगामी पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज करने का निर्णय लिया है। लद्दाख की कुल 193 पंचायतों में मतदान कराया जाएगा। चुनाव से पहले मतदाता सूचियों को संशोधित किया जाएगा, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम शामिल किए जा सकें और चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी हो। चुनाव की अंतिम तिथि और विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा अधिसूचना जारी होने के बाद स्पष्ट होगी।

शनिवार की परंपराएं व्यक्ति को अच्छे कर्म और जिम्मेदार जीवन जीने की प्रेरणा देती हैं

ठाकुर हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक

शनिवार सप्ताह का छठा दिन है और भारतीय जीवनशैली में इसका विशेष महत्व माना जाता है। सामान्य रूप से शनिवार को सप्ताह के अन्य दिनों की तरह ही देखा जाता है, लेकिन भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और ज्योतिष में शनिवार का अलग स्थान है। यह दिन विशेष रूप से भगवान शनिदेव को समर्पित माना जाता है। मान्यता है कि शनिदेव कर्म और न्याय के देवता हैं तथा मनुष्य को उसके कर्मों के अनुसार फल प्रदान करते हैं। इसी कारण शनिवार के दिन लोग अपने कार्यों, व्यवहार और आचरण को लेकर विशेष सावधानी बरतते हैं।

शनिवार का संबंध शनि ग्रह से माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में शनि को अनुशासन, परिश्रम, न्याय, धैर्य और कर्म का प्रतिनिधि माना गया है। शनि की गति अन्य ग्रहों की तुलना में धीमी मानी जाती है और इसी कारण जीवन में शनि से जुड़े परिणाम भी लंबे समय में दिखाई देने की मान्यता है। शनिवार को लोग शनिदेव की पूजा करते हैं और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। कई स्थानों पर इस दिन विशेष धार्मिक आयोजन भी किए जाते हैं।

भारतीय समाज में शनिवार को लेकर कई पारंपरिक मान्यताएं प्रचलित हैं। कुछ लोग इस दिन तेल का दान करते हैं, जरूरतमंदों की सहायता करते हैं और शनिदेव के मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना करते हैं। काले तिल, काले वस्त्र, सरसों के तेल और अन्य वस्तुओं का दान करने की भी परंपरा कई क्षेत्रों में देखने को मिलती है। इन परंपराओं का मूल उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि जरूरतमंद लोगों की मदद और समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा देना भी माना जा सकता है।

शनिवार हमें कर्म के महत्व का संदेश भी देता है। जीवन में सफलता केवल इच्छा करने से नहीं मिलती बल्कि निरंतर मेहनत, धैर्य और अनुशासन की आवश्यकता होती है। कठिन परिस्थितियां मनुष्य को मजबूत बनाती हैं और संघर्ष के दौरान धैर्य बनाए रखना जरूरी होता है। शनिदेव से जुड़ी मान्यताएं इसी विचार को सामने रखती हैं कि व्यक्ति को अपने कर्मों के प्रति जिम्मेदार रहना चाहिए। अच्छे कर्मों का महत्व और गलत कार्यों से बचने की प्रेरणा शनिवार की धार्मिक परंपराओं में दिखाई देती है।

शनिवार के दिन कई लोग हनुमान जी की पूजा भी करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी की आराधना से शनिदेव की प्रतिकूलता कम होती है। इस कारण शनिवार को हनुमान मंदिरों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। लोग हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं और भगवान से शक्ति, साहस तथा जीवन में आने वाली कठिनाइयों से लड़ने की क्षमता की प्रार्थना करते हैं। हालांकि इन धार्मिक मान्यताओं को आस्था के रूप में देखा जाना चाहिए।

शनिवार का सामाजिक महत्व भी है। सप्ताह भर काम करने के बाद बहुत से लोगों के लिए शनिवार आराम, परिवार के साथ समय बिताने और व्यक्तिगत कार्य पूरे करने का अवसर होता है। कुछ संस्थानों और कार्यालयों में शनिवार को अवकाश रहता है, जबकि कई जगह यह कार्यदिवस भी होता है। आधुनिक जीवन में शनिवार लोगों को अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर स्वास्थ्य, परिवार और रुचियों पर ध्यान देने का अवसर प्रदान करता है।

विद्यार्थियों के लिए भी शनिवार उपयोगी दिन हो सकता है। सप्ताह भर की पढ़ाई की समीक्षा, अधूरे कार्य पूरे करना और अगले सप्ताह की तैयारी इस दिन की जा सकती है। यदि छात्र शनिवार को समय का सही उपयोग करें तो पढ़ाई के दबाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसी तरह कामकाजी लोग भी सप्ताह के दौरान अधूरे रह गए कार्यों की योजना बना सकते हैं और आने वाले दिनों के लिए अपने लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। शनिवार हमें पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी दे सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

झूठी और भ्रामक सूचनाओं की बढ़ती बाढ़ से लोकतांत्रिक व्यवस्था पर मंडरा रहा खतरा

सुमिता डावरा
स्वतंत्र लेखिका

आज का डिजिटल युग सूचना की अभूतपूर्व तेजी का युग है। इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों ने दुनिया के किसी भी कोने की खबर को कुछ ही क्षणों में करोड़ों लोगों तक पहुंचाने की क्षमता पैदा कर दी है। यह सुविधा निश्चित रूप से आधुनिक समाज की बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर चुनौती भी तेजी से उभर रही है और वह है सूचना प्रदूषण। सही जानकारी के साथ झूठी, भ्रामक, अधूरी और संदर्भ से काटकर प्रस्तुत की गई सूचनाओं का प्रसार इतना बढ़ गया है कि आम व्यक्ति के लिए सत्य और असत्य में अंतर करना कठिन होता जा रहा है। यही स्थिति लोकतांत्रिक समाज के लिए चिंता का विषय है।

सूचना प्रदूषण केवल गलत खबरों तक सीमित नहीं है। अनजाने में फैलाई गई भ्रामक सूचना, जानबूझकर प्रसारित की गई झूठी सूचना और सही जानकारी का गलत उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न रूप आज डिजिटल दुनिया में मौजूद हैं। सामाजिक माध्यमों पर किसी तस्वीर, वीडियो या संदेश को बिना उसकी सत्यता जांचे साझा कर देना भी इस समस्या को बढ़ाता है। कई बार पुरानी घटनाओं की तस्वीरों को नई घटनाओं से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। इसी तरह अधूरी जानकारी को इस प्रकार फैलाया जाता है कि उसका अर्थ पूरी तरह बदल जाता है।

इस समस्या का सबसे गंभीर प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था पर दिखाई देता है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए नागरिकों का तथ्यात्मक और विश्वसनीय जानकारी तक पहुंचना आवश्यक है। मतदाता यदि गलत सूचनाओं से प्रभावित होकर अपनी राय बनाता है तो उसका असर केवल किसी व्यक्ति की सोच तक सीमित नहीं रहता बल्कि चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक निर्णयों पर भी पड़ सकता है। राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौर में सामाजिक माध्यमों पर फैलने वाली झूठी सामग्री स्थिति को और जटिल बना देती है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह चुनौती और गंभीर हो जाती है। यहां करोड़ों लोग इंटरनेट और सामाजिक माध्यमों का इस्तेमाल करते हैं। बड़ी डिजिटल आबादी के कारण किसी भी भ्रामक सामग्री के व्यापक स्तर पर फैलने की संभावना बहुत अधिक रहती है। राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक विषयों से जुड़ी गलत सूचनाएं कई बार लोगों की भावनाओं को प्रभावित करती हैं। इससे समाज में अविश्वास बढ़ सकता है और तनावपूर्ण परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने इस चुनौती का नया रूप सामने रखा है। अब आवाज और तस्वीर ही नहीं बल्कि वीडियो भी इस तरह तैयार किए जा सकते हैं कि वास्तविक और कृत्रिम सामग्री में अंतर करना कठिन हो जाए। किसी व्यक्ति की आवाज में मनगढ़ंत बयान तैयार करना या उसके चेहरे का इस्तेमाल कर नकली वीडियो बनाना पहले की तुलना में आसान हो गया है। ऐसी सामग्री तेजी से प्रसारित होने पर संबंधित व्यक्ति और संस्था की छवि को नुकसान पहुंचा सकती है तथा समाज में भ्रम पैदा कर सकती है।

इस चुनौती से निपटने के लिए केवल सरकार या सामाजिक माध्यम कंपनियों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे पहली आवश्यकता डिजिटल साक्षरता बढ़ाने की है। नागरिकों को यह समझना होगा कि हर वायरल संदेश सत्य नहीं होता। किसी भी संवेदनशील खबर को साझा करने से पहले उसके स्रोत, तारीख, संदर्भ और विश्वसनीयता की जांच करनी चाहिए। विशेष रूप से तस्वीर और वीडियो के मामले में अतिरिक्त सावधानी जरूरी है।

मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है। समाचार माध्यमों को खबर प्रकाशित करने से पहले तथ्य-जांच की प्रक्रिया को मजबूत करना होगा। तेज खबर देने की प्रतिस्पर्धा में सत्यता और विश्वसनीयता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। सामाजिक माध्यम मंचों को भी भ्रामक सामग्री की पहचान और रोकथाम के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

फरक्का संधि पर नई बहस

फरक्का जल संधि की तीन दशक की अवधि दिसंबर 2026 में समाप्त होने जा रही है। ऐसे समय में इस संधि के प्रभावों की समीक्षा करना केवल कूटनीतिक आवश्यकता नहीं बल्कि बिहार के करोड़ों लोगों के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रश्न है। पिछले वर्षों के अनुभव बताते हैं कि गंगा के जल प्रवाह में बदलाव और फरक्का बराज की भूमिका को लेकर बिहार में लगातार चिंता बनी रही है। राज्य को मानसून के दौरान भीषण बाढ़ और गर्मियों में पानी की कमी जैसी विरोधाभासी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए नई जल व्यवस्था तैयार करते समय बिहार के हितों को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

गंगा बिहार के लिए केवल धार्मिक आस्था की नदी नहीं है बल्कि करोड़ों लोगों की जीवनरेखा है। राज्य की कृषि, पेयजल, उद्योग, मत्स्य पालन और पर्यावरणीय संतुलन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से गंगा और उसकी सहायक नदियों पर निर्भर हैं। बिहार में गंगा का लंबा प्रवाह क्षेत्र होने के बावजूद राज्य को अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं हो पाता। दूसरी ओर नदी में गाद जमा होने के कारण उसकी जलधारण क्षमता प्रभावित हो रही है और कई स्थानों पर नदी का स्वरूप तथा मार्ग बदल रहा है।

फरक्का बराज का निर्माण मूल रूप से हुगली नदी में पर्याप्त जल प्रवाह बनाए रखने और कोलकाता बंदरगाह को गाद से बचाने के उद्देश्य से किया गया था। लेकिन बराज के निर्माण के बाद गंगा के अपस्ट्रीम क्षेत्रों में गाद जमने की समस्या को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। बिहार में गंगा की लंबाई के बड़े हिस्से में गाद का जमाव नदी की गहराई और प्रवाह को प्रभावित करता है। मानसून के समय जब नदी में पानी तेजी से बढ़ता है तो गाद से प्रभावित नदी तंत्र आसपास के इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ा देता है। इसका सबसे अधिक असर नदी किनारे बसे गांवों और कृषि क्षेत्रों पर पड़ता है।

बिहार की समस्या केवल बाढ़ तक सीमित नहीं है। दक्षिण बिहार के कई जिलों में गर्मी के मौसम में जल संकट गंभीर रूप लेता है। भूजल स्तर में गिरावट, सिंचाई के लिए पानी की कमी और पेयजल की बढ़ती मांग ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए चुनौती बन रही है। विडंबना यह है कि एक ओर राज्य बाढ़ से जूझता है और दूसरी ओर वर्ष के दूसरे हिस्से में पर्याप्त पानी के लिए संघर्ष करता है। यह स्थिति बताती है कि जल प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की आवश्यकता है।

बिहार की बढ़ती आबादी ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है। पिछले तीन दशकों में राज्य की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके साथ ही पेयजल, कृषि, उद्योग और शहरी विकास के लिए पानी की मांग भी लगातार बढ़ी है। भविष्य में औद्योगिकीकरण और शहरीकरण बढ़ने के साथ जल की आवश्यकता और अधिक होगी। इसलिए केवल वर्तमान जरूरतों को ध्यान में रखकर जल बंटवारे की व्यवस्था करना पर्याप्त नहीं होगा। वर्ष 2050 तक की आवश्यकताओं का वैज्ञानिक आकलन करके दीर्घकालिक योजना तैयार करनी होगी।

गंगा का जल केवल मानव उपयोग के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है। यह एक विशाल पारिस्थितिकी तंत्र का आधार है। नदी के प्रवाह में कमी और गाद के बढ़ते जमाव का असर जलीय जीवों और मछलियों पर भी पड़ता है। गांगेय डाल्फिन जैसी दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण तभी संभव है जब नदी में पर्याप्त और प्राकृतिक जल प्रवाह बना रहे। नदी के प्रदूषण, भूजल में आर्सेनिक और अन्य रासायनिक तत्वों की समस्या भी जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती दे रही है।

फरक्का जल संधि की समीक्षा के अवसर पर भारत को पड़ोसी संबंधों के साथ-साथ अपने राज्यों के हितों के बीच संतुलन स्थापित करना होगा। बांग्लादेश के साथ अच्छे संबंध भारत की विदेश नीति की महत्वपूर्ण आवश्यकता हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि गंगा बेसिन के राज्यों की वास्तविक जरूरतों की अनदेखी हो। जल बंटवारे का आधार वैज्ञानिक आंकड़े, उपलब्ध जल, पर्यावरणीय आवश्यकताएं और संबंधित राज्यों की वर्तमान तथा भविष्य की जरूरतें होनी चाहिए।

बिहार को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि गंगा के जल पर उसका न्यायसंगत अधिकार सुरक्षित रहे। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए जिसमें बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, पेयजल, उद्योग और पर्यावरण सभी पहलुओं को समान महत्व मिले। नदी में गाद प्रबंधन के लिए भी ठोस राष्ट्रीय नीति आवश्यक है। केवल बाढ़ आने के बाद राहत और बचाव कार्य करना स्थायी समाधान नहीं हो सकता। नदी की संरचना, जल प्रवाह और गाद के वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी।

दिसंबर 2026 में संधि की अवधि समाप्त होने से पहले व्यापक विमर्श का अवसर उपलब्ध है। इस दौरान बिहार सहित गंगा बेसिन के सभी राज्यों की जल आवश्यकताओं का स्वतंत्र और वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाना चाहिए। वर्ष 2050 तक की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। इसमें पर्यावरणीय प्रवाह, सिंचाई, पेयजल, औद्योगिक उपयोग और नदी पारिस्थितिकी के लिए अलग-अलग आवश्यकताओं का स्पष्ट निर्धारण हो।

-शिवांश धाकड़

कविता

शांति की तलाश !

गौरिक ठाकुर, हिम अकादमी पब्लिक स्कूल, हॉस्टल, हमीरपुर

पहाड़ों की वादियों में कभी प्यार की बहार थी,
हर दिल में अपनापन था, हर रिश्ते में बहार थी।
छोटे-छोटे गांवों में खुशियां साथ पलती थीं,
दुख की घड़ी में सबकी आंखें साथ छलकती थीं।
न कोई पराया था, न कोई अनजान,
हर चेहरा लगता था जैसे अपना इंसान।
त्योहारों की खुशियां सब मिलकर मनाते थे,
एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ निभाते थे।
लेकिन बदलते दौर में कुछ दूरियां बढ़ गईं,
अपनों के बीच ही जैसे दीवारें खड़ी हो गईं।
छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा बढ़ने लगा,
मीठे रिश्तों में भी खटास का रंग चढ़ने लगा।
क्यों भूल गए हम अपनी पुरानी पहचान,
जहां प्रेम और भाईचारा था सबसे बड़ी शान।
क्यों दिलों में नफरत की जगह बनने लगी,
क्यों रिश्तों की डोर धीरे-धीरे कमजोर होने लगी।
आओ फिर से प्यार की ज्योति जलाएं,
टूटे रिश्तों को मिलकर फिर से सजाएं।
नफरत की हर दीवार को मिलकर गिराएं,
भाईचारे के फूल हर आंगन में खिलाएं।
हिमाचल की धरती प्रेम की पहचान बने,
हर दिल दूसरे दिल का सम्मान बने।
मिल-जुलकर रहने की परंपरा फिर लौट आए,
हर पहाड़ी गांव में खुशियों के दीप जल जाएं।
यही हमारी संस्कृति, यही हमारी शान,
प्रेम और सद्भाव से बने हिमाचल महान।

हिमाचल की धरती पर विराजमान हैं स्वयंभू जलाधारी महादेव, अमरनाथ जैसी दिव्यता का अद्भुत धाम

महंत डॉ.यति निर्भयानंद गिरी
श्री सिद्धपीठ बाबा जलाधारी
पवित्र गुफा क्यारवां।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित श्री सिद्धपीठ जलाधारी महादेव गुफा क्यारवां आस्था, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम मानी जाती है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यह अत्यंत प्राचीन और सिद्ध गुफा है, जहां भगवान शिव स्वयंभू स्वरूप में विराजमान हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार बाबा अमरनाथ बर्फानी की गुफा के बाद इतनी विशाल और प्राकृतिक शिव गुफा दुर्लभ है। यहां की प्राकृतिक संरचना, वातावरण और निरंतर जलाभिषेक श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति कराता है।

मान्यता है कि प्राचीन काल में इस शिवलिंग को दुधाधारी महादेव के नाम से जाना जाता था। कहा जाता है कि लगभग साढ़े पांच सौ वर्ष पहले तक शिवलिंग के ऊपर स्थित प्राकृतिक आकृति से दूध की धारा गिरती थी। श्रद्धालु इसे कामधेनु गाय का चमत्कार मानते हैं। गुफा की छत पर आज भी थन जैसी प्राकृतिक आकृति दिखाई देती है। मान्यता के अनुसार इसी स्थान से दूध की धारा शिवलिंग पर गिरती थी और प्राकृतिक रूप से भगवान शिव का अभिषेक होता था।

समय के साथ दूध की धारा का स्थान जलधारा ने ले लिया। पिछले कई वर्षों से गुफा की छत से लगातार जल शिवलिंग पर गिरता रहता है। मौसम चाहे सर्दी का हो या गर्मी और बरसात का, श्रद्धालुओं के अनुसार यह जलधारा निरंतर प्रवाहित होती रहती है। इसी कारण यह स्थान जलाधारी महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ। भक्त इस जल को पवित्र मानकर प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं और इसे आस्था के साथ भगवान शिव का आशीर्वाद मानते हैं।

गुफा को लेकर पौराणिक मान्यताएं भी बेहद रोचक हैं। स्थानीय धार्मिक परंपराओं के अनुसार इसका संबंध महाभारत काल से जोड़ा जाता है। कहा जाता है कि अज्ञातवास के दौरान पांडवों ने इस क्षेत्र में तपस्या की थी। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण भी पांचों पांडवों से यहां मिले थे। इसके बाद पांडवों ने भगवान शिव की आराधना की और अमरनाथ धाम की ओर प्रस्थान किया। स्थानीय कथाओं में भीम द्वारा मार्ग बनाने, अर्जुन द्वारा तपस्या करने और युधिष्ठिर द्वारा धार्मिक अनुष्ठान किए जाने का उल्लेख मिलता है।

गुफा के भीतर का वातावरण बेहद शांत और आकर्षक है। अंदर पहुंचते ही प्राकृतिक ठंडक और शांत वातावरण श्रद्धालुओं को अलग तरह की अनुभूति कराता है। मुख्य शिवलिंग के ऊपर से गिरती जलधारा इसका सबसे प्रमुख आकर्षण है। पानी के लगातार गिरने से चट्टान पर बनी प्राकृतिक आकृतियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र हैं। इन्हें भक्त माता कामधेनु से जोड़कर देखते हैं।

इस सिद्धपीठ में शिवरात्रि, सावन के सोमवार और अन्य धार्मिक पर्वों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां रुद्राभिषेक, हवन, पूजा-पाठ और भजन-कीर्तन आयोजित किए जाते हैं। श्रद्धालु रातभर जागरण कर भगवान शिव की आराधना करते हैं। कई भक्त अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए विशेष पूजा भी कराते हैं। स्थानीय मान्यता में इस धाम को विशेष रूप से आस्था और मनोकामना से जुड़ा हुआ माना जाता है।

धर्मशाला से क्यारवां स्थित इस शिव गुफा की दूरी लगभग 40 से 45 किलोमीटर और पालमपुर से करीब 29 किलोमीटर बताई जाती है। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरे इस क्षेत्र को धार्मिक पर्यटन के दृष्टिकोण से भी विकसित किए जाने की संभावनाएं हैं। गुफा के अंदर अखंड धूना जलने की परंपरा भी बताई जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

सौंदर्य जगत की नेहल

नेहल चुडासमा भारतीय सौंदर्य प्रतियोगिता जगत की जानी-पहचानी हस्तियों में शामिल हैं। उनका जन्म **22 अगस्त 1996** को महाराष्ट्र के मुंबई में हुआ था। अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व के दम पर उन्होंने कम उम्र में ही मॉडलिंग और सौंदर्य प्रतियोगिताओं की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई। नेहल को विशेष रूप से मिस दिवा 2018 प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जाना जाता है। इस मंच ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नेहल चुडासमा
जन्म : 22 अगस्त 1996

मुंबई जैसे महानगर में पली-बढ़ीं नेहल ने अपने व्यक्तित्व को निखारने के साथ-साथ मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सौंदर्य प्रतियोगिताएं केवल बाहरी सुंदरता पर आधारित नहीं होतीं, बल्कि इनमें प्रतिभागियों के आत्मविश्वास, संवाद क्षमता, व्यक्तित्व, अनुशासन और सामाजिक दृष्टिकोण को भी महत्व दिया जाता है। नेहल ने इन सभी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों तथा निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया।

मिस दिवा भारत की प्रमुख सौंदर्य प्रतियोगिताओं में से एक है, जिसके माध्यम से भारतीय प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं के लिए मंच मिलता है। वर्ष 2018 में नेहल चुडासमा का इस प्रतियोगिता में शामिल होना उनके करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। उन्होंने अपने आत्मविश्वास और प्रभावशाली व्यक्तित्व से मॉडलिंग तथा सौंदर्य प्रतियोगिता के क्षेत्र में अपनी पहचान मजबूत की।

नेहल की यात्रा यह संदेश भी देती है कि किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। सौंदर्य प्रतियोगिता के मंच पर अपनी जगह बनाना आसान नहीं होता। इसके लिए प्रतिभागियों को लंबे समय तक तैयारी, व्यक्तित्व विकास और मंचीय प्रस्तुति पर मेहनत करनी पड़ती है। नेहल ने इसी मेहनत और लगन के माध्यम से अपनी पहचान बनाई। 22 अगस्त को उनके जन्मदिन के अवसर पर उनके प्रशंसक और शुभचिंतक उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।

नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार की नहीं, हर परिवार और नागरिक को निभानी होगी अपनी जिम्मेदारी

डॉ. सत्यवान
स्वतंत्र लेखक

नशा अपने आप में एक ऐसा अभिशाप है जो धीरे-धीरे व्यक्ति के शरीर, मन, परिवार और सामाजिक जीवन को कमजोर कर देता है। आज नशे की समस्या केवल किसी एक वर्ग, क्षेत्र या उम्र तक सीमित नहीं रह गई है। बदलती जीवनशैली, गलत संगत, तनाव, बेरोजगारी, दिखावे की प्रवृत्ति और आसान उपलब्धता जैसे अनेक कारणों से युवाओं में नशे की आदत चिंता का विषय बनती जा रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि किशोर और युवा उम्र में नशे की शुरुआत होने से व्यक्ति का पूरा भविष्य प्रभावित हो सकता है। जिस उम्र में युवाओं को शिक्षा, कौशल, रोजगार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, उसी उम्र में यदि वे नशे की गिरफ्त में आ जाएं तो इसका नुकसान केवल व्यक्ति को नहीं बल्कि पूरे समाज को उठाना पड़ता है।

नशे की शुरुआत अक्सर बहुत सामान्य तरीके से होती है। कोई मित्र सिगरेट या शराब का सेवन करता है और दूसरा व्यक्ति उत्सुकता या दबाव में आकर उसे आजमाता है। कई बार युवा यह सोचकर नशे का प्रयोग करते हैं कि इससे तनाव कम होगा या वे दोस्तों के बीच अधिक आधुनिक दिखाई देंगे। कुछ मामलों में दोस्तों का दबाव भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शुरुआत में व्यक्ति को लगता है कि वह अपनी इच्छा से नशा कर रहा है और जब चाहे इसे छोड़ देगा। लेकिन धीरे-धीरे यही आदत निर्भरता में बदल सकती है। व्यक्ति की दिनचर्या, सोच और व्यवहार नशे के आसपास केंद्रित होने लगते हैं।

किशोरावस्था और युवावस्था जीवन का बेहद संवेदनशील दौर है। इस समय व्यक्ति अपने भविष्य, पहचान और स्वतंत्रता को लेकर अनेक निर्णय लेता है। अच्छी संगत उसे आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकती है, जबकि गलत संगत उसे विनाश की ओर भी ले जा सकती है। इसलिए परिवार और विद्यालय दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों के व्यवहार में अचानक बदलाव, पढ़ाई में रुचि कम होना, गलत मित्र मंडली, घर से दूरी बनाना या लगातार पैसे की मांग करना जैसे संकेतों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। समय रहते संवाद और मार्गदर्शन मिलने से किसी युवा को गलत रास्ते से वापस लाया जा सकता है।

नशे का असर केवल शरीर पर नहीं पड़ता बल्कि सोचने और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित होती है। शराब, गांजा, अफीम, भांग, नशीली दवाओं और अन्य पदार्थों का लगातार सेवन व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। नशे का आदी व्यक्ति कई बार अपने व्यवहार पर नियंत्रण खो देता है। उसके रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है और परिवार के सदस्यों के साथ विवाद होने लगते हैं। धीरे-धीरे सामाजिक सम्मान कम होता है और व्यक्ति अकेलेपन की ओर बढ़ सकता है।

नशे की समस्या का आर्थिक प्रभाव भी गंभीर है। एक व्यक्ति अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा नशे पर खर्च करने लगे तो परिवार की आवश्यक जरूरतें प्रभावित होने लगती हैं। बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च और भविष्य के लिए बचत तक प्रभावित हो सकती है। कई परिवार कर्ज के बोझ में दब जाते हैं। आर्थिक परेशानी के कारण घरेलू तनाव बढ़ता है और कभी-कभी परिवार टूटने की स्थिति तक पहुंच जाता है। इसलिए नशे को केवल व्यक्तिगत आदत मानना उचित नहीं है। यह परिवार और समाज की आर्थिक तथा सामाजिक व्यवस्था को भी प्रभावित करता है।

नशे और अपराध के बीच संबंध को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नशे की लत पूरी करने के लिए कुछ लोग गलत रास्ते अपना लेते हैं। चोरी, मारपीट, अवैध खरीद-फरोख्त और अन्य अपराधों में नशे की भूमिका कई बार सामने आती है। नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोग युवाओं को आसान लक्ष्य मानते हैं। इसलिए नशीले पदार्थों की तस्करी रोकना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी युवाओं को इसके जाल में फंसने से बचाना भी है।

आज तकनीक और सामाजिक माध्यमों के दौर में नशे के प्रचार के नए तरीके भी सामने आए हैं। फिल्मों, वीडियो और सामाजिक माध्यमों में कई बार नशे को आकर्षक या आधुनिक जीवनशैली के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। युवाओं पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए मनोरंजन सामग्री को समझदारी से देखने और वास्तविक जीवन तथा पर्दे पर दिखाई जाने वाली चीजों के बीच अंतर समझने की जरूरत है। अभिभावकों को भी बच्चों की डिजिटल गतिविधियों पर केवल निगरानी रखने के बजाय उनसे मित्रवत संवाद करना चाहिए।

नशे से बचाव की पहली सीढ़ी आत्मसंयम और अनुशासन है। व्यक्ति को यह समझना होगा कि हर इच्छा को पूरा करना जरूरी नहीं है। यदि कोई मित्र नशे के लिए दबाव डालता है तो स्पष्ट रूप से मना करना कमजोरी नहीं बल्कि आत्मविश्वास की निशानी है। युवाओं को खेल, संगीत, साहित्य, योग, सामाजिक सेवा और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना भी उपयोगी हो सकता है। व्यस्त और सकारात्मक जीवनशैली व्यक्ति को कई नकारात्मक आदतों से दूर रखने में मदद करती है। परिवार की भूमिका इस लड़ाई में सबसे महत्वपूर्ण है। माता-पिता को बच्चों से खुलकर बातचीत करनी चाहिए। केवल डांटने या डराने के बजाय उनकी परेशानियों को समझना जरूरी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

उत्तर प्रदेश में नौ आईपीएस अफसरों का तबादला

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से शासन ने गुरुवार देर रात नौ आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए। इस प्रशासनिक फेरबदल में मेरठ, झांसी, बलरामपुर, बिजनौर, गोंडा, संभल, बाराबंकी और सुलतानपुर समेत कई जिलों के पुलिस कप्तानों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। लंबे समय से महत्वपूर्ण जिलों में तैनात अधिकारियों को हटाकर नई तैनाती देने के साथ पुलिस मुख्यालय और यूपी-112 में भी बदलाव किया गया है।

तबादला सूची के अनुसार मेरठ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय को पुलिस मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। उनके स्थान पर झांसी के एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति को मेरठ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं बलरामपुर के पुलिस कप्तान विकास कुमार को झांसी का नया एसएसपी बनाया गया है। हरदोई में तैनात मार्तण्ड प्रकाश सिंह को बलरामपुर का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

इसी क्रम में संभल में तैनात कृष्ण कुमार को बिजनौर का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। बिजनौर के पुलिस अधीक्षक अभिषेक को गोंडा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बाराबंकी के पुलिस कप्तान विकास चन्द्र त्रिपाठी का भी तबादला किया गया है और उन्हें संभल का नया पुलिस कप्तान बनाया गया है। इस बदलाव के बाद इन जिलों में पुलिस प्रशासन की कमान नए अधिकारियों के हाथ में होगी।

गोंडा के पुलिस कप्तान विनीत जायसवाल को सुलतानपुर भेजा गया है। वहीं सुलतानपुर की पुलिस अधीक्षक चारू निगम को यूपी-112 में पुलिस अधीक्षक की नई जिम्मेदारी दी गई है। इस तरह एक साथ कई जिलों के पुलिस कप्तानों के तबादले से प्रदेश के पुलिस महकमे में व्यापक बदलाव देखने को मिला है।

न्यूज ब्रीफ

बस्ती विकास प्राधिकरण में 4.86 करोड़ के टेंडर पर उठे सवाल

एजेंसी, लखनऊ। बस्ती विकास प्राधिकरण में करीब 4.86 करोड़ रुपये के चार कार्यों के टेंडर में अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। चारों कार्यों में ठेकेदारों ने निर्धारित राशि से बेहद मामूली कम बोली लगाई, जिससे प्राधिकरण को कुल सिर्फ 37,885 रुपये की बचत हुई। आरोप है कि टेंडर प्रक्रिया में ठेकेदारों के बीच मिलीभगत हुई और कुछ इच्छुक फर्मों को अधूरी पत्रावली बताकर प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया। लोक निर्माण विभाग के मानकों के अनुसार सामान्यतः दो से दस प्रतिशत तक गिरावट को राजस्व बचत और प्रतिस्पर्धा का बेहतर संकेत माना जाता है। ऐसे में बेहद कम अंतर वाली बोलियों ने टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पिटबुल डॉग ने बुजुर्ग महिला को काटा, अस्पताल में भर्ती

एजेंसी, नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सदरपुर कॉलोनी में रहने वाली एक महिला को एक व्यक्ति ने अपने पालतू कुत्ते से कटवा दिया। महिला को गंभीर अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। थाना सेक्टर- 39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि आज सुबह को प्रियांशु चौहान पुत्र अरविंद सिंह ने थाना सेक्टर 39 में रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह सदरपुर कॉलोनी सेक्टर 45 में रहते हैं। उनके अनुसार उनकी मां श्रीमती संतोष चौहान पत्नी अरविंद चौहान 17 अगस्त की रात 10 बजे के करीब सेक्टर 45 के एक्सिस बैंक के एटीएम के पास से पैदल अपने घर की तरफ जा रही थी, तभी हितेंद्र पुत्र प्रमोद नामक व्यक्ति अपना पिटबुल कुत्ते को लेकर वहां पर घूमता हुआ आया।

चार शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, 12 मोटरसाइकिल बरामद

एजेंसी, नोएडा। थाना सेक्टर -39 पुलिस ने आज तड़के चार शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने विभिन्न जगहों से चोरी की हुई 12 मोटरसाइकिल, घटना में प्रयुक्त एक कार और चाकू बरामद किया है। थाना सेक्टर- 39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि उपनिरीक्षक सतनाम सिंह ने आज तड़के एक सूचना के आधार पर रवि प्रताप पुत्र मकरान सिंह, विमल शाह उर्फ सूर्या पुत्र आनंद, प्रशांत सिंह पुत्र आदेश सिंह और दीपांशु पुत्र सत्येंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनकी निशानदेही पर विभिन्न जगहों से चोरी की हुई 12 मोटरसाइकिल, घटना में प्रयुक्त एक वैगनआर कार और अवैध हथियार बरामद हुआ है। इनकी गिरफ्तारी गोदरेज बिल्डिंग के पास से हुई है। इन बदमाशों ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया है कि बरामद मोटरसाइकिल उन्होंने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद सहित एनसीआर के विभिन्न जगहों से चोरी की है। इन बदमाशों ने वाहन चोरी की दर्जनों वारदातें करनी स्वीकार की है।

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर बुजुर्ग महिला से 58 लाख की ठगी

एजेंसी, नोएडा। नोएडा में साइबर अपराधियों ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने का भय दिखाकर 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला को तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 58 लाख 30 हजार रुपये ठग लिए। पीड़िता को फोन कर बताया गया कि उनके आधार कार्ड से बैंक खाता खोला गया है, जिसका इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ है। इसके बाद आरोपियों ने सीबीआई, कोर्ट और अन्य जांच एजेंसियों का डर दिखाकर अलग-अलग बार में रकम अपने खातों में ट्रांसफर करवा ली। ठगों ने जांच पूरी होने के बाद रकम लौटाने का भरोसा दिया, लेकिन पैसा वापस नहीं किया। पीड़िता के पति ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से महिला की मौत, 20 मजदूर घायल

एजेंसी, प्रयागराज। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के सुरवल साहनी गांव के पास शुक्रवार सुबह धान की रोपाई के लिए मजदूरों को लेकर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कमला देवी (35) की मौत हो गई, जबकि 20 मजदूर घायल हो गए। इनमें चार महिलाओं की हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रॉली पलटने से कई मजदूर उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से मजदूरों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

वंदे मातरम् पर विवाद के बीच मायावती ने गिनाए जनहित के मुद्दे

वंदे मातरम् पर राजनीति ठीक नहीं : मायावती

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने वंदे मातरम् गायन को लेकर चल रही राजनीतिक बहस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर राजनीति करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में इस बात को लेकर बहस चल रही है कि वंदे मातरम् का पूरा गीत गाया जाए या इसके शुरुआती दो छंद गाए जाएं अथवा इसे नहीं गाया जाए। ऐसे विषय को राजनीतिक विवाद का रूप देना उचित नहीं है। मायावती ने कहा कि देश में बेरोजगारी, युवाओं की समस्याओं, बाढ़ और अन्य गंभीर मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है।

मायावती ने कहा कि वंदे मातरम् को लेकर संसद में हाल ही में कानून पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। केंद्र और राज्यों में सत्ता परिवर्तन के दौरान राजनीतिक दल अपने हितों के अनुसार पहले की सरकारों द्वारा बनाए गए कानूनों में बदलाव करते रहे हैं। उनके अनुसार कई बार नई सरकारें अपनी कमियों से जनता का ध्यान हटाने के लिए पुराने कानूनों को बदलने और नए विवाद खड़े करने का सहारा लेती हैं।

उन्होंने कहा कि देश में सरकारों और राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जनता के वास्तविक मुद्दे होने चाहिए। बेरोजगार युवाओं के सामने रोजगार का संकट है। नई पीढ़ी अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। ऐसे में राजनीतिक दलों को युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने और उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में गंभीरता से काम करना चाहिए। केवल ऐसे मुद्दों पर बहस करना जिनसे जनता का ध्यान मूल समस्याओं से हट जाए, लोकतंत्र और जनहित दोनों के लिए उचित नहीं है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि आज देश में अनेक ऐसे मुद्दे हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। बेरोजगारी उनमें सबसे प्रमुख है। बड़ी संख्या में युवा शिक्षा पूरी करने के बाद रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के सामने भी कई चुनौतियां हैं। ऐसे में सरकारों को रोजगार, शिक्षा और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

मायावती ने बाढ़ की समस्या का भी उल्लेख किया। देश के कई हिस्सों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। बाढ़ से जनजीवन प्रभावित होता है, घर और फसलें नष्ट होती हैं तथा लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे समय में सरकारों और राजनीतिक दलों को प्रभावित लोगों की सहायता और राहत कार्यों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की नई पीढ़ी के सामने बदलती परिस्थितियों के अनुरूप कई नई चुनौतियां हैं। जेन-जी और जेन-अल्फा जैसी युवा पीढ़ियों के भविष्य को लेकर भी सरकारों को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

पूर्वी यूपी में 24 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसूनी गतिविधियां एक बार फिर सक्रिय हो गई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश के कई हिस्सों में आने वाले दिनों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश में 22 से 24 अगस्त के बीच व्यापक बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। मौसम में बदलाव के कारण लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

पिछले 24 घंटों के दौरान भी प्रदेश के कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ललितपुर में करीब 12 सेंटीमीटर बारिश हुई, जबकि बांदा में 11 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इन दोनों जिलों में हुई बारिश को भारी वर्षा की श्रेणी में रखा गया है। इसके अलावा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ अन्य क्षेत्रों में भी भारी से बहुत भारी बारिश हुई, जबकि पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर सात से 11 सेंटीमीटर तक बारिश दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार 22 अगस्त को बलिया, वाराणसी, आजमगढ़ और गाजीपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। इसके बाद 22 से 24 अगस्त तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियां व्यापक रहने की संभावना है। ऐसे में निचले इलाकों में जलभराव की समस्या बढ़ सकती है।

वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, अलीगढ़, मेरठ और बागपत समेत कई जिलों में 22 अगस्त को छिटपुट से मध्यम बारिश होने की संभावना है। हालांकि 23 से 27 अगस्त के बीच पश्चिमी हिस्सों में बारिश की तीव्रता कुछ कम हो सकती है।

129 वैगन और तीन इंजनों के साथ दौड़ी अवध महाशक्ति

एजेंसी, लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे ने माल ढुलाई के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपनी पहली संयुक्त फ्रेट ट्रेन 'अवध महाशक्ति' का सफल संचालन किया। तीन मालगाड़ियों को जोड़कर तैयार की गई इस विशेष मालगाड़ी में कुल 129 वैगन और तीन इंजन लगाए गए। ट्रेन को गोंडा जंक्शन से मुरादाबाद मंडल के लिए सीतापुर के रास्ते रवाना किया गया। रेलवे की इस पहल से कम समय में अधिक माल की ढुलाई संभव होगी और परिचालन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

'अवध महाशक्ति' को गोंडा आरओएच डिपो द्वारा तैयार किया गया। ट्रेन को गुरुवार दोपहर 1:50 बजे गोंडा जंक्शन से रवाना किया गया। तीन मालगाड़ियों को एक साथ जोड़ने के कारण एक ही यात्रा में बड़ी मात्रा में माल को गंतव्य तक पहुंचाया जा सका। इससे रेलवे को अतिरिक्त राजस्व मिलने के साथ माल परिवहन की क्षमता में भी बढ़ोतरी होगी।

इस तरह की लंबी और अधिक क्षमता वाली मालगाड़ियों के संचालन से रेलवे को ईंधन और परिचालन लागत बचाने में भी सहायता मिलती है। अलग-अलग मालगाड़ियों के बजाय उन्हें एक साथ संचालित करने से इंजन और कर्मचारियों के उपयोग को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। साथ ही रेल मार्ग पर माल परिवहन की दक्षता बढ़ती है और एक ही फेरे में अधिक माल भेजना संभव होता है।

चंपत राय बोले- मंदिर निर्माण में नृपेंद्र मिश्र के फैसले रहे प्रमुख

एजेंसी, अयोध्या

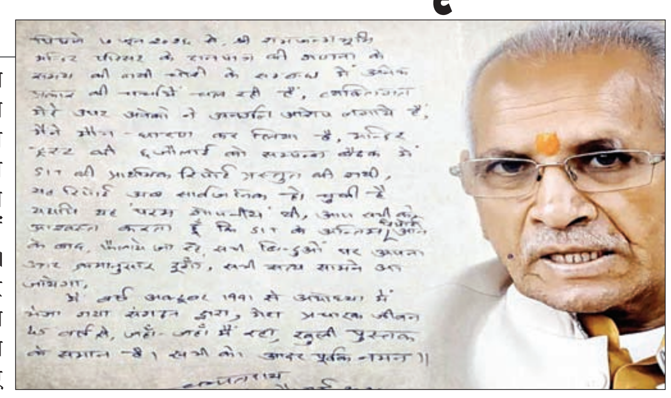

- **चंपत** राय ने अंतरराष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय से जुड़े कार्यों का भी विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि यह संग्रहालय उत्तर प्रदेश सरकार की संपत्ति है। नृपेंद्र मिश्र के सुझाव पर उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के बीच लिखित समझौता हुआ और संग्रहालय भवन 30 वर्ष के लिए ट्रस्ट को पट्टे पर मिला।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने गुरुवार को नौ पन्नों की एक चिट्ठी जारी कर राम मंदिर निर्माण से जुड़े 33 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अपनी बात रखी। चिट्ठी में उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की भूमिका और उनके द्वारा लिए गए विभिन्न फैसलों का विस्तार से उल्लेख किया है। राय ने दावा किया कि मंदिर निर्माण से जुड़े कई अहम निर्णयों में नृपेंद्र मिश्र के फैसले प्रमुख रहे और उन्होंने कठिन परिस्थितियों में विशेषज्ञों की सलाह लेकर निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया।

चंपत राय के अनुसार, राम मंदिर निर्माण के लिए गठित ट्रस्ट में 15 ट्रस्टी हैं और नृपेंद्र मिश्र को मंदिर निर्माण समिति का अध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने कहा कि मिश्र के सुझावों के आधार पर एल एंड टी को मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा भवनों के निर्माण के लिए नोएडा की डिजाइन एसोसिएट फर्म का चयन भी नृपेंद्र मिश्र द्वारा किए जाने का दावा उन्होंने किया। राय ने कहा कि पत्थरों से बने विशाल मंदिर का निर्माण जून 2020 में कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुआ और जून 2026 तक इसे पूर्ण रूप से समाज को समर्पित किया जा सका।

राय ने नृपेंद्र मिश्र की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि निर्माण के दौरान जब भी कोई कठिनाई सामने आई, उन्होंने संबंधित क्षेत्र के योग्य विशेषज्ञों को अयोध्या बुलाकर उनकी सलाह ली। विशेषज्ञों ने सेवाभाव से अपने सुझाव दिए और अधिकांश ने इसके लिए कोई पारिश्रमिक नहीं लिया। चंपत राय ने इसे मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में सहयोग और समर्पण का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया।

चिट्ठी में उन्होंने मंदिर निर्माण समिति के सदस्य और पूर्व एनबीसीसी अध्यक्ष अनूप मित्तल का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार, अनूप मित्तल सिविल इंजीनियर हैं और नृपेंद्र मिश्र के इंजीनियरिंग संबंधी सलाहकार के रूप में कार्य करते रहे। निर्माण समिति की बैठकों का विवरण तैयार करने और संबंधित लोगों तक पहुंचाने में उनकी भूमिका रही। युवा सिविल इंजीनियर यश मित्तल भी उनके साथ कार्य करते थे और बैठकों में लिए गए निर्णयों को तत्काल दर्ज करते थे।

विरासत गलियारा निर्माण में देरी पर कमिश्नर ने लगाई कड़ी फटकार

एजेंसी, गोरखपुर। गोरखपुर में निर्माणाधीन विरासत गलियारा परियोजना के कार्य में देरी को लेकर मंडलायुक्त इंद्र विक्रम सिंह ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई। गुरुवार को निरीक्षण के दौरान धर्मशाला से पांडेयहाता की ओर जाने वाले मार्ग पर कई स्थानों पर निर्माण कार्य बंद मिला। मौके पर काम बंद देखकर मंडलायुक्त ने अधिकारियों से इसका कारण पूछा। ठेकेदार भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब न आंधी है, न तूफान और न ही बारिश, तो फिर निर्माण कार्य क्यों बंद रखा गया है।

मंडलायुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विरासत गलियारा परियोजना का निर्माण कार्य हर हाल में 15 सितंबर तक पूरा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समयसीमा में काम पूरा नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता और प्रगति की भी जानकारी ली तथा कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

इसके अलावा मंडलायुक्त ने कोतवाली थाने के पास निर्माणाधीन परमहंस योगानंद स्मृति भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भवन के लेआउट और निर्माण की स्थिति देखी तथा संबंधित अधिकारियों से परियोजना की प्रगति की जानकारी ली।

अथसराय बनेगा अत्याधुनिक गुड्स हब, देशभर में पहुंचेगा कौशांबी का केला और अमरूद

एजेंसी, कौशांबी। कौशांबी के अथसराय रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक गुड्स शेड हब के रूप में विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। उत्तर मध्य रेलवे की इस पहल से प्रयागराज के प्रसिद्ध अमरूद और कौशांबी के जी-नाइन केले जैसे कृषि उत्पादों को देशभर के बड़े बाजारों तक पहुंचाने का रास्ता आसान होगा। अभी स्थानीय किसान अपने उत्पादों को मंडियों तक पहुंचाने के लिए सड़क परिवहन पर निर्भर रहते हैं, जिससे लागत और समय दोनों बढ़ते हैं। रेलवे से जुड़ने के बाद किसानों को अपेक्षाकृत कम खर्च में दूर के बाजारों तक अपनी उपज भेजने की सुविधा मिल सकेगी। इस परियोजना के लिए सिराथू तहसील के हिसामपुर माढ़ो गांव में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रस्तावित गुड्स शेड केवल माल चढ़ाने-उतारने की सुविधा तक सीमित नहीं होगा, बल्कि क्षेत्र के कृषि कारोबार को नई गति देने वाला केंद्र बन सकता है। रेलवे के राष्ट्रीय माल ढुलाई नेटवर्क से जुड़ने के बाद स्थानीय उत्पादों की पहुंच दूसरे राज्यों तक बढ़ने की संभावना है। परियोजना से परिवहन लागत में करीब 60 से 70 प्रतिशत तक बचत होने का अनुमान है। इससे किसानों की आय और बाजार में प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ सकती है। साथ ही खराब होने वाले कृषि उत्पादों को तेजी से गंतव्य तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। अथसराय गुड्स शेड हब बनने के बाद कौशांबी और आसपास के किसानों को अपनी उपज के लिए बड़े बाजार मिलेंगे और क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सपा-कांग्रेस पर बरसे केशव मौर्य, बोले जनता को बचाना भाजपा का राष्ट्रधर्म

- **कल्याण सिंह की विरासत को आगे बढ़ाएगी भाजपाः मौर्य**

एजेंसी, लखनऊ

लखनऊ में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास सात कालिदास मार्ग पर कल्याण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मौर्य ने कहा कि कल्याण सिंह का पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और सांस्कृतिक स्वाभिमान के प्रति समर्पित रहा। उनके आदर्श और विचार आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा देते रहेंगे।

केशव प्रसाद मौर्य ने इस दौरान विपक्षी दलों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दल राष्ट्रवाद के मुद्दे पर जनता को गुमराह करने और तुष्टीकरण की राजनीति के जरिए राजनीतिक लाभ हासिल करने का प्रयास करते हैं। मौर्य ने कहा कि देश के स्वाभिमान और राष्ट्रीय हितों के मामले में भाजपा किसी प्रकार का समझौता नहीं करती। उन्होंने दावा किया कि जनता अब विकास, सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण को प्राथमिकता देती है।

उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उनके अनुसार डबल इंजन सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश और देश विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

रोजगार | युवाओं के लिए सुनहरा अवसर, निजी कंपनियां करेंगी 800 पदों पर भर्ती

प्रयागराज में 24 अगस्त को लगेगा रोजगार मेला

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार पाने का अच्छा अवसर सामने आया है। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, 29-ए थॉर्नहिल रोड, सिविल लाइंस, प्रयागराज परिसर में 24 अगस्त को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इसमें निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियां अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। मेले के माध्यम से 800 से अधिक रिक्त पदों पर युवाओं को रोजगार का अवसर मिलने की संभावना है। चयनित अभ्यर्थियों को पद और योग्यता के अनुसार 12 हजार रुपये से लेकर 25 हजार रुपये तक मासिक वेतन दिया जाएगा।

सहायक निदेशक सेवायोजन प्रयागराज राजीव कुमार यादव ने बताया कि रोजगार मेले में विभिन्न शैक्षिक योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। इसमें हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डिप्लोमा, पॉलिटेक्निक और बीटेक सहित अन्य योग्यताधारी युवाओं को भी अवसर दिया जाएगा। इस प्रकार रोजगार मेले में अलग-अलग शैक्षिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाएं उपलब्ध रहेंगी। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। योग्य युवा अपनी शैक्षिक योग्यता और रुचि के अनुसार उपलब्ध पदों के लिए चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।

अधिकारियों के अनुसार रोजगार मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों का रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीयन होना आवश्यक है। इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा। पंजीकरण के बाद अभ्यर्थी मेले में निर्धारित समय पर पहुंचकर विभिन्न कंपनियों की चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपने सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर आने होंगे, ताकि चयन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक प्रमाण पत्र, सभी अंकपत्र और जाति प्रमाण पत्र की छायाप्रतियां साथ लाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा अभ्यर्थियों को अन्य आवश्यक दस्तावेज भी व्यवस्थित रूप से साथ रखने चाहिए। रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियों में उपलब्ध रिक्तियों और पदों से संबंधित विस्तृत जानकारी रोजगार संगम पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाएगी।

अलग-अलग कंपनियों में कर सकेंगें आवेदन

रोजगार मेला उन युवाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद रोजगार की तलाश कर रहे हैं। निजी क्षेत्र की कंपनियों की ओर से एक ही स्थान पर बड़ी संख्या में रिक्त पदों के लिए चयन किए जाने से अभ्यर्थियों को अलग-अलग कंपनियों के कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी। एक ही आयोजन में विभिन्न कंपनियों से सीधे संपर्क करने और अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिल सकेगा। इससे युवाओं को रोजगार के साथ-साथ निजी क्षेत्र में कार्य करने का अनुभव प्राप्त करने का रास्ता भी खुल सकता है।

एसआरएन में सड़क हादसा पीड़ितों को मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

एजेंसी, प्रयागराज

- **हिट एंड रन मामलों में भी मिलेगा कैशलेस उपचार**

प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में सड़क दुर्घटना में घायल लोगों के लिए बड़ी राहत की व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत पात्र दुर्घटना पीड़ितों को डेढ़ लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना के अंतर्गत दुर्घटना की तारीख से अधिकतम सात दिनों तक उपचार की सुविधा मिल सकती है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को तत्काल राहत मिलेगी और पैसे की कमी के कारण इलाज में होने वाली देरी को रोका जा सकेगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की इस पहल का मुख्य उद्देश्य दुर्घटना के बाद घायलों को बिना आर्थिक चिंता के तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। हादसे के बाद शुरुआती समय को स्वर्णिम समय माना जाता है और इस दौरान उपचार मिलने से घायल की जान बचाने की संभावना बढ़ जाती है। योजना के तहत बीमित और गैर-बीमित वाहनों से हुई दुर्घटनाओं के अलावा पात्र हिट एंड रन मामलों में भी लाभ दिया जा सकता है। आपात स्थिति में 112 सेवा के माध्यम से भी सहायता प्राप्त की जा सकती है।

एसआरएन अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर और संबंधित विभागों में गंभीर घायलों को तत्काल उपचार दिया जा रहा है। मरीज की स्थिति के अनुसार आवश्यक जांच, दवाएं, शल्य चिकित्सा और अन्य चिकित्सा सुविधाएं योजना के प्रावधानों के अनुसार उपलब्ध कराई जाती हैं। अस्पताल पहुंचने के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करके उपचार शुरू किया जाता है।

कुरुक्षेत्र में सिख बंदियों की रिहाई के लिए जेल भरो आंदोलन का आह्वान किया गया

गुरुद्वारा छठी पातशाही में बंदियों की रिहाई की कामना को लेकर पाठ आयोजित हुआ

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र में सिख बंदियों की रिहाई के मुद्दे को लेकर एक बार फिर आंदोलन की मांग तेज हुई है। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जत्थेदार जगदीश सिंह झींडा ने देशभर में 'जेल भरो आंदोलन' चलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जेलों में बंद सिखों की रिहाई के लिए हर स्तर पर संघर्ष करना जरूरी है। गुरुद्वारा छठी पातशाही में जत्थेदार झींडा ने कमेटी सदस्यों के साथ विशेष पाठ का आयोजन किया। इस दौरान सिख बंदियों की रिहाई की कामना की गई।

कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में संगत ने भी भाग लिया और बंदियों की रिहाई के लिए अरदास की। जत्थेदार झींडा ने कहा कि लंबे समय से जेलों में बंद सिखों की रिहाई का मुद्दा उठाया जा रहा है।

उनका कहना है कि जिन बंदियों ने अपनी सजा पूरी कर ली है, उनकी रिहाई के लिए गंभीरता से कदम उठाए जाने चाहिए।

उन्होंने इस विषय को लेकर समुदाय के लोगों से एकजुट होकर आवाज बुलंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल मांग रखने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि इसके लिए संगठित प्रयास और संघर्ष आवश्यक है। इसी उद्देश्य से देशभर में 'जेल भरो आंदोलन' चलाने की जरूरत महसूस हो रही है।

उन्होंने कहा कि सिख बंदियों की रिहाई के लिए हर स्तर पर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाई जानी चाहिए। गुरुद्वारा परिसर में आयोजित समागम के दौरान संगत ने धार्मिक पाठ में हिस्सा लिया। इस दौरान बंदियों की रिहाई और उनके परिवारों की बेहतरी के लिए प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी इस मुद्दे को लेकर अपनी चिंता जताई।

जत्थेदार झींडा के आह्वान के बाद सिख बंदियों की रिहाई का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। उन्होंने कहा कि समुदाय को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर बड़े स्तर पर आंदोलन की रणनीति तैयार करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि बंदियों की रिहाई की मांग को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाने चाहिए। कुरुक्षेत्र में हुए इस कार्यक्रम के दौरान धार्मिक आयोजन के साथ-साथ सिख बंदियों की रिहाई को लेकर आगे की रणनीति पर भी जोर दिया गया। फिलहाल, इस मुद्दे को लेकर हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी की ओर से आगे की गतिविधियों पर नजर रहेगी।

गुरुग्राम में नायब सैनी के काफिले को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिखाए काले झंडे

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के काफिले को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर विरोध जताया। मुख्यमंत्री ग्रीवेंस कमेटी की बैठक के बाद गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में जेन-एच युवा उद्यमियों के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन राव की अगुवाई में 15 से अधिक कार्यकर्ताओं ने काले कपड़े निकालकर काफिले के सामने विरोध प्रदर्शन किया और नारेबाजी की।

काफिले के साथ मौजूद पुलिसकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। हालांकि, कुछ देर तक कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के काफिले के सामने काले झंडे दिखाते रहे। बाद में पुलिस ने उन्हें वहां से हटाया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष वर्धन राव ने आरोप लगाया कि गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में छात्रों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का रिजल्ट अभी तक जारी नहीं हुआ है। इसके अलावा यूनिवर्सिटी में पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं की भी कमी है। उन्होंने ग्रामीण और स्थानीय क्षेत्र से आने वाले विद्यार्थियों के लिए परिवहन सुविधा का मुद्दा भी उठाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि ग्रामीण इलाकों के छात्रों को यूनिवर्सिटी तक पहुंचने के लिए पर्याप्त बस सुविधा नहीं मिल रही है।

वर्धन राव ने कहा कि मुख्यमंत्री को युवा उद्यमियों से संवाद करने के साथ-साथ छात्रों की समस्याओं पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाकर सरकार तक छात्रों की आवाज पहुंचाने का प्रयास किया है। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हलचल का माहौल भी बना रहा। प्रदर्शन के बाद पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मौके से हटाया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार को छात्रों की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देकर जल्द समाधान करना चाहिए और विश्वविद्यालय में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

हिसार कांग्रेस में जिलाध्यक्ष चयन का नया फॉर्मूला, अब परीक्षा जैसे सवालों से होगा फैसला

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हिसार में कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष पद के चयन के लिए इस बार नया तरीका अपनाया है। पार्टी ने सिफारिश और बड़े नेताओं की पैरवी के बजाय लिखित प्रक्रिया के जरिए योग्य उम्मीदवार चुनने की तैयारी की है। इसके लिए तीन पन्नों का एक प्रोफॉर्मा जारी किया गया है, जिसमें दावेदारों से कई तरह की जानकारियां मांगी गई हैं। इनमें राजनीतिक अनुभव, पार्टी गतिविधियों, दल-बदल से जुड़ी जानकारी भी शामिल है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को हिसार का ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि वह पांच दिन तक हिसार में रहकर आवेदन करने वाले नेताओं की जानकारी जुटाएंगे। इसके बाद छह नामों का पैनल तैयार कर कांग्रेस हाईकमान को भेजा जाएगा। अंतिम फैसला हाईकमान करेगा। पार्टी के मुताबिक, पांच साल से अधिक अनुभव रखने वाले कार्यकर्ता इस प्रक्रिया में हिस्सा ले सकते हैं।

रिश्वत लेते चाय वाला गिरफ्तार, एसआई का नाम सामने आया; रेड पड़ते ही छत से कूदा

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। सोनीपत के खरखौदा थाने में रिश्वतखोरी के मामले में एसीबी ने कार्रवाई की। युवती से छेड़छाड़ के केस को निपटाने के नाम पर एक चाय वाले के जरिए 8 हजार रुपये की रिश्वत ली जा रही थी। एसीबी टीम ने चाय वाले को रकम समेत पकड़ लिया। पूछताछ में सामने आया कि वह कथित तौर पर थाने के एसआई हरिप्रकाश के कहने पर पैसे ले रहा था। रेड की भनक लगते ही एसआई थाने की छत पर पहुंच गया और पकड़े जाने के डर से नीचे छलांग लगा दी। हादसे में उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसीबी अब पूरे मामले की जांच कर रही है। शिकायत की जांच कर रही महिला एएसआई की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

हिसार कोर्ट में गैंगस्टर विनोद काणा की हत्या, अजीत पहलवान गैंग पर शक

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हिसार कोर्ट परिसर में गुरुवार को गैंगस्टर विनोद पानू उर्फ काणा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस जांच में इस हत्याकांड के तार अजीत पहलवान गैंग से जुड़ने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विनोद काणा और अजीत पहलवान दोनों हिसार के धुराना गांव के रहने वाले थे और उनके बीच करीब 18 साल से रंजिश चली आ रही थी। पुरानी दुश्मनी में कई बार दोनों पक्ष आमने-सामने आ चुके थे। बताया जा रहा है कि इसी विवाद के दौरान विनोद की आंख पर भी हमला हुआ था। अब कोर्ट परिसर में हुई हत्या ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। वारदात के बाद कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और गैंगवार से जुड़े पुराने विवादों की भी जांच की जा रही है।

हरियाणा में चीनी के रेट ने लगाई छलांग तीन महीने में 75 तक पहुंचने का अनुमान

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत। हरियाणा में चीनी के दामों में अचानक बड़ा उछाल आया है। करीब डेढ़ महीने पहले 42 से 45 रुपये किलो बिकने वाली चीनी अब 62 से 65 रुपये किलो तक पहुंच गई है। यानी कीमत में करीब 18 से 20 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के अनुसार बारिश और सूखे के कारण गन्ने की फसल प्रभावित होने से उत्पादन घटा है, जबकि मांग बढ़ने से कीमतें ऊपर गई हैं। आने वाले तीन महीनों में चीनी के दाम 75 रुपये किलो तक पहुंचने की आशंका भी जताई जा रही है। महंगाई का असर चाय और मिठाई पर भी दिखने लगा है। 10 रुपये की चाय अब 15 रुपये में मिल रही है। हलवाई मिठाई के दाम 20 से 30 रुपये किलो तक बढ़ाने की तैयारी में हैं। मंत्री रणबीर सिंह गंगवा ने कहा कि कीमतों में सरकार की भूमिका नहीं है। कारोबारियों का कहना है कि बढ़ती कीमतों से ग्राहकों ने चीनी की खरीदारी घटा दी है, जबकि बाजार में महंगाई का असर लगातार बढ़ रहा है।

नौकरी की तलाश में गुरुग्राम आए थे दो युवक, तेज रफ्तार बस ने छीनी जिंदगी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-90 चौक के पास शुक्रवार को तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान चरखी दादरी के गांव फौगाट निवासी अनिरुद्ध और अतुल के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, अनिरुद्ध अपने साथी अतुल के साथ स्प्लेंडर प्लस बाइक पर सवार होकर गुरुग्राम नौकरी की तलाश में आए थे। दोनों ने 12वीं तक पढ़ाई की थी और रोजगार की तलाश में शहर पहुंचे थे। हादसे के समय अतुल बाइक चला रहा था, जबकि अनिरुद्ध पीछे बैठा था। दोनों युवक यदुवंशी स्कूल की तरफ से सेक्टर-90 चौक की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे गुलमोहर फार्म हाउस के

बाइक के उड़े परखच्चे, बस की जोरदार टक्कर से दो युवकों की मौत।

सामने पहुंचे, सामने से आ रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर जा गिरे और गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बस नंबर के आधार पर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मामूली कार विवाद में पिस्तौल तानी, भीड़ जुटी तो आरोपी मौके से फरार

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। गुरुग्राम के ओल्ड दिल्ली रोड पर कार खड़ी करने को लेकर हुए मामूली विवाद ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब एक व्यक्ति ने दूसरे पर पिस्तौल तान दी। घटना शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे गऊशाला के सामने की बताई जा रही है। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गया। पीड़ित राहुल तंवर के अनुसार, उनकी कार सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान पास में खड़ी दूसरी कार के चालक ने अचानक गाड़ी बैक करनी शुरू कर दी। लापरवाही से कार पीछे लेने के कारण दोनों वाहनों में टक्कर हो गई। इसके बाद राहुल ने कार से उतरकर चालक से बात करने की कोशिश की, लेकिन मामूली विवाद बढ़ गया। आरोप है कि दूसरे वाहन के चालक ने बहस के दौरान पिस्तौल निकाल ली और राहुल की तरफ तानकर धमकी देने लगा।

फतेहाबाद में सोते युवक पर तेजाब फेंका अदालत ने दोषी को सुनाई 10 साल की सजा

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

हरियाणा के फतेहाबाद जिले के टोहाना में करीब तीन साल पुराने तेजाब हमले के मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवेंदु जैन की अदालत ने मामले में राम सिंह को दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

जुर्माना नहीं भरने पर उसे छह महीने का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। मामला 21 जुलाई 2023 की रात करीब सवा 10 बजे का है। शिकायत के अनुसार, पीड़ित अपने घर के आंगन में चारपाई पर सो रहा था। इसी दौरान राम सिंह तेजाब से भरी कांच की बोतल लेकर उसके घर के गेट पर पहुंचा। उसने चारपाई की तरफ तेजाब से भरी बोतल फेंकी और मौके से फरार हो

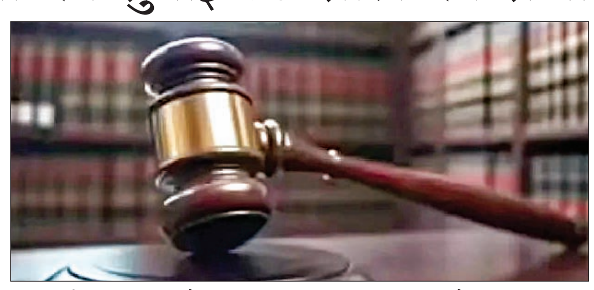

गया। बोतल पीड़ित के शरीर पर गिरकर टूट गई। तेजाब के संपर्क में आने से उसके माथे, छाती, दाहिनी कमर और कंधे पर गंभीर जलने की चोटें आईं।

घटना के बाद पीड़ित को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की और मामला अदालत में पहुंचा। अदालत ने सुनवाई के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और मामले से जुड़े तथ्यों के आधार पर राम सिंह को दोषी माना। इसके बाद उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 326-ए के तहत 10 साल के कठोर कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई।

मामले की पैरवी जिला न्यायवादी देवेंद्र मित्तल और सहायक जिला न्यायवादी सुरेंद्र सिंह ने की। अदालत के फैसले के बाद तेजाब हमले के इस मामले में पीड़ित पक्ष को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। घटना के पीछे आपसी रंजिश को वजह बताया गया था। लंबे समय तक चली कानूनी प्रक्रिया के बाद अब अदालत ने दोषी के खिलाफ सजा का फैसला सुनाया है।

कैथल में सांप के डसने से दो मासूमों की मौत, परिवारों में छाया मातम

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल

हरियाणा के कैथल जिले में सांप के डसने की दो अलग-अलग घटनाओं में दो बच्चों की मौत हो गई। हादसों के बाद दोनों परिवारों में मातम पसरा हुआ है। पहली घटना करनाल रोड स्थित शुगर मिल कॉलोनी में हुई, जबकि दूसरी घटना गांव गदली में सामने आई। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनाओं की जानकारी जुटाई।

शुगर मिल कॉलोनी में रहने वाला 10 वर्षीय हर्ष बुधवार रात अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। इसी दौरान एक सांप बेड पर चढ़ गया और उसने बच्चे को डस लिया। स्वजन के अनुसार, मकान के पीछे मौजूद झाड़ियों से सांप के घर में आने की आशंका है। सांप ने हर्ष के पेट और बाजू पर डसा। कुछ देर बाद बच्चे ने अपनी मां को बताया कि उसे चूहे ने काट लिया है। इसके बाद जब माता-पिता ने बच्चे को संभाला तो बेड पर सांप पड़ा दिखाई दिया। घटना के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गई।

कैथल में सर्पदंश का कहर, दो अलग-अलग घटनाओं में बच्चों की मौत से परिवारों में छाया गहरा मातम।

स्वजन ने बच्चे को बचाने के लिए अपने स्तर पर इलाज शुरू किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार होने के बजाय लगातार बिगड़ती गई।

इसके बाद हर्ष को जिला नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हर्ष छठी कक्षा में पढ़ता था। उसके ताऊ विनोद ने बताया कि बच्चे को सांप ने दो जगह पर डसा था। इसी तरह कैथल के गांव गदली में भी सांप के डसने से एक अन्य बच्चे की मौत हो गई। दोनों घटनाओं ने क्षेत्र के लोगों को चिंता में डाल दिया है। बारिश के मौसम में सांपों के घरों और रिहायशी इलाकों में पहुंचने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। परिवारों के लिए यह हादसा बेहद दर्दनाक है। एक ओर जहां दो मासूम बच्चों की जान चली गई, वहीं इन घटनाओं ने लोगों को आसपास साफ-सफाई और झाड़ियों की नियमित सफाई को लेकर भी सतर्क कर दिया है।

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी लोगों को जहरीले जीवों से बचाव के प्रति जागरूक रहने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार, सांप के काटने की स्थिति में समय पर अस्पताल पहुंचना बेहद जरूरी है। ऐसे मामलों में घरेलू उपचार या झाड़-फूंक में समय गंवाने के बजाय तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए। बारिश के मौसम में घरों के आसपास जमा पानी, कचरा और झाड़ियों की सफाई कर लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

अंबाला में पति से विवाद के बाद 100 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी महिला

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

हरियाणा के अंबाला जिले के मंडौर गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब 32 वर्षीय महिला पति से विवाद के बाद करीब 100 फीट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गई। महिला के टावर पर चढ़ने की सूचना मिलते ही परिवार और आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। पति और पड़ोसियों ने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को नीचे उतारने के लिए समझाने का प्रयास शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस महिला को सुरक्षित नीचे उतारने में सफल रही। इसके बाद उसे थाने ले जाया गया, जहां मामले को लेकर पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में पति-पत्नी के बीच विवाद की बात सामने आई है। बताया गया कि महिला के किसी अन्य व्यक्ति से प्रेम संबंध थे और वह उसके साथ रहना चाहती थी। इसी बात को लेकर पति ने उसे डांटा था, जिसके बाद महिला मोबाइल लेकर टावर पर चढ़ गई। जानकारी के मुताबिक, महिला की

शादी करीब 12 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के संभल जिले के रहने वाले सुनील से हुई थी। सुनील टेनिस एकेडमी में कोच हैं और रात के समय एक कूरियर कंपनी में भी काम करते हैं।

दंपती के तीन बच्चे हैं। उनकी बड़ी बेटी 11 वर्ष की है, जबकि मंझला बेटा आठ वर्ष और सबसे छोटी बेटी चार वर्ष की है। महिला के टावर पर चढ़ने से परिवार के साथ-साथ गांव में भी काफी देर तक तनाव का माहौल रहा। पुलिस ने महिला को नीचे उतारने के बाद पूरे मामले की जानकारी जुटाई। फिलहाल घटना को लेकर परिवार और पुलिस स्तर पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने महिला को सुरक्षित नीचे उतारकर थाने में पूछताछ की। फिलहाल मामले की जांच जारी है और परिवार से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

हरियाणा में 15 दिन से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल, कचरा प्रबंधन हुआ बदहाल

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

हरियाणा में सफाई कर्मचारियों की 15 दिन से जारी हड़ताल के कारण कचरा प्रबंधन व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। प्रदेश के कई शहरों में घरों, दुकानों और डंपिंग प्वाइंटों पर कचरे के ढेर बढ़ते जा रहे हैं। समय पर कचरा न उठने से लोगों को दुर्गंध और गंदगी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, लंबे समय तक कचरा जमा रहने से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

हड़ताल का सबसे ज्यादा असर शहरी क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। प्रशासन की ओर से कुछ स्थानों पर वैकल्पिक व्यवस्था के जरिए कचरा उठाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन कई जगहों पर इसका भी विरोध हो रहा है। इससे हालात सामान्य करने में प्रशासन को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सिरसा में स्थिति और गंभीर हो गई है। यहां चार कचरा प्वाइंटों पर आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। लगातार जमा हो रहे कचरे के कारण स्थानीय लोगों में भी चिंता

हरियाणा में कचरा संकट गहराया, हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

बढ़ रही है। बिगड़ती सफाई व्यवस्था को लेकर सिरसा के विधायक गोकुल सेतिया ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का रुख किया है। याचिका में हड़ताल के दौरान शहर में पैदा हुए हालात और प्रशासन की ओर से किए जा रहे इंतजामों पर सवाल उठाए गए हैं।

मामले पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने स्थानीय शहरी निकाय विभाग को नोटिस जारी किया है। अदालत ने विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव से हड़ताल के दौरान कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी शपथपत्र के माध्यम से देने को कहा है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त को होगी। लोगों की नजर इस बात पर है कि सरकार और प्रशासन सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए क्या प्रभावी कदम उठाते हैं।

वहीं, शहरों में लगातार बढ़ते कचरे के कारण स्थानीय लोगों की परेशानी भी बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही हड़ताल समाप्त नहीं हुई और नियमित रूप से कचरा उठाने की व्यवस्था नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। प्रशासन के सामने अब सफाई व्यवस्था बहाल करना बड़ी चुनौती बन गया है।

फरीदाबाद में सरकार के आदेश के खिलाफ पटवारी, तहसीलदार और कानूनगो करेंगे प्रदर्शन

पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0 और ऑटो म्यूटेशन व्यवस्था लागू होने के बाद बढ़ा विवाद

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

हरियाणा के फरीदाबाद में शुक्रवार को पटवारी, तहसीलदार और कानूनगो सरकार के एक आदेश के विरोध में हड़ताल पर रहेंगे। यह विरोध प्रदर्शन इंतकाल यानी म्यूटेशन का काम दोबारा शुरू करने के निर्देश के खिलाफ किया जा रहा है। कर्मचारियों ने इस आदेश को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है और इसके विरोध में सेक्टर-12 स्थित टाउन पार्क में धरना देने का फैसला किया है।

जानकारी के अनुसार, पटवारी, तहसीलदार और कानूनगो शुक्रवार सुबह 10 बजे से सेक्टर-12 टाउन पार्क में एकत्रित होकर हड़ताल करेंगे। कर्मचारियों के इस विरोध के कारण राजस्व विभाग से जुड़े कामकाज पर असर पड़ने की संभावना है। खासतौर पर जमीन और संपत्ति से संबंधित मामलों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, हरियाणा सरकार ने राजस्व विभाग के कामकाज को आसान और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से जून 2026 में 'पेपरलेस रजिस्ट्रेशन 2.0' और 'ऑटो म्यूटेशन' व्यवस्था शुरू की थी। सरकार का उद्देश्य जमीन की खरीद-बिक्री और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाना है। नई व्यवस्था के

तहत किसी संपत्ति या जमीन की रजिस्ट्री पूरी होने के बाद उसके इंतकाल की प्रक्रिया स्वतः ऑनलाइन दर्ज किए जाने की व्यवस्था की गई है।

इससे लोगों को इंतकाल के लिए अलग से कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम होने की उम्मीद है। सरकार की ओर से इसे राजस्व सेवाओं में डिजिटल बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया है। नई व्यवस्था के बावजूद सरकार की ओर से इंतकाल का काम दोबारा शुरू करने को लेकर जारी निर्देश से पटवारी और अन्य राजस्व कर्मचारी नाराज हैं। कर्मचारियों का कहना है कि इस आदेश को लेकर उनकी कुछ आपत्तियां हैं, जिसके चलते उन्होंने विरोध का रास्ता चुना है। फरीदाबाद में होने वाला यह प्रदर्शन इसी विरोध का हिस्सा है। पटवारी, तहसीलदार और कानूनगो एक साथ हड़ताल पर बैठकर सरकार के आदेश के खिलाफ अपनी आवाज उठाएंगे। कर्मचारियों के प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन की नजर भी पूरे घटनाक्रम पर रहेगी।

राजस्व विभाग से जुड़े कर्मचारी जमीन के रिकॉर्ड, इंतकाल और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में यदि हड़ताल लंबी चलती है तो आम लोगों के राजस्व संबंधी काम प्रभावित हो सकते हैं। जमीन की खरीद-बिक्री, रिकॉर्ड में बदलाव और अन्य प्रक्रियाओं से जुड़े लोगों को कार्यालयों में कामकाज प्रभावित होने के कारण इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि सरकार की ओर से शुरू की गई ऑटो म्यूटेशन व्यवस्था का उद्देश्य ऐसी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन और आसान बनाना है। नई प्रणाली पूरी तरह लागू होने के बाद लोगों को राजस्व कार्यालयों पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है।

फिलहाल फरीदाबाद में शुक्रवार को होने वाले प्रदर्शन पर सभी की नजरें टिकी हैं। कर्मचारियों और सरकार के बीच इस मुद्दे पर आगे क्या बातचीत होती है और क्या हड़ताल समाप्त करने को लेकर कोई समाधान निकलता है, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। इस बीच कर्मचारियों की ओर से सरकार के सामने अपनी मांगों और आपत्तियों को रखने की तैयारी की जा रही है। उनका कहना है कि नई व्यवस्था के बावजूद इंतकाल का काम दोबारा शुरू करने के आदेश को लेकर कई व्यावहारिक सवाल हैं। कर्मचारियों का मानना है कि इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश और उचित व्यवस्था जरूरी है, ताकि राजस्व रिकॉर्ड से जुड़े मामलों में किसी तरह की परेशानी न हो। वहीं, सरकार की ओर से डिजिटल व्यवस्था को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। ऑटो म्यूटेशन के जरिए रजिस्ट्री के बाद इंतकाल की प्रक्रिया को ऑनलाइन और स्वतः पूरा करने का प्रयास किया गया है।

अर्चना गुप्ता के बयान पर भड़के अभय चौटाला बोले- जाति विशेष पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत

पानीपत में इनेलो सुप्रीमो अभय चौटाला ने हरियाणा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अर्चना गुप्ता के एक बयान को लेकर उन पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जिस विशेष वर्ग को लेकर टिप्पणी की गई है, वह देश और प्रदेश का अन्नदाता है तथा देश की रक्षा और खेलों में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। अभय चौटाला ने कहा कि पानीपत के लोगों के लिए यह शर्म की बात है कि उनके क्षेत्र से जुड़ी एक महिला नेता ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने अर्चना गुप्ता के बयान को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि अभिमन्यु के बाद ओपी धनखड़ का कुर्ता-पायजामा खूंटी पर लटकाने की बात कही गई थी, अब यह भी बताया जाना चाहिए कि आगे किसका कुर्ता-पायजामा टांगा जाएगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि अर्चना गुप्ता ने एक विशेष जाति को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। चौटाला ने कहा कि इस वर्ग के लोग देश के लिए अनाज पैदा करने के साथ-साथ सेना में सेवा देकर देश की रक्षा करते हैं। उन्होंने खेलों में भी इस समुदाय के योगदान का जिक्र किया। अभय चौटाला ने चेतावनी भरे अंदाज में कहा कि उनकी कौम को छेड़ने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे परेशानी खड़ी हो सकती है। उन्होंने भाजपा नेताओं की मौजूदगी पर भी सवाल उठाया। चौटाला ने कहा कि जब अर्चना गुप्ता कथित तौर पर इस वर्ग पर टिप्पणी कर रही थीं, तब महिपाल ढांडा वहां मौजूद थे और उनके अनुसार हंस रहे थे।

उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा शर्मनाक बात कुछ नहीं हो सकती। चौटाला ने आरोप लगाया कि इस तरह की बयानबाजी से पूरे समुदाय की भावनाएं आहत होती हैं और समाज में अनावश्यक तनाव पैदा होता है।

अभय चौटाला के बयान के बाद हरियाणा की राजनीति में जातिगत टिप्पणी को लेकर सियासी बहस तेज होने के आसार हैं। हालांकि, अर्चना गुप्ता के बयान और चौटाला की प्रतिक्रिया पर भाजपा की ओर से आगे क्या जवाब आता है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। इसी बीच, अभय चौटाला के बयान को लेकर भाजपा और इनेलो के बीच सियासी बयानबाजी बढ़ने की संभावना है। चौटाला ने कहा कि नेताओं को सार्वजनिक मंचों पर बोलते समय भाषा और सामाजिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि जातिगत टिप्पणियों से समाज में गलत संदेश जाता है।

न्यूज ब्रीफ

नोएडा में खेलते-खेलते लापता हुए 3 बच्चे पुलिस ने सकुशल खोज निकाला

एजेंसी, नई दिल्ली। नोएडा के सेक्टर-128 में निर्माणाधीन साइट से खेलते-खेलते लापता हुए तीन बच्चों को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तेजी से तलाश अभियान शुरू किया और कुछ ही घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद बच्चों को खोज निकाला। रात करीब 11 बजे पुलिस ने तीनों बच्चों को सुरक्षित उनके परिवार को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के सेक्टर-128 स्थित निर्माणाधीन साइट पर श्रमिक परिवार रहते हैं। बृहस्पतिवार रात करीब आठ बजे तीन बच्चे खेलते-खेलते अचानक लापता हो गए। इनमें दो बच्चों की उम्र करीब पांच वर्ष और एक बच्चे की उम्र लगभग 10 वर्ष बताई गई है। बच्चों के काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और आसपास के क्षेत्रों में बच्चों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने निर्माणाधीन साइट के आसपास के इलाकों, रास्तों और संभावित स्थानों पर बच्चों की तलाश की। पुलिस की तत्परता से तीनों बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। बच्चों के मिलने के बाद परिवार ने राहत की सांस ली।

सावन के आखिरी सोमवार पर आगरा में ट्रैफिक डायवर्जन, नो-एंट्री पास रद्द

एजेंसी, नई दिल्ली। आगरा में सावन के चौथे और आखिरी सोमवार पर कांवड़ियों व श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष डायवर्जन प्लान लागू किया है। यह व्यवस्था 23 अगस्त की शाम चार बजे से शुरू होकर 24 अगस्त को मेला समाप्त होने तक लागू रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार, भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही सभी नो-एंट्री पास भी निरस्त कर दिए गए हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित डायवर्जन मार्गों का ही इस्तेमाल करें और अनावश्यक रूप से भीड़ वाले क्षेत्रों में जाने से बचें। सावन के आखिरी सोमवार पर बड़ी संख्या में कांवड़िए और श्रद्धालु मंदिरों में जलाभिषेक व पूजा-अर्चना के लिए पहुंचेंगे। इसके चलते प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ने की संभावना है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं और वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा पुलिसकर्मियों के निर्देशों का सहयोग करने की अपील की है। डायवर्जन व्यवस्था मेला समाप्त होने के बाद सामान्य की जाएगी।

प्रयागराज में प्रतियोगियों का हल्लाबोल, 20 हजार रिक्त पदों पर भर्ती की मांग

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रयागराज में टीजीटी-पीजीटी भर्ती को लेकर गुरुवार को प्रतियोगी छात्रों ने शिक्षा निदेशालय में प्रदर्शन किया। छात्रों ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में 20 हजार से अधिक रिक्त पदों पर पुरानी नियमावली के आधार पर भर्ती का विज्ञापन जारी करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के बाद प्रतियोगी छात्रों ने अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) को संबोधित ज्ञापन संयुक्त निदेशक (वित्त) महेंद्र कुमार यादव को सौंपा। छात्रों का कहना है कि नई नियमावली के कारण भर्ती प्रक्रिया में बदलाव हुआ है, जिससे लाखों अभ्यर्थियों के अवसर प्रभावित हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से टीजीटी और पीजीटी के पद रिक्त हैं, लेकिन भर्ती प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है। छात्रों की मांग है कि रिक्त पदों पर जल्द भर्ती विज्ञापन जारी किया जाए और पुरानी नियमावली के तहत चयन प्रक्रिया पूरी की जाए। प्रतियोगियों ने कहा कि नई नियमावली लागू होने से कई अभ्यर्थियों के लिए पात्रता और अवसर सीमित हो गए हैं। उनका कहना है कि भर्ती में देरी से तैयारी कर रहे युवाओं का समय और अवसर दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

दिल्ली में एच1एन1 की रफ्तार तेज पिछले साल से आठ गुना मामले

एच1एन1 के 1,344 पुष्ट मामले दर्ज, 14 दिन में 433 नए मरीज

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली में एच1एन1 संक्रमण के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। 20 अगस्त को राजधानी में एक ही दिन में 114 नए मरीज सामने आए, जिसके बाद वर्ष 2026 में अब तक संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1,777 हो गई है। लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली में संक्रमण की स्थिति और तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है।

स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों के अनुसार, छह अगस्त तक दिल्ली में एच1एन1 के 1,344 पुष्ट मामले दर्ज थे। इसके बाद केवल 14 दिनों में 433 नए मामले सामने आए। पिछले वर्ष इसी अवधि में 229 मामले दर्ज हुए थे। इस तुलना में इस साल संक्रमण के मामले कई गुना अधिक हैं। मामलों में अचानक हुई बढ़ोतरी ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली-एनसीआर में एच1एन1 के साथ अन्य श्वसन संक्रमणों के मामले भी बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, उमस और मौसम में लगातार बदलाव संक्रमण के प्रसार को बढ़ावा दे सकते हैं। लोगों को फ्लू जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करने और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लेने की सलाह दी जा रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की समीक्षा बैठक में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य अधिकारी शामिल होंगे। बैठक में संक्रमण की मौजूदा स्थिति, अस्पतालों की तैयारियों और रोकथाम के उपायों की समीक्षा की जाएगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से सावधानी बरतने, हाथों की स्वच्छता बनाए रखने और फ्लू जैसे लक्षण होने पर दूसरों से दूरी रखने की सलाह दी है। लक्षण गंभीर होने या लंबे समय तक बने रहने पर चिकित्सक से संपर्क करना जरूरी बताया गया है।

रक्षा बंधन पर रेल यात्रियों को राहत, कोटा-निजामुद्दीन के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

एजेंसी, नई दिल्ली

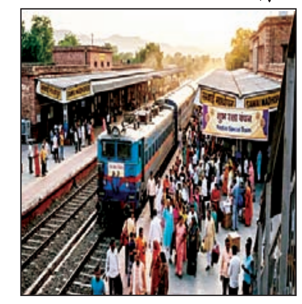

गर्मी की छुट्टियां खत्म होने के बाद भी ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ लगातार बनी हुई है। कई प्रमुख रूटों पर चलने वाली ट्रेनों में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है। इसी को देखते हुए रेलवे ने रक्षा बंधन के दौरान यात्रियों को राहत देने के लिए कोटा और हजरत निजामुद्दीन के बीच विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह ट्रेन यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए चलाई जा रही है और 27 अगस्त तक कुल तीन फेरे लगाएगी। रेलवे के इस फैसले से त्योहार के दौरान कोटा, दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के बीच यात्रा करने वाले लोगों को सुविधा मिलने की उम्मीद है।

रक्षा बंधन पर बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार और रिश्तेदारों से मिलने के लिए यात्रा करते हैं। ऐसे में नियमित ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष ट्रेन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, गर्मी की छुट्टियों के बाद ट्रेनों में यात्रियों की संख्या सामान्य होने के बजाय कई रूट पर अधिक बनी हुई है। इसके अलावा रक्षा बंधन के चलते यात्रियों की संख्या और बढ़ने की संभावना है। यात्रियों को समय पर सीट उपलब्ध कराने और सफर को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। कोटा से हजरत निजामुद्दीन के बीच चलने वाली यह स्पेशल ट्रेन निर्धारित अवधि में तीन फेरे लगाएगी।

तेज रफ्तार टाटा पंच ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम के सेक्टर-12 में गुरुवार रात तेज रफ्तार टाटा पंच कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसा सेक्टर-14 थाना क्षेत्र में लालजी अस्पताल के पास ओल्ड रेलवे रोड की तरफ जाते समय हुआ। मृतकों की पहचान ईडी कर्मचारी रोहित कुमार और उनके दोस्त अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने कार चालक प्रियांशु को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, रोहित कुमार अपने दोस्त अभिषेक के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। दोनों लालजी अस्पताल के पास से ओल्ड रेलवे रोड की ओर बढ़ रहे थे।

इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आई टाटा पंच कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोग एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों के परिजनों में मातम छा गया।

पुलिस ने कार चालक प्रियांशु को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

मेडिकल रिपोर्ट में राहत के बदले 2.50 लाख, डॉक्टर-कर्मी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद एसीबी ने पिनगवां स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर वीरपाल और स्वास्थ्यकर्मी मोनू को 2.50 लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने एक किशोर से जुड़े कुकर्म मामले में मेडिकल रिपोर्ट को हल्का करने और डीएनए सैंपल बदलने के बदले रिश्वत मांगी थी। एसीबी के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद टीम ने आरोपितों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। निर्धारित योजना के तहत रिश्वत की रकम दी गई, जिसके बाद एसीबी ने डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी को रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने रिश्वत की रकम भी बरामद की। प्रारंभिक जांच में आरोप है कि दोनों ने मामले की मेडिकल जांच और रिपोर्ट से जुड़े दस्तावेजों में बदलाव करने का भरोसा देकर रकम मांगी थी। डीएनए सैंपल से छेड़छाड़ करने की बात भी सामने आई है।

गाजियाबाद न्यायालय में वीडियो बनाते पकड़ा गया व्यक्ति, केस दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली

अदालत में वीडियो बनाना पड़ा महंगा, आरोपी पर मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र स्थित न्यायालय परिसर में न्यायिक कार्यवाही का वीडियो बनाना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। पुलिस ने अदालत कक्ष में मोबाइल से वीडियो बनाने के आरोप में अमित नाम के व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, बृहस्पतिवार को सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के न्यायालय कक्ष में नियमित न्यायिक कार्यवाही चल रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति मोबाइल फोन से अदालत की कार्यवाही का वीडियो बनाने लगा। न्यायालय के लिपिक की नजर उस पर पड़ी।

उन्होंने व्यक्ति को वीडियो बनाते हुए देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। पुलिस के अनुसार, न्यायालय परिसर में बिना अनुमति न्यायिक कार्यवाही की रिकॉर्डिंग करना नियमों के विरुद्ध माना जाता है। इसी आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी ने किस उद्देश्य से अदालत की कार्यवाही का वीडियो बनाया था।

साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वीडियो में क्या रिकॉर्ड हुआ और उसे किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा किया गया या नहीं। मामले में पुलिस आरोपी से पूछताछ कर सकती है और मोबाइल फोन की भी जांच की जा सकती है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अदालत परिसर में सुरक्षा और नियमों को लेकर पुलिस तथा न्यायालय प्रशासन पहले से सतर्क रहता है। न्यायिक कार्यवाही की गोपनीयता और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बिना अनुमति रिकॉर्डिंग पर रोक रहती है। पुलिस ने बताया कि शिकायत और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

नोएडा में बाइक चोर गिरोह का खुलासा 12 चोरी की बाइक और कार बरामद

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा पुलिस ने ओला-उबर टैक्सी चलाने की आड़ में एनसीआर में दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। सेक्टर-39 थाना पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और चंडीगढ़ से चोरी की गई 12 बाइक, एक वैगनआर कार और दो चाकू बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपितों को बृहस्पतिवार को स्टेलर पार्क के पास से गिरफ्तार किया गया।

पकड़े गए आरोपितों की पहचान मैनपुरी के नेका मऊ गांव निवासी रवि प्रताप, प्रशान्त सिंह, दीपांशु और सकत गांव निवासी विमल शाक्य के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दीपांशु गिरोह का सरगना है, जबकि वैगनआर कार विमल के नाम पर है। जांच में पता चला कि गिरोह के चारों सदस्य दिन के समय ओला और उबर जैसी कैब सेवाओं के लिए टैक्सी चलाते थे। टैक्सी चलाने के दौरान वे अलग-अलग इलाकों में घूमते रहते थे और इसी दौरान दोपहिया वाहनों की रेकी भी करते थे। रात में मौका मिलते ही सुनसान स्थानों या कम निगरानी वाले इलाकों में खड़ी बाइक चोरी कर लेते थे। चोरी की गई बाइक को गिरोह के सदस्य करीब आठ से दस हजार रुपये में बेच देते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपितों के पास चाकू भी रहते थे, जिनका इस्तेमाल पकड़े जाने या विरोध होने की स्थिति में लोगों को डराने के लिए किया जाता था। पुलिस ने बताया कि चारों आरोपित आठवीं कक्षा तक पढ़े हैं।

टैक्सी चलाने के कारण उन्हें शहर और एनसीआर के अलग-अलग इलाकों की अच्छी जानकारी थी। इसी का फायदा उठाकर वे चोरी के लिए स्थान चुनते और वारदात के बाद आसानी से निकल जाते थे। पुलिस अब बरामद वाहनों के संबंध में दर्ज मुकदमों की जानकारी जुटा रही है। साथ ही गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और चोरी की बाइक खरीदने वालों के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

प्रयागराज में 69 खिलाड़ी करेंगे मेरठ का प्रतिनिधित्व, पदक जीतने का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रयागराज में 23 से 25 अगस्त तक आयोजित होने वाली यूपी जूनियर स्टेट एथलेटिक्स मीट-2026 में मेरठ के 69 खिलाड़ी विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिला एथलेटिक संघ की ओर से खिलाड़ियों की सूची जारी की गई है। मेरठ की बड़ी भागीदारी को देखते हुए इस बार जिले को कई स्पर्धाओं में पदक मिलने की मजबूत उम्मीद है। प्रतियोगिता में मेरठ के खिलाड़ी अंडर-20, अंडर-18, अंडर-16 और अंडर-14 आयु वर्ग में हिस्सा लेंगे। खिलाड़ी स्प्रिंट, हर्डल्स, हाई जंप, लांग जंप, शॉटपुट, जेवलिन थ्रो, हैमर थ्रो, रेस वॉक और ट्राइथलान-पेंटाथलान जैसी स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे।

मेरठ और बुलंदशहर से प्रतियोगिता के लिए कुल 85 खिलाड़ियों की प्रविष्टियां भेजी गई हैं। इनमें मेरठ के 69 और बुलंदशहर के 16 खिलाड़ी शामिल हैं। आयु वर्ग के अनुसार अंडर-20 में कुल 29 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें मेरठ के 23 और बुलंदशहर के छह खिलाड़ी हैं। अंडर-18, अंडर-16 और अंडर-14 वर्ग में भी दोनों जिलों के खिलाड़ी अलग-अलग स्पर्धाओं में मैदान में उतरेंगे। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए तैयारी पूरी कर ली है और बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास पर जोर दिया जा रहा है।

जिला एथलेटिक संघ के पदाधिकारियों के अनुसार, मेरठ के कई खिलाड़ी पहले भी जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं। ऐसे में उनसे इस बार भी पदक की उम्मीद की जा रही है। प्रतियोगिता में प्रदेशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। मेरठ के खिलाड़ी अपनी-अपनी स्पर्धाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जिले के लिए पदक जीतने की कोशिश करेंगे।

जेवर एयरपोर्ट से दिल्ली तक सीधा संपर्क एनसीआर में 4 हाई-स्पीड लिंक बनाने की तैयारी

एजेंसी, नई दिल्ली

मास्टर प्लान-2047 में दिल्ली-एनसीआर की कनेक्टिविटी मजबूत करने पर जोर।

दिल्ली मास्टर प्लान-2047 में राजधानी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बीच परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर योजना तैयार की गई है। इसके तहत दिल्ली को आसपास के प्रमुख शहरों और क्षेत्रों से जोड़ने के लिए चार हाई-स्पीड सड़क लिंक प्रस्तावित किए गए हैं। इनका उद्देश्य क्षेत्रीय आवागमन को तेज करने के साथ दिल्ली में बढ़ते अंतरराज्यीय यातायात के दबाव को कम करना है।

प्रस्तावित हाई-स्पीड सड़क लिंक दिल्ली को बागपत, लोनी, गाजियाबाद, गुरुग्राम, झज्जर और जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जोड़ेंगे। इससे इन क्षेत्रों के बीच आने-जाने वाले लोगों को अधिक सुगम और तेज परिवहन सुविधा मिलने की उम्मीद है। खासतौर पर दिल्ली और नोएडा एयरपोर्ट के बीच बेहतर सड़क संपर्क विकसित होने से यात्रियों को लाभ मिल सकता है।

मास्टर प्लान में केवल सड़क परिवहन पर ही जोर नहीं दिया गया है, बल्कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को भी क्षेत्रीय स्तर पर मजबूत करने की योजना है। इसके लिए छह नए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) कॉरिडोर विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया है। इन कॉरिडोर के जरिए दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न हिस्सों के बीच तेज सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को बढ़ावा देने की योजना है।

चार हाई-स्पीड सड़क लिंक और छह आरआरटीएस कॉरिडोर अलग-अलग परिवहन परियोजनाएं हैं। सड़क लिंक मुख्य रूप से तेज सड़क संपर्क उपलब्ध कराने पर केंद्रित होंगे, जबकि आरआरटीएस कॉरिडोर सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने में भूमिका निभाएंगे।

ग्रेटर कैलाश में डीलरों से मुलाकात के बाद करोल बाग पहुंचे थे जौहरी

दिल्ली के करोल बाग में जौहरी को करोड़ों की चपत, 2 करोड़ के जेवर चोरी

एजेंसी, नई दिल्ली

करोल बाग में जौहरी की कार से करोड़ों के जेवर चोरी

दिल्ली के करोल बाग इलाके में जयपुर के एक जौहरी की खड़ी कार का शीशा तोड़कर दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सोने और हीरे के जेवर चोरी करने का मामला सामने आया है। वारदात 19 अगस्त को हुई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो संदिग्धों की पहचान की है और उनकी तलाश में जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस के अनुसार, जयपुर निवासी कन्हैया लाल एसकेजी कुंदन क्राफ्ट्स के मालिक हैं। वह अपने बेटे ध्रुव सोनी और एक कर्मचारी के साथ मार्केटिंग के सिलसिले में दिल्ली आए थे। उनके पास जेवरों से भरे तीन बैकपैक और एक सूटकेस था।

बैकपैक में सोने और हीरे के आभूषणों के अलावा एक लैपटॉप रखा हुआ था, जबकि सूटकेस में कपड़े थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, कन्हैया लाल ने दिल्ली पहुंचने के बाद ग्रेटर कैलाश इलाके में कई जौहरी डीलरों से मुलाकात की। इसके बाद वह करोल बाग पहुंचे। इसी दौरान उनकी कार एक स्थान पर खड़ी थी। आरोप है कि अज्ञात आरोपितों ने कार का शीशा तोड़ा और उसमें रखे बैकपैक निकालकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची टीम ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। फुटेज में दो संदिग्ध व्यक्ति वारदात के आसपास दिखाई दिए हैं।

पुलिस उनकी पहचान और गतिविधियों की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोरी किए गए जेवरों की कीमत दो करोड़ रुपये से अधिक है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपितों ने जौहरी की गतिविधियों पर पहले से नजर रखी थी या वारदात अचानक की गई।

अधिकारियों ने आसपास के अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी जुटाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संदिग्धों की तलाश के साथ-साथ चोरी किए गए आभूषणों को बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस को उम्मीद है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की मदद से जल्द आरोपितों तक पहुंचा जा सकेगा। दिल्ली के करोल बाग में जयपुर के जौहरी की कार का शीशा तोड़कर दो करोड़ रुपये से अधिक के सोने और हीरे के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। वारदात 19 अगस्त की है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो संदिग्धों की पहचान की है। जयपुर निवासी कन्हैया लाल एसकेजी कुंदन क्राफ्ट्स के मालिक हैं। वह अपने बेटे ध्रुव सोनी और एक कर्मचारी के साथ मार्केटिंग के लिए दिल्ली आए थे। कार में तीन बैकपैक और एक सूटकेस रखा था। बैकपैक में सोने-हीरे के आभूषण और लैपटॉप था, जबकि सूटकेस में कपड़े थे।

कन्हैया लाल ने ग्रेटर कैलाश में कई जौहरी डीलरों से मुलाकात की और बाद में करोल बाग पहुंचे। कार खड़ी करने के दौरान आरोपितों ने शीशा तोड़कर बैकपैक चोरी कर लिए। सूचना मिलने पर पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दो संदिग्ध दिखाई दिए हैं। पुलिस उनकी पहचान और संभावित रूट की जांच कर रही है। साथ ही चोरी हुए जेवर बरामद करने और आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। करोल बाग में जयपुर के जौहरी की कार का शीशा तोड़कर दो करोड़ से अधिक के सोने-हीरे के जेवर चोरी हुए। सीसीटीवी में दो संदिग्ध दिखे।

रेवाड़ी में प्रशासन की सख्ती बेअसर, केस के बाद भी 5 गोवंशी छुड़ा ले गए पशुपालक

एजेंसी, नई दिल्ली

रेवाड़ी में प्रशासन की सख्ती और पुलिस कार्रवाई के बावजूद पकड़े गए गोवंशी को जबरन छुड़ाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बृहस्पतिवार को पशुपालकों ने एजेंसी द्वारा पकड़े गए पांच गोवंशी को कथित तौर पर छुड़ा लिया। इस घटना में परिवार की महिलाएं भी शामिल रहीं। खास बात यह है कि पांच दिन पहले ही पुलिस ने तीन गोपालकों के खिलाफ एजेंसी कर्मचारियों से विवाद करने और पकड़े गए गोवंशी को जबरन मुक्त कराने के आरोप में मामला दर्ज किया था।

मामला दर्ज होने के बावजूद आरोपितों में कार्रवाई का डर दिखाई नहीं दे रहा है। पुलिस की ओर से अभी तक किसी भी नामजद गोपालक की गिरफ्तारी नहीं की गई है। इसके चलते पशुपालकों के हौसले बढ़ने की बात सामने आ रही है। बृहस्पतिवार को हुई घटना ने प्रशासन की व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय स्तर पर गोवंशी के खुले में घूमने और उनसे होने वाली घटनाओं को लेकर पहले से चिंता बनी हुई है। कुछ समय पहले गोवंशी के हमले में दो बुजुर्गों की मौत हो चुकी है।

इसके बावजूद पकड़े गए गोवंशी को छुड़ाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

बताया जा रहा है कि संबंधित एजेंसी शहर और आसपास के क्षेत्रों में घूम रहे गोवंशी को पकड़ने का अभियान चला रही है। हालांकि, पशुपालकों द्वारा उन्हें छुड़ाने से अभियान प्रभावित हो रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पलवल में हैवानियत: 7 माह की गर्भवती और नाबालिग को चाकू-सरिये से पीटा, केस दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली

हरियाणा के पलवल स्थित छायंसा गांव में एक परिवार पर लाठी-डंडे, सरिये और चाकू से जानलेवा हमला करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हथीन थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर नामजद आरोपितों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता हारुणी ने पुलिस को बताया कि 17 अगस्त की शाम उनकी 17 वर्षीय बेटी हपसा और 7 माह की गर्भवती बहू सन्ना सरकारी स्कूल के पास से गुजर रही थीं। आरोप है कि तभी गांव के राहुल ने अपने परिवार के साथ उन्हें घेर लिया और हपसा को चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। जब हारुणी बीच-बचाव के लिए पहुंचीं, तो आरोपित राहुल, शोकीन, असमीना, तोहिद, मुबीना, सबनम, अरशद व अन्य घातक हथियारों के साथ आ गए। हमलावरों ने विधवा हारुणी के कंधे व छाती पर डंडे मारे। इसके बाद राहुल ने गर्भवती सन्ना के माथे पर चाकू से वार किया और तोहिद ने घुटने पर सरिया मार दिया।

मानसून की बारिश सामान्य से 8 फीसदी कम, 1108 करोड़ रुपए का नुकसान

219 लोगों की मौत, कुल्लू में सबसे ज्यादा बारिश, तो लाहौल-स्पीति में 53% कमी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में इस साल मानसून की बारिश सामान्य से कम रही है, लेकिन कम बारिश के बावजूद प्रदेश को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार 30 जून को प्रदेश में पहुंचा दक्षिण-पश्चिम मानसून अब तक सामान्य से आठ फीसदी कम बरसा है। वहीं, राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार मानसून के दौरान बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 219 लोगों की मौत हुई है और कुल नुकसान 1108 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक मानसून सीजन के दौरान 1 1 जून से 21 अगस्त तक छह जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है, जबकि पांच जिलों में सामान्य से अधिक और एक जिले में सामान्य बारिश दर्ज की गई है। कुल्लू में मानसून सबसे ज्यादा मेहरबान रहा। यहां सामान्य से 24 फीसदी अधिक बारिश हुई है। शिमला में सामान्य से 18 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। जनजातीय जिला किन्नौर में भी सामान्य से पांच फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। चंबा और सिरमौर में सामान्य से दो-दो फीसदी अधिक बारिश हुई है। इसके उलट लाहौल-स्पीति में मानसून की बारिश सामान्य से 53 फीसदी कम रही। हमीरपुर में सामान्य से 35 फीसदी कम बारिश हुई है। मंडी में 22 फीसदी, सोलन में 11 फीसदी और ऊना में एक फीसदी कम बारिश दर्ज की गई। कांगड़ा भी सामान्य से कम बारिश वाले जिलों में शामिल है। बिलासपुर में बारिश सामान्य रही है। अगस्त में भी बारिश का आंकड़ा सामान्य से नीचे है। मौसम विभाग के अनुसार एक से 21 अगस्त तक प्रदेश में सामान्य से 13 फीसदी कम बारिश हुई है। इस दौरान बिलासपुर, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला और सिरमौर में सामान्य से अधिक बारिश हुई, जबकि चंबा, हमीरपुर, किन्नौर, लाहौल-स्पीति, मंडी, सोलन और ऊना में बारिश सामान्य से कम रही। मौसम विभाग के अनुसार मानसून अभी प्रदेश में सक्रिय है।

23 से 27 अगस्त तक प्रदेश में कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

भूस्खलन से 128 सड़कें बंद, 52 पेयजल योजनाएं और 18 ट्रांसफार्मर प्रभावित

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार मानसून अवधि में बारिश से जुड़े हादसों में अब तक 219 लोगों की मौत हुई है। 330 लोग घायल हुए हैं, जबकि तीन लोग अभी लापता हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में भूस्खलन के कारण 128 सड़कें बंद हैं। इन्हें खोलने का काम जारी है। इसके अलावा 52 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं और 18 बिजली ट्रांसफार्मर बंद हैं।

अनुराग ने सुजानपुर सैनिक स्कूल की अंडर-17 फुटबॉल टीम से की मुलाकात

अनिल कुमार, हमीरपुर। हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर सैनिक स्कूल सुजानपुर टीहरा की अंडर-17 बालिका फुटबॉल टीम का स्वागत किया। टीम इन दिनों प्रतिष्ठित सुब्रतो कप में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली में है। अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों से संवाद कर उन्हें शानदार उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।

सैनिक स्कूल सुजानपुर टीहरा की टीम ने हाल ही में राष्ट्रीय अंडर-17 ऑल इंडिया फुटबॉल चैंपियनशिप (प्री-सुब्रतो कप-2026) का खिताब जीतकर हिमाचल का नाम रोशन किया है। देशभर के 111 सैनिक स्कूलों के बीच हुई प्रतियोगिता के फाइनल में टीम ने सैनिक स्कूल चंद्रपुर को हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेलों में सफलता के लिए प्रतिभा के साथ निरंतर मेहनत, अनुशासन, टीम भावना और दृढ़ संकल्प जरूरी है। उन्होंने खिलाड़ियों से जीत और हार दोनों से सीख लेकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सुजानपुर की बालिका टीम की उपलब्धि पूरे हिमाचल के लिए गर्व का विषय है। यह सफलता प्रदेश की बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने स्कूल प्रशासन, प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ के योगदान की भी सराहना की। इस अवसर पर मेजर सुमरीन सक्सेना, राकेश राणा, राजवीर सिंह, कोच आशा देवी और टीम कप्तान इरा बोध सहित खिलाड़ी मौजूद रहे। सांसद ने टीम को सुब्रतो कप के लिए शुभकामनाएं दीं।

पठानकोट में रेस्क्यू के दौरान हाइड्रा पलटा, ट्रक हटाने पहुंचा था, दोनों वाहन क्षतिग्रस्त, बाप-बेटा बाल-बाल बचे

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पंजाब-हिमाचल की सीमा स्थित डमटाल में एक ट्रक पलट गया। इस कारण ट्रैफिक बाधित हुआ, तो उसे सड़क से हटाने के लिए हाइड्रा मंगवाया गया। हालांकि, इसी दौरान हाइड्रा भी पलट गया। इससे ट्रक सवार बाप-बेटा और हाइड्रा ड्राइवर बाल-बाल बचे। दोनों वाहनों का भारी नुकसान हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही डमटाल पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

इसके बाद दोनों वाहनों को सड़क से हटाने का काम शुरू किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ट्रक ड्राइवर की पहचान लुधियाना निवासी गोविंदर सिंह के रूप में हुई है। थाना डमटाल से जांच के लिए पहुंचे सब-इंस्पेक्टर पुष्पिंदर कुमार ने बताया कि क्रश की गई बोतलों से लदा ट्रक लुधियाना से पठानकोट की ओर जा रहा था। ट्रक में लदा माल जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के झिड़ी स्थित एक औद्योगिक इकाई में पहुंचाना था। ट्रक को लुधियाना निवासी गोविंदर सिंह चला रहा था। उसके साथ उसका बेटा गुरविंदर भी मौजूद था। वीरवार देर रात दोनों पंजाब-हिमाचल सीमा स्थित डमटाल की पहाड़ी पर पहुंचे। पहाड़ी से नीचे उतरते समय ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। सब-इंस्पेक्टर पुष्पिंदर कुमार ने बताया कि ट्रक को सड़क से हटाने के लिए हाइड्रा क्रेन मंगवाई गई थी। हाइड्रा ने जैसे ही ट्रक को उठाने की कोशिश की, वह भी पलट गया। इसके बाद ट्रक और खाई की ओर झुक गया और उसमें लदा सारा सामान नीचे गिर गया। हालांकि, हाइड्रा ड्राइवर जोगिंदर को कोई चोट नहीं आई। बाद में एक अन्य हाइड्रा की मदद से दोनों वाहनों को सड़क से हटाया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों का किया स्वागत

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किए गए केवल चौधरी और जिला सचिव नरेश सलारिया का एपीएमसी अध्यक्ष निशु मोंगरा ने इच्छी स्थित कार्यालय में फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि जिला कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के साथ आम जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने के लिए मिलकर कार्य किया जाएगा। केवल चौधरी और नरेश सलारिया ने एपीएमसी अध्यक्ष निशु मोंगरा तथा एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा का भी आभार जताया। निशु मोंगरा ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि उनके अनुभव और मेहनत से कांगड़ा में कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर कई पंचायत प्रतिनिधि, कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पोषण व सामाजिक अधिकारों के प्रति किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। चिन्मय ग्रामीण विकास संगठन (कॉर्ड), सिद्धबाड़ी की ओर से दिव्यांग महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक समावेश को लेकर शुक्रवार को कॉर्ड ट्रेनिंग सेंटर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। संस्था पिछले 40 वर्षों से दिव्यांगजनों की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवागमन और अधिकारों की सुरक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही है। कार्यशाला में दिव्यांग महिलाओं की सामाजिक समस्याओं, उनके समाधान तथा समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के उपायों पर चर्चा की गई। महिलाओं को सामुदायिक संगठनों के साथ जुड़कर स्वयं और समाज के विकास में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा मानसिक स्वास्थ्य, संतुलित पोषण और नियमित शारीरिक व्यायाम के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में 34 दिव्यांग महिलाओं और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। कॉर्ड की अनीता ठाकुर ने प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों पर जागरूक किया। कार्यक्रम में कविता, सुमन और विनय कुमार ने भी सहयोग दिया।

प्रशासनिक अधिकारियों के पद घटाने का बयान हवा में तीर: जीतराम कटवाल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। झंडूता विधायक एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी जीतराम कटवाल ने हिमाचल में प्रशासनिक अधिकारियों की संख्या कम करने संबंधी मुख्यमंत्री के बयान को हवा में तीर चलाने जैसा बताया है। उन्होंने कहा कि बुनियादी स्तर पर छोटे पद बढ़ाने की जरूरत है, लेकिन आईएएस, आईपीएस और आईएफएस जैसे पद घटाने का फैसला बिना अध्ययन के नहीं लिया जा सकता। कटवाल ने कहा कि अधिकारियों के पदों में कटौती से पहले प्रशासनिक सुधार आयोग और सभी संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श जरूरी है। दोहरी प्रशासनिक व्यवस्था में प्रदेश सरकार अकेले ऐसा निर्णय नहीं ले सकती। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की संख्या घटाकर 200 करोड़ रुपए बचाने संबंधी बयान से किसी ठोस अध्ययन का संकेत नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक अधिकारी केंद्रीय सेवाओं के तहत आते हैं और केंद्र व राज्य दोनों स्तरों पर सेवाएं देते हैं। ऐसे में केंद्र सरकार से चर्चा आवश्यक है। उन्होंने सरकार से सभी दलों और समाज के विभिन्न वर्गों को विश्वास में लेकर निर्णय लेने की मांग की।

हिम अकादमी स्कूल में इंटरैक्ट-रोटरेक्ट क्लब का स्थापना समारोह

अथर्व चौहान बने इंटरैक्ट क्लब के अध्यक्ष

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। हिम अकादमी पब्लिक स्कूल, विकासनगर में इंटरैक्ट व रोटरेक्ट क्लब का संयुक्त स्थापना समारोह तथा वरिष्ठ नागरिक दिवस गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना, सामाजिक जिम्मेदारी और वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोटेरियन प्रो. जेपी अग्निहोत्री रहे। रोटरी क्लब हमीरपुर के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार, सचिव डॉ. अमरजीत अत्री और मुख्य वक्ता रोटेरियन डॉ. अजायब सिंह भी मौजूद रहे। समारोह का मुख्य आकर्षण इंटरैक्ट क्लब की नई गवर्निंग बॉडी का गठन और पदभार ग्रहण समारोह रहा। टीचर इंचार्ज नीलम ठाकुर के मार्गदर्शन में कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। अथर्व चौहान को अध्यक्ष, एंजल को उपाध्यक्ष, अच्युतम को सचिव और प्रेषिता कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को बैज पिन कर सम्मानित किया गया। उन्होंने रोटरी के मूल मंत्र 'स्वयं से पहले सेवा' को अपनाते हुए विद्यालय और समाज के हित में कार्य करने का संकल्प लिया। वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर विद्यालय परिवार और रोटरी क्लब की ओर से उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव व जीवन मूल्य युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में विद्यालय अध्यक्ष प्रो. आरसी लखनपाल, चेयरपर्सन सीपी लखनपाल, निदेशक इंजीनियर पंकज लखनपाल, प्रधानाचार्य इंजीनियर नैना लखनपाल, वाइस प्रिंसिपल अश्विनी कुमार सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे। ब्लू स्टार पब्लिक स्कूल तथा एनएससीबीएम राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन पूजा शर्मा ने किया।

किसानों की आर्थिकी मजबूत करने के लिए विभागीय समन्वय जरूरी: मीरा

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। संयुक्त सचिव भारत सरकार एवं प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना की केंद्रीय नोडल अधिकारी मीरा मोहंती ने शुक्रवार को बिलासपुर में योजना के तहत जिले में चल रहे कार्यों और प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र किसानों तक योजनाओं का लाभ सहजता से पहुंच सके और उनकी आर्थिकी मजबूत हो।

बैठक में कृषि क्षेत्र से संबंधित कार्यों के अलावा 11 मंत्रालयों के तहत संचालित 36 योजनाओं की भी समीक्षा की गई। मीरा मोहंती ने अधिकारियों को विकास संकेतकों और उपलब्धियों को बेहतर बनाने के लिए लक्षित एवं प्रभावी तरीके से कार्य करने को कहा। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए योजनाओं के बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने सीएसआर फंड के प्रभावी उपयोग के लिए स्थानीय उद्योगों और बैंकों के साथ समन्वय स्थापित कर किसानों के हित में परिणामोन्मुखी योजनाएं तैयार करने के निर्देश दिए। उपायुक्त बिलासपुर ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के तहत जिले में करीब 2,276 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, आगामी पांच वर्षों के लिए 54,863 लाख रुपए की जिला कार्ययोजना केंद्र सरकार को भेजी गई है। बैठक के बाद मीरा मोहंती ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत निहाल में स्थापित कोल्ड स्टोरेज और बायोफ्लॉक यूनिट का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने आत्मा परियोजना के तहत प्राकृतिक खेती क्लस्टर चनालग-बंदला का दौरा कर किसानों से संवाद किया।

विजय ट्रेडर्स ने उत्तम शुगर मिल पर लगाए धोखाधड़ी के आरोप

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। टौणी देवी स्थित विजय ट्रेडर्स ने उत्तम शुगर मिल की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए हैं। व्यापारी विजय बहल का दावा है कि 230 क्विंटल चीनी का रेट 5,250 रुपए प्रति क्विंटल प्लस पांच प्रतिशत जीएसटी तय कर एडवांस भुगतान किया गया था। उनका आरोप है कि मिल पहुंचने के बाद तय रेट पर चीनी नहीं दी गई और टैक्स इनवॉयस में 6,300 रुपए प्रति क्विंटल का रेट दर्शाया गया। इसके चलते कुल बिल 15,21,450 रुपए बना, जबकि बुक रेट के अनुसार राशि 12,67,875 रुपए थी। व्यापारी के मुताबिक दोनों राशियों में 2,53,575 रुपए का अंतर है। विजय ट्रेडर्स का आरोप है कि माल लेने पहुंचा ट्रक पिछले पांच दिनों से मिल परिसर में खड़ा है और चालक को भी रोककर रखा गया है। विजय बहल ने कहा कि मामले से जुड़े दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं और कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी है।

जेबीटी शिक्षक के तबादले पर भड़की स्कूल प्रबंधन समिति, आदेश रद्द करने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय प्राथमिक पाठशाला जीपीएस ग्वाल-मुठानी की स्कूल प्रबंधन समिति ने विद्यालय में कार्यरत जेबीटी शिक्षक जगत पाल के स्थानांतरण की कड़े शब्दों में निंदा की है। समिति ने कहा कि शैक्षणिक सत्र के बीच शिक्षक का तबादला विद्यार्थियों के हित में उचित नहीं है।

विद्यालय में पहले से ही शिक्षकों की कमी है और ऐसे में एक और शिक्षक के स्थानांतरण से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका है। समिति के सदस्यों ने कहा कि प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण और निरंतर मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। शिक्षक के स्थानांतरण से विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित होने के साथ बच्चों की पढ़ाई पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। समिति के अनुसार जगत पाल मेहनती, ईमानदार और बच्चों के प्रति समर्पित शिक्षक हैं। उन्होंने विद्यालय में विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसे शिक्षक का स्थानांतरण विद्यालय और विद्यार्थियों के हित में दुर्भाग्यपूर्ण है। स्कूल प्रबंधन समिति ने स्थानांतरण आदेश को लेकर गहरा रोष व्यक्त करते हुए शिक्षा विभाग और संबंधित अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। समिति ने कहा कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए शिक्षक का स्थानांतरण आदेश शीघ्र रद्द किया जाए और उन्हें विद्यालय में ही सेवाएं जारी रखने की अनुमति दी जाए। समिति ने चेतावनी दी कि मांग पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो वह आगामी रणनीति तय करेगी।

हमीरपुर में 26 अगस्त से मोबाइल ऐप के जरिए मिलेगी खाद

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। किसानों को खाद वितरण में पारदर्शिता और सुविधा देने के लिए हमीरपुर में 26 अगस्त से नई डिजिटल व्यवस्था शुरू होगी। इसके तहत ऑनलाइन आवेदन करने वाले किसानों को ही खाद उपलब्ध करवाई जाएगी। कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ. डीडी शर्मा ने बताया कि किसान फ्रेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल (एफएफएस) ऐप के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। ऐप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। किसान एग्रीस्टैक में पंजीकृत फार्मर आईडी या आधार नंबर से आवेदन कर सकेंगे। फार्मर आईडी नहीं होने पर आधार के साथ खसरा या पार्सल नंबर दर्ज करना होगा। किरायेदार और बटाईदार किसान स्व-घोषणा के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के बाद किसान को क्यूआर कोड मिलेगा, जिसे कृषि सहकारी सभा या खाद बिक्री केंद्र पर दिखाकर पात्रता के अनुसार खाद ली जा सकेगी। विभाग ने किसानों से समय पर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है।

सुनील शर्मा बिट्टू ने बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का लिया जायजा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मंगलवार रात और बुधवार सुबह हुई भारी बारिश के कारण प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने वीरवार को ब्राहलड़ी पंचायत के थान गांव और बाड़ी दूग गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों का मौके पर निरीक्षण किया तथा स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

थान गांव में बरसात के दौरान कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण डंगे क्षतिग्रस्त हुए हैं। डंगे गिरने से रास्तों तथा आसपास की जमीन को भी नुकसान पहुंचा है। कई स्थानों पर डंगों के क्षतिग्रस्त होने से रास्तों को खतरा पैदा हो गया है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सुनील शर्मा बिट्टू ने स्थिति का जायजा लेते हुए कहा कि संवेदनशील स्थानों पर जल्द से जल्द आवश्यक सुरक्षा एवं मरम्मत कार्य करवाए जाएंगे। क्षतिग्रस्त डंगों की मरम्मत एवं आवश्यक स्थानों पर पुनर्निर्माण करवाकर समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा व सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा बरसात के कारण उत्पन्न हुई समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाएगा। सुनील शर्मा बिट्टू ने बाड़ी दूग गांव की सड़क का भी निरीक्षण किया। बाढ़ के कारण इस सड़क को काफी नुकसान पहुंचा है, जिससे ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित हुई है। उन्होंने मौके पर मौजूद लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन एवं एसडीओ सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क को तत्काल चलने योग्य बनाने के लिए आवश्यक कार्य शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि कल से ही खड्ड से ऊपर की ओर आवश्यक कार्य शुरू करवाकर सड़क को जल्द से जल्द आवाजाही योग्य बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों को सुविधा मिल सके और स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि बरसात के मौसम में ग्रामीणों की सुरक्षा को देखते हुए भूस्खलन प्रभावित स्थानों पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त डंगों की मरम्मत, आवश्यक सुरक्षा कार्य तथा संवेदनशील स्थानों पर उचित प्रबंध करवाने के लिए संबंधित विभाग को जल्द कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

हिमाचल के सबसे बड़े न्यूरो सर्जन डॉक्टर जनक को न दें सलाह: नरेंद्र

भारतेंदु संवाददाता, हमीरपुर। विदेश से डॉक्टरी करने वाले और दो बार चुनाव हारने वाले डॉक्टर प्रदेश के सबसे बड़े न्यूरो सर्जन एवं विधायक डॉक्टर जनक राज को सलाह देना बंद करें। डॉक्टर जनक प्रदेश के हजारों मरीजों के लिए मसीहा बनकर काम करते आए हैं और आज कुछ लोग बयान बाजी करके उनकी जन सेवा को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। यह बात भाजपा मंडल सुजानपुर के मीडिया प्रभारी नरेंद्र ने पत्रकारों से बात करते हुए कही।

नरेंद्र ने बताया कि नादौन में मेडिकल कैंप लगाने को लेकर जिस परमिशन न लेने की बात को हमीरपुर के डॉक्टर कर रहे हैं उन्हें पता होना चाहिए कि इसके लिए सीएमओ कार्यालय हमीरपुर में बाकायदा आवेदन किया गया था उस पर कार्यालय की बाकायदा मोहर लगी हुई है। अधूरी जानकारी को लेकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास न करें। डॉक्टर जनक के गरीब परिवार से निकलकर डॉक्टर बने थे और उन्होंने हमेशा जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए काम किया है और प्रदेश के सबसे बड़े चिकित्सा संस्थान के वह एमएस रह चुके हैं। उन्होंने देश में रहकर डॉक्टर की पढ़ाई की थी ना कि विदेश से पढ़कर आए थे। एक न्यूरो सर्जन प्राइवेट अस्पताल में कितनी फीस लेता है इसे जनता जानती है और डॉक्टर जनक फ्री में लोगों का इलाज करते हैं। आज हिमाचल के अस्पतालों में इलाज की मशीन कई जगह पर खराब पड़ी हुई है डॉक्टरों की कमी है सरकार इसे बेहतर बनाने की बजाय जो लोग जन सेवा कर रहे हैं उन्हें भी रोकने का प्रयास कर रही है। पिछले दिनों नादौन अस्पताल में भी एक मरीज के लिए ना तो डॉक्टर मिला और ना ही एंबुलेंस मुख्यमंत्री के क्षेत्र में ऐसी स्थिति अस्पतालों की स्थिति को बयां करती है।

धरना पंजाब बंद का पठानकोट में मिला-जुला असर, सात घंटे जाम रहा अमृतसर हाईवे

बंदी सिखों की रिहाई व अमृतपाल को पंजाब लाने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। कौमी इंसाफ मोर्चा की ओर से पंजाब बंद के आह्वान का पठानकोट में मिला-जुला असर देखने को मिला। शहर के अधिकांश बाजार सुबह करीब 10 बजे तक आम दिनों की तरह खुल गए। हालांकि, सरकारी स्कूलों के साथ कुछ निजी स्कूल भी बंद रहे। निजी स्कूल प्रबंधनों ने सुबह ही अभिभावकों को छुट्टी की सूचना भेज दी थी। बंद के चलते शहर में सुबह असमंजस की स्थिति रही, लेकिन करीब साढ़े 9 बजे तक 60 फीसदी बाजार खुल चुके थे और 10 बजे तक लगभग सभी दुकानें खुल गईं। हालांकि, सड़कों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा कम भीड़ रही।

पठानकोट-अमृतसर नेशनल हाईवे स्थित लदपालवां टोल प्लाजा पर सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक कौमी इंसाफ मोर्चा और किसान जत्थेबंदियों ने धरना-प्रदर्शन किया। इसके कारण हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और करीब सात घंटे यातायात प्रभावित रहा। पुलिस और जिला प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए यातायात को वैकल्पिक मार्गों की ओर डायवर्ट किया।

बस स्टैंड पर भी सामान्य दिनों के मुकाबले कम यात्री नजर आए। अधिकारियों के अनुसार टोल प्लाजा पर धरने के कारण बसों के फंसने की आशंका को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए दोपहर 2 बजे तक बसों का संचालन बंद रखा गया।

इसके बाद बस सेवाएं सामान्य रूप से चलाने की बात कही गई। हाईवे पर बसें फंसने के कारण कई यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। आरोप है कि कुछ ऑटो चालकों ने मजबूर यात्रियों से मनमाना किराया भी वसूला। धरने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने 30 से 35 वर्षों से जेलों में बंद सिख बंदियों की रिहाई या पैरोल की मांग उठाई। उन्होंने जत्थेदार जगतार सिंह हवाड़ा को बीमार माता से मिलने के लिए 10 दिन की विशेष पैरोल देने की मांग भी की। प्रदर्शनकारियों ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख को बार-बार पैरोल मिलने और सजा पूरी कर चुके सिख बंदियों को राहत न मिलने को लेकर सरकार पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाया।

इसके अलावा भाई अमृतपाल सिंह पर लगी एनएसए समाप्त कर उन्हें पंजाब की जेल में स्थानांतरित करने की मांग भी उठाई गई। मोर्चे के नेताओं ने कहा कि बंद को विभिन्न किसान संगठनों और स्थानीय संगत का समर्थन मिला। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और इसका उद्देश्य सरकार का ध्यान मांगों की ओर आकर्षित करना था।

मिशन दृष्टि की दूसरी पायलट जांच में 20 बच्चों में मिली दृष्टि संबंधी समस्या

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान और उपचार के उद्देश्य से जिला प्रशासन की पहल 'मिशन दृष्टि बिलासपुर' के तहत डीएवी स्कूल चंगर में दूसरी पायलट स्क्रीनिंग आयोजित की गई। इस दौरान एलकेजी और यूकेजी के करीब 100 बच्चों की आंखों की जांच की गई, जिनमें लगभग 20 बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्या और रिफ्रैक्टिव एरर के संकेत मिले।

उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने स्क्रीनिंग प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मिशन दृष्टि का उद्देश्य सरकारी और निजी विद्यालयों सहित जिले के प्रत्येक बच्चे तक पहुंचना है। छोटे बच्चे अक्सर अपनी दृष्टि संबंधी परेशानी बता नहीं पाते, ऐसे में नियमित स्क्रीनिंग से समस्या की समय पर पहचान संभव है। उन्होंने बताया कि चिन्हित बच्चों के अभिभावकों को विद्यालय के माध्यम से सूचित किया जा रहा है और उनके फॉलोअप, विशेषज्ञ जांच व उपचार पर ध्यान दिया जाएगा। स्क्रीनिंग के लिए आधुनिक ऑटो रिफ्रैक्टोमीटर मशीन का उपयोग किया जा रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि पायलट चरण के अनुभवों के आधार पर 1 सितंबर से अभियान पूरे जिले में शुरू होगा। इसके तहत आंगनवाड़ी केंद्रों तथा सरकारी और निजी स्कूलों में बच्चों की स्क्रीनिंग कर आवश्यकतानुसार चश्मे, विशेषज्ञ परामर्श और उपचार उपलब्ध करवाया जाएगा।

मानसून सत्र की हंगामेदार शुरुआत, सत्तापक्ष ने राष्ट्रगान, विपक्ष ने राष्ट्रगीत के अपमान का लगाया आरोप

विधानसभा का पहला दिन, 10 मिनट ही चला सदन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत शुक्रवार को भारी हंगामे के साथ हुई।

सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही देर बाद राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच नारेबाजी शुरू हो गई। हंगामा बढ़ने पर विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सदन की कार्यवाही शनिवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल सकी। मानसून सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही राष्ट्रगान के साथ शुरू हुई। इसके बाद भाजपा विधायकों ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के दो छंद गाने की मांग को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्षी विधायकों का कहना था कि सदन में राष्ट्रगीत गाया जाना चाहिए। इस दौरान सत्ता पक्ष के विधायक और मंत्री भी अपनी सीटों पर खड़े हो गए और नारेबाजी करने लगे। हंगामा बढ़ता देख विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने सदन में व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सत्र की शुरुआत राष्ट्रगान से और सत्र के समापन पर राष्ट्रगीत गाने की परंपरा और नियम हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल विधानसभा अपने नियमों के अनुसार चलती है। विधानसभा अध्यक्ष के मुताबिक, लोकसभा सहित कई विधानमंडलों में सत्र की शुरुआत राष्ट्रगान और समापन राष्ट्रगीत से करने की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू कर दिया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। उन्होंने विपक्ष पर सदन की कार्यवाही को बाधित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विधानसभा विपक्ष की तानाशाही के अनुसार नहीं चलेगी। वहीं, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भाजपा पर सदन में राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाया।

राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत दोनों का सम्मान करती है कांग्रेस: मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू

सदन के बाहर भी इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भाजपा पर सदन में राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दोनों का सम्मान करती है। उनके मुताबिक राष्ट्रगान सत्र की शुरुआत में और राष्ट्रगीत सत्र के अंत में गाया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार या विधानसभा अध्यक्ष ने राष्ट्रगीत गाने से इनकार नहीं किया था। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए नियमों के विपरीत मुद्दा उठाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मानसून सत्र के पहले दिन सदन में दिवंगत पूर्व विधायकों के निधन पर शोक प्रस्ताव भी रखा जाना था। ऐसे मौके पर हंगामा करना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष के सदन में मौजूद नहीं होने का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि भाजपा के विधायक नेतृत्व के बिना सदन में हंगामा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह विधानसभा की परंपराओं और दिवंगत नेताओं के सम्मान के खिलाफ है।

कांग्रेस कार्यसमिति के फैसलों से नहीं चलेगी हिमाचल विधानसभा: विपिन सिंह परमार

विपक्ष की ओर से भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार ने कांग्रेस पर राष्ट्रगीत के अपमान का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा विधायकों ने सदन में राष्ट्रगीत गाने की विनम्र मांग की थी, लेकिन इसकी अनुमति नहीं दी गई। परमार ने कांग्रेस पर राष्ट्रगीत के सम्मान को लेकर गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में राष्ट्रगीत के दो छंद गाने से जुड़े फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि हिमाचल विधानसभा कांग्रेस कार्यसमिति के फैसलों के अनुसार नहीं चलेगी। उन्होंने इसे स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान से जोड़ते हुए कांग्रेस पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। इस पूरे विवाद के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही शनिवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी। इस तरह मानसून सत्र के पहले दिन विधानसभा की कार्यवाही करीब 10 मिनट ही चल सकी और पूरा दिन सदन की आगे की कार्यवाही नहीं हो सकी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू विधानसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद परिसर में स्कूली बच्चों के साथ संवाद करते हुए।

मानसून सत्र के पहले दिन भाजपा विधायक दल प्रदेश में बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज करवाते हुए।

विधानसभा में राष्ट्रगान का अपमान कर भाजपा ने किया देश का अपमान: विनय

भारतेन्दु संवादाता, शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने विधानसभा के भीतर भाजपा विधायकों के आचरण की आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा ने राष्ट्रगान का अपमान कर अपनी संकीर्ण मानसिकता का परिचय दिया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उसे देश के सम्मान से अधिक अपनी राजनीतिक विचारधारा और एजेंडे की चिंता है। विनय कुमार ने कहा कि भाजपा देश के इतिहास के साथ छेड़छाड़ कर अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्म के नाम पर कट्टरपंथी ताकतों को बढ़ावा दिया जा रहा है और संविधान को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि ध्रुवीकरण की राजनीति के जरिए भाजपा देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने पर तुली हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र की मोदी सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि नीट पेपर लीक मामले में देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। भाजपा का असली चेहरा जनता के सामने आ चुका है और आने वाले समय में उसे इसका राजनीतिक परिणाम भुगतना पड़ेगा।

जिला मुख्यालयों पर होगा विरोध-प्रदर्शन

प्रदेश संगठन महामंत्री विनोद जिंटा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार के निर्देश पर सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों को 22 अगस्त को अपने-अपने जिलों में भाजपा के कथित आचरण के विरोध में रोष प्रदर्शन आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

घुमारवीं कॉलेज में इंटर-क्लास स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आगाज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में दो दिवसीय इंटर-क्लास स्पोर्ट्स चैंपियनशिप-2026 का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रीतम लाल ने किया। विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने बास्केटबॉल, टेबल टेनिस और बैडमिंटन सहित खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। लड़कों के बास्केटबॉल मुकाबलों में एयर जॉर्डन, करी क्रॉसओवर और लोसर्स टीमों ने जीत दर्ज की। टेबल टेनिस पुरुष एकल फाइनल में नमन कुमार मेहता ने शुभम राठौर को 11-7, 11-8 से हराकर खिताब जीता। बैडमिंटन मुकाबले जारी हैं। प्राचार्य ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अनुशासन, एकाग्रता, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

देश संविधान से चलेगा, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के फरमान से नहीं: जयराम ठाकुर

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू यह बात साफ-साफ समझ लें कि यह देश संसद से पारित कानून व संविधान से चलेगा, कांग्रेस वर्किंग कमेटी के फरमान से नहीं। इसलिए मुख्यमंत्री वंदे मातरम का लगातार अपमान करने वाले गांधी परिवार और कांग्रेस का पिछलग्गू बनने के बजाय संविधान और देशवासियों की राष्ट्रीय चेतना के गीत वंदे मातरम का सम्मान करें। उनके द्वारा वंदे मातरम के दो छंद गाए जाने का बयान अत्यंत निंदनीय और देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का अपमान है।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरमके सभी छंदों को गाए जाने को लेकर राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 संसद के दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति महोदय की स्वीकृति मिलने के बाद कानून बन गया है। इसके तहत धारा 3 में संशोधन करके ऐसा प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रगीत वंदे मातरम का अपमान करने और इसके गायन में व्यवधान करने वाले के लिए सजा का प्रावधान है। तुष्टिकरण के लिए देश की पहचान और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीकों के अपमान के दिन अब लद गए हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि 1937 में कांग्रेस ने संपूर्ण वंदे मातरमका गायन बंद कर दिया था, ताकि मुस्लिम लीग नाराज न हो। इसका परिणाम यह हुआ कि देश के साथ-साथ वंदे मातरम् के भी दो टुकड़े हो गए थे, अब जब 75 साल बाद वंदे मातरम फिर से पूरा गाया जा रहा है और लाल किले की प्राचीर से यह गीत गूंज रहा है, तो यह कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं हो रहा है, जिस तरह से कांग्रेस के नेताओं ने वंदे मातरम का अपमान किया, वह अक्षम्य है। अब यह नहीं चलेगा। वंदे मातरम का अपमान देश सहन नहीं करेगा।

विधानसभा की गरिमा का सम्मान करे सरकार व अध्यक्ष

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आज हिमाचल के सदन की एक गरिमा रही है, इसलिए सरकार और अध्यक्ष महोदय को उस गरिमा का सम्मान करना होगा। यदि विधानसभा में संसद द्वारा पारित कानून के अनुसार वंदे मातरम का गायन नहीं किया जाएगा, तो भारतीय जनता पार्टी इसका डटकर विरोध करेगी। सदन नियमों के हिसाब से चलेगा, कांग्रेस वर्किंग कमेटी और गांधी परिवार के आदेश के हिसाब से नहीं। अध्यक्ष महोदय स्वयं को विधि विशेषज्ञ बताते हैं, इसलिए उन्हें कानून का सम्मान करते हुए वंदे मातरम में किसी प्रकार की काट-छांट से परहेज करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

टांडा मेडिकल कॉलेज में दो साल से नाहलियस सेवा समिति लगा रही लंगर

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। टांडा मेडिकल कॉलेज में पिछले दो वर्षों से अधिक समय से हर महीने एक बार नाहलियस सेवा समिति द्वारा लंगर लगाया जा रहा है। समिति के मुख्य सेवादार शमशेर सिंह ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले जब वह दिल्ली में थे, तब उन्हें डेंगू हो गया था। बीमारी के दौरान उनके परिजनों ने मां बज्रेश्वरी देवी के दरबार में दर्शन कर उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। शमशेर सिंह के अनुसार मां के आशीर्वाद से वह जल्द स्वस्थ हो गए। इसके बाद उन्होंने मां के आशीर्वाद से टांडा में लंगर सेवा शुरू करने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि लंगर में करीब 40 लोग नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। समिति का उद्देश्य मरीजों और उनके तीमारदारों को भोजन उपलब्ध करवाना है। शमशेर सिंह ने कहा कि मां का आशीर्वाद बना रहा, तो भविष्य में इस सेवा का विस्तार किया जाएगा।

बाल विकास समिति ने किशोर की आत्महत्या मामले में तलब की स्टेट्स रिपोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। बाल विकास समिति जिला कांगड़ा ने धर्मशाला के रक्कड़ क्षेत्र में मोबाइल फोन की कथित लत के चलते किशोर की मौत के मामले में गहरी चिंता जाहिर करते हुए इस मामले में पुलिस से स्टेट्स रिपोर्ट तलब की है। समिति ने बीते बुधवार को धर्मशाला थाना क्षेत्र के तहत रक्कड़ क्षेत्र में 14 वर्षीय किशोर द्वारा कथित तौर पर गेम खेलने के लिए मोबाइल फोन न दिए जाने के चलते घर के कमरे में ही फंदा लगाकर आत्मघाती कदम उठाने के मामले में कड़ा संज्ञान लिया है। जिला कांगड़ा बाल विकास समिति के अध्यक्ष विक्रमादित्य शर्मा ने बताया कि विभिन्न समाचार माध्यमों से मिली जानकारी के आधार पर उनकी अध्यक्षता में बाल विकास समिति ने इस मामले पर चर्चा की और इसकी स्टेट्स रिपोर्ट तलब की है। रिपोर्ट मिलने के बाद समिति नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही अमल में लाएगी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार किशोर ने मोबाइल फोन न मिलने के कारण आत्मघाती कदम उठा लिया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से किशोरों द्वारा मोबाइल फोन की लत का शिकार होकर आए दिनों आत्मघाती कदम उठाए जाने के समाचार आ रहे हैं, यह समाज और किशोरों के विकास के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि समिति ऐसे मामलों की स्टेट्स रिपोर्ट की जांच के बाद नियमानुसार उचित परामर्श जारी करेगी।

देहरा में नशे के खिलाफ पंचायतों ने लिया एकजुट होकर काम करने का संकल्प

भारतेन्दु संवाददाता, देहरा। पुलिस जिला देहरा की ओर से नशे के दुरुपयोग की रोकथाम व नशा मुक्त समाज के निर्माण को लेकर 7 नव निर्वाचित पंचायतों में नशा निवारण समितियों की बैठकें व जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें पंचायत प्रधान, उपप्रधान, सदस्य, समिति पदाधिकारी और स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यक्रमों में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और युवाओं को नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। युवाओं को खेलकूद, शिक्षा और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस ने लोगों से संदिग्ध नशा गतिविधियों की सूचना तत्काल देने और अभियान में सहयोग करने का आह्वान किया। पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों ने अपने क्षेत्रों को नशामुक्त बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। पुलिस ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, पंचायत और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

टांडा अस्पताल में पर्ची के लिए लग रहीं लंबी कतारें

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। टांडा मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को पर्ची बनवाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। कांगड़ा सहित दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीज सुबह ही अस्पताल पहुंचकर पर्ची बनवाने के बाद डॉक्टर से जांच करवाना चाहते हैं, लेकिन पर्ची काउंटर पर लंबा इंतजार होने के कारण उन्हें और उनके तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कतार में खड़े मरीजों कश्मीर चंद, शकुन्तला देवी, अंशु कुमार, कुलभाष कुमार, चंचला देवी, गुल्ला कुमार, रश्मी देवी, परषोतम कुमार और राधे कुमार ने टांडा प्रशासन से समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो लोगों को अस्पताल प्रशासन और सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। वहीं, टांडा अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. विवेक बन्नयाल ने कहा कि पर्ची बनवाने में सामान्यतः करीब 10 मिनट लगते हैं। यदि कहीं अधिक समय लग रहा है, तो मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

वल्लभ महाविद्यालय के भवन को मांगी धनराशी

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सदर विधायक अनिल शर्मा की मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद वल्लभ महाविद्यालय मंडी के निर्माणाधीन भवन के अधूरे कार्यों के लिए अतिरिक्त धनराशि की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक ने महाविद्यालय के प्राचार्य को कार्य का प्रारूप और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर भेजने के निर्देश दिए थे। प्राचार्य ने प्रक्रिया पूरी कर प्रारूप निदेशक उच्च शिक्षा विभाग को भेज दिया, जिसे आगामी कार्रवाई के लिए सचिव शिक्षा को प्रेषित कर दिया गया है। इन कार्यों पर करीब 6 करोड़ 60 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है। धनराशि जारी होने के बाद भवन की वाटरप्रूफिंग, रैंप और ग्राउंड लैंडस्केपिंग के शेष कार्य पूरे किए जाएंगे। दोनों भवनों के बीच खाली मैदान का सौंदर्यीकरण कर इसे विद्यार्थियों के उपयोग योग्य बनाया जाएगा। शिवरात्रि के दौरान देवी-देवताओं के विराजमान होने की व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा गया है।

छात्रों पर बल प्रयोग करना सरकार की युवा विरोधी सोच का प्रमाण: विधायक इंद्र सिंह

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। भाजपा विधायक इंद्र सिंह गांधी ने मंडी में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं व छात्रों के साथ कथित धक्का-मुक्की और बल प्रयोग की घटना की कड़ी निंदा की है।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें उठाना हर नागरिक और छात्र का अधिकार है, लेकिन सरकार ने छात्रों की आवाज सुनने के बजाय उनके साथ बल प्रयोग का रास्ता अपनाया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। इंद्र सिंह गांधी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मंडी की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य मंडी सहित पूरे प्रदेश के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध करवाना था, लेकिन वर्तमान कांग्रेस सरकार लगातार विश्वविद्यालय का दायरा कम करने और उसे कमजोर करने का प्रयास कर रही है।

◆ सरदार पटेल विश्वविद्यालय का दायरा घटाकर उसे कमजोर करने की कोशिश कर रही सुक्खू सरकार

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के साथ इस प्रकार का व्यवहार विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फीस वृद्धि सहित विद्यार्थियों से जुड़े अनेक मुद्दों को लेकर छात्र संगठन शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठा रहे हैं। सरकार को उनकी मांगों पर संवाद करना चाहिए था, लेकिन इसके विपरीत छात्रों पर कानूनी कार्रवाई, धक्का-मुक्की और लाठीचार्ज किया जाना सरकार की युवा विरोधी मानसिकता को दर्शाता है।

भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले युवाओं को हर वर्ष 1 लाख सरकारी पक्की नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन चार वर्ष बीतने के बावजूद प्रदेश का युवा रोजगार के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ किया गया यह छलावा अब प्रदेश की जनता के सामने पूरी तरह उजागर हो चुका है। इंद्र सिंह गांधी ने कहा कि जहां सरकार को युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने चाहिए, वहीं प्रदेश में सरकारी लॉटरी को बढ़ावा देने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि 'हिमाचल के युवाओं को लॉटरी का टिकट नहीं, रोजगार चाहिए।' सरकार युवाओं के भविष्य को लॉटरी और खोखले वादों के भरोसे नहीं छोड़ सकती।

धर्मशाला में कल भाजपा पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ का महासम्मेलन

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश भाजपा पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ धर्मशाला जोन का महासम्मेलन 23 अगस्त को सुबह 10 बजे डी-पोलो, शीला चौक धर्मशाला में आयोजित होगा। सम्मेलन की अध्यक्षता धर्मशाला विधायक सुधीर शर्मा करेंगे, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर सांसद अनुराग ठाकुर मुख्यातिथि होंगे। प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक घनश्याम शर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में कांगड़ा-चंबा सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज, विधायक पवन काजल, पूर्व विधायक अरुण कुमार (कुका) और विधायक सरवीण चौधरी विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सम्मेलन में कर्मचारियों और पेंशनर्स की लंबित वित्तीय देनदारियों तथा महंगाई भत्ते (डीए) की किश्तों के भुगतान का मुद्दा प्रमुखता से उठाया जाएगा। साथ ही सरकार के रवैये पर चर्चा कर आगामी रणनीति तय की जाएगी। प्रकोष्ठ ने कर्मचारियों और पेंशनर्स से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

दिमागी नक्सलवाद को खाद-पानी देती रही कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति: प्रो. सिकंदर कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राज्यसभा सांसद प्रो. (डॉ.) सिकंदर कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नक्सलवाद व उसके वैचारिक स्वरूप को लेकर दिए संदेश का समर्थन करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने चुनौती केवल जंगलों में हथियार उठाने वाले नक्सलवाद तक सीमित नहीं है। कट्टर वामपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने वाले नेटवर्क के प्रति भी सतर्क रहने की आवश्यकता है।

डॉ. सिकंदर कुमार ने शुक्रवार को एक बयान में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दशकों तक सत्ता में रहने के दौरान पार्टी ने वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति के चलते कट्टर वामपंथी विचारों के प्रति नरम रवैया अपनाया। उन्होंने कहा कि 'दिमागी नक्सलवाद' या 'अर्बन नक्सल' की चुनौती को गंभीरता से समझना होगा। हिंसा को वैचारिक समर्थन देना, लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करना और युवाओं को कट्टरपंथी विचारों की ओर धकेलना भी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौती है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संवैधानिक अधिकार हैं, लेकिन इनकी आड़ में हिंसा या संविधान विरोधी गतिविधियों को उचित नहीं ठहराया जा सकता। राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की अखंडता से जुड़े मुद्दों पर सभी राजनीतिक दलों को एकजुट रुख अपनाना चाहिए। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। सुरक्षा कार्रवाई के साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत ढांचे के विकास पर भी जोर दिया गया है। इससे नक्सलवाद की वैचारिक जमीन कमजोर हुई है। उन्होंने कांग्रेस से तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर नक्सलवाद तथा हर प्रकार के हिंसक उग्रवाद के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नए भारत में हिंसा और संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने वाली ताकतों के लिए कोई स्थान नहीं है।

धर्मशाला में हाई कोर्ट की बेंच स्थापित करे केंद्र: शांता कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट की एक बेंच लद्दाख में स्थापित करने की केंद्र सरकार की अनुमति का स्वागत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने हिमाचल प्रदेश में भी हाई कोर्ट की बेंच स्थापित करने की मांग उठाई है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट की एक बेंच धर्मशाला में स्थापित की जाए।

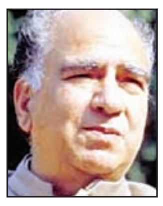

शांता कुमार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि समय पर और उचित तरीके से न्याय न मिलना भी एक प्रकार का अन्याय है। लद्दाख जैसे दुर्गम क्षेत्र में हाई कोर्ट की बेंच स्थापित होने से वहां के लोगों के लिए न्याय प्राप्त करना आसान होगा। उन्होंने लद्दाख के दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को इस निर्णय के लिए बधाई देते हुए केंद्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश भी एक पहाड़ी राज्य है और यहां के लोगों को भी भौगोलिक कठिनाइयों के कारण न्याय प्राप्त करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इस वर्ष भारी बरसात से प्रदेश में सड़कें, रास्ते और पुल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिससे आवागमन और अधिक कठिन हो गया है। शांता कुमार ने कहा कि कांगड़ा और चंबा जैसे दूरदराज क्षेत्रों के लोगों को शिमला स्थित हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट पहुंचने में काफी कठिनाई होती है। इन क्षेत्रों से शिमला की दूरी करीब 400 किलोमीटर तक है और खराब सड़कों तथा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण हाई कोर्ट तक पहुंचना आम लोगों के लिए आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट की बेंच स्थापित करने की मांग नई नहीं है। इस संबंध में पहले भी कई बार मांग उठाई जा चुकी है और केंद्र सरकार ने इस पर विचार भी किया था। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार हिमाचल की भौगोलिक परिस्थितियों और लोगों की सुविधा को देखते हुए इस मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी।

नाहन-पांवटा एनएच पर ट्रालों ने रोकी रफ्तार तीन घंटे लगा जाम

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। पांवटा साहिब राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के शंभूवाला के थापा हट के समीप तीन भारी ट्रालों के फंसने से करीब तीन घंटे तक यातायात बाधित रहा। एक ट्राला संकरे मोड़ पर दूसरे वाहन से पास लेने के प्रयास में सड़क के बीच फंस गया। इसी दौरान आगे-पीछे से आ रहे दो अन्य ट्राले भी सड़क किनारे कच्चे हिस्से में उतरकर धंस गए। इससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था संभाली। पुलिस ने बारी-बारी से एक-एक लेन खोलकर छोटे वाहनों को निकालने का प्रयास किया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद जाम खुलवाया गया। हालांकि, भारी ट्रालों को हटाने का कार्य जारी रहा। गौरतलब है कि थापा हट क्षेत्र में पहले भी ट्राला फंसने की घटनाएं हो चुकी हैं। यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस पूर्व में संबंधित वाहन का 22 हजार रुपए का चालान भी कर चुकी है। बावजूद इसके भारी वाहनों की लापरवाही से यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

विधायक अनिल ने नितिन गडकरी को सौंपी साढ़े 6 करोड़ रुपए की डीपीआर

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मंडी शहर को फोरलेन मालोरी टनल से जोड़ने वाली सड़क के चौड़ीकरण, मेटालिंग और टैरिंग के किए केंद्रीय सड़क और बुनियादी ढांचा कोष सी.आर.आई.एफ. के अंतर्गत 6.50 करोड़ राशि की डीपीआर राज्य सरकार के माध्यम से सदर विधायक अनिल शर्मा द्वारा केंद्रीय मंत्री को सौंपी गई। केंद्रीय मंत्री ने इस पर गंभीरता पूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

ज्ञात रहे यही एक मात्र सड़क है जो फोर लेन से सीधा मंडी शहर को जोड़ती है और सदर विधायक द्वारा इस सड़क को अपग्रेड करने के लिए राज्य सरकार से भी आग्रह किया था, लेकिन पैसों के अभाव में राज्य सरकार ने इस में असमर्थता जताई थी। परंतु सदर विधायक के प्रयासों से केंद्र सरकार और केंद्रीय मंत्री के माध्यम से इस सड़क के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होने की उम्मीद जगी है। विधायक ने बताया कि उन्होंने वल्लभ महाविद्यालय मंडी के निर्माणाधीन भवन और इसके वाटर प्रूफिंग, रैंप और और ग्राउंड लैंड स्केपिंग के बचे हुए कार्य के लिए मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अतिरिक्त धन राशि की मांग की थी। जिसे मानते हुए मुख्यमंत्री के आदेश पर निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग ने वल्लभ महाविद्यालय मंडी के प्राचार्य से इस कार्य की प्रारूप और जरूरी औपचारिकताओं को पूर्ण कर भेजने के लिए आदेश जारी किए थे। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ने प्रारूप और अन्य औपचारिकताओं को पूर्ण कर के निदेशक उच्च शिक्षा विभाग को प्रेषित किया और निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग ने इसको आगे सचिव, शिक्षा हिमाचल प्रदेश को आगामी कार्यवाही के लिए भेज दिया गया है। इसकी अनुमानित लागत लगभग छह करोड़ साठ लाख रुपए है। इसके बाद जल्दी ही सरकार द्वारा यह धन राशि जारी होने की उम्मीद जगी है।

मटौर कॉलेज में फ्रेशर पार्टी, तानिया मिस व अरमान बने मिस्टर फ्रेशर

भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। राजकीय महाविद्यालय मटौर के कला संकाय की ओर से प्रथम सेमेस्टर के नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रैशर पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने की। वरिष्ठ विद्यार्थियों ने नवागंतुकों का तिलक लगाकर और स्वागत गीत प्रस्तुत कर अभिनंदन किया। समारोह में विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य और अभिनय सहित विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। प्राध्यापकों के लिए भी नृत्य, मिमिक्री, अभिनय और गायन जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों और शिक्षकों की उत्साहपूर्ण प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने आयोजन की सराहना करते हुए नवागंतुक विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन व मेहनत के साथ कॉलेज में अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में तानिया को मिस फ्रैशर, अरमान को मिस्टर फ्रैशर, सृष्टि को मिस पर्सनैलिटी व कृष को मिस्टर पर्सनैलिटी का खिताब प्रदान किया गया।

खूबसूरत अंदाज में निनो त्सिक्लौरी

जॉर्जिया। निनो त्सिक्लौरी जॉर्जिया की प्रतिभाशाली अल्पाइन स्की खिलाड़ी हैं। उन्होंने शीतकालीन ओलंपिक में जॉर्जिया का प्रतिनिधित्व किया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने देश की पहचान बनाई।

हॉकी विश्व कप : भारत के सामने आज नीदरलैंड की कड़ी चुनौती

आक्रामक टीम के खिलाफ भारतीय रक्षापंक्ति की होगी कड़ी परीक्षा

एजेंसी, एम्सटेलवीन

भारत शनिवार को यहां जब हॉकी विश्व कप के दूसरे दौर के अपने पहले मैच में सह-मेजबान और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड से भिड़ेगा तो उसकी रक्षात्मक कमजोरियों की सबसे बड़ी परीक्षा तब होगी और हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम यह अच्छी तरह से जानती है कि अगर उसे सेमीफाइनल में जगह बनानी है तो अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। भारतीय टीम को न सिर्फ एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना करना होगा बल्कि वैगनर स्टेडियम में नीदरलैंड के लिए बनने वाले माहौल की चुनौती से भी पार पाना होगा।

इस 10,000 दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में नीदरलैंड के समर्थकों के बड़ी संख्या में पहुंचने की उम्मीद है। स्थानीय दर्शकों ने अभी तक अपनी टीम के प्रति पूरी प्रतिबद्धता दिखाई है और वह बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे हैं। ऐसे में स्टैंड में 'ओरेंज' रंग का विशाल जनसमूह, लगातार नारे लगाना और घरेलू टीम के लिए जोशीला समर्थन भारत के लिए माहौल को बेहद चुनौतीपूर्ण बना सकता है। भारतीय टीम को हालांकि विचलित नहीं होना चाहिए। उसके लिए सबसे बड़ी चिंता अच्छी शुरुआत के बाद नियंत्रण खो देना है।

पाकिस्तान के खिलाफ 3-0 और 4-1 से बढत बनाने के बाद भारत ने पकड़ ढीली की, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ पहले हाफ में 2-1 की बढ़त तीसरे क्वार्टर में दो गोल खाने के बाद हाथ से निकल गई और आखिर में टीम 2-4 से हार गई। नीदरलैंड जैसी टीमों के खिलाफ इस तरह की गलती भारी पड़ सकती है। भारत ने पूल डी में वेल्स को 3 -1 से और पाकिस्तान को 5-3 से हराया जबकि इंग्लैंड से हार उसे भारी पड़ सकती है । पहले चरण में इंग्लैंड से हारने के कारण भारतीय टीम दूसरे दौर में उसके खिलाफ नहीं खेलेगी जबकि इंग्लैंड पहले दौर के तीन अंक लेकर इस दौर में पहुंची है ।

दूसरी तरफ नीदरलैंड की टीम ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने न्यूजीलैंड को 5-1, अर्जेंटीना को 3-1 और जापान को 4-1 से हराकर तीनों मैच में अपना दबदबा बनाया। ऐसे में दुनिया की सबसे आक्रामक टीम के खिलाफ भारतीय रक्षापंक्ति की कड़ी परीक्षा होगी। नए प्रारूप के तहत पूल डी की दोनों शीर्ष टीमें और पूल ए की दो शीर्ष टीमों से पूल ई बना है जिसमें से पहली दो टीमें सेमीफाइनल में जायेंगी । वहीं पूल बी और सी की शीर्ष दो टीमें पूल एफ में एक दूसरे से खेलेंगी और पहले दो स्थान की टीमें अंतिम चार में पहुंचेंगी। पूल ए में शीर्ष पर रही नीदरलैंड ने 1973 में इसी मैदान पर भारत को हराकर अपना पहला विश्व कप खिताब जीता था और 1990 और 1998 में भी ट्रॉफी अपने नाम की थी। शीर्ष स्तर पर उनकी निरंतरता उन्हें सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक बनाती है। तीन विश्व कप के अलावा तीन बार ओलंपिक स्वर्ण पदक जीत चुकी नीदरलैंड को उसके गढ में हराने की चुनौती भारत के लिये आसान नहीं होगी। अपनी मजबूत हॉकी संस्कृति के लिये मशहूर नीदरलैंड टीम दर्शकों के अपार समर्थन का भी पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगी, लेकिन भारत ने यह साबित कर दिया है कि नीदरलैंड की टीम अजेय नहीं है। भारतीय टीम ने जून में रोटरडम में एफआईएच प्रो लीग में नीदरलैंड को 3 -2 से हराया था।

ट्रीसा-गायत्री बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने शुक्रवार को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप-2026 में शानदार जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। इंदिरा गांधी स्टेडियम में भारतीय जोड़ी ने विश्व की चौथी वरीयता प्राप्त चीन की जिया यी फान और झांग शू शियान को तीन गेम के कड़े मुकाबले में 16-21, 21-15, 21-13 से हराया।

ट्रीसा और गायत्री ने मुकाबले की शुरुआत 2-6 से पिछड़कर की, लेकिन इसके बाद भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी की। बेहतर स्मैश और मजबूत नेट प्ले के दम पर उन्होंने स्कोर बराबरी पर पहुंचाया और कुछ समय के लिए बढ़त भी हासिल की। हालांकि, निर्णायक क्षणों में चीनी जोड़ी ने बेहतर प्रदर्शन किया। लगातार आक्रामक खेल के दम पर जिया और झांग ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में ट्रीसा और गायत्री ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और चीन को बढ़त बनाने का मौका नहीं दिया। दोनों जोड़ियों के बीच लंबी रैलियों और शानदार शॉट्स का सिलसिला चलता रहा और स्कोर 10-10 तक बराबर रहा। इसके बाद चीन की एक गलती का फायदा उठाकर भारत ने बढ़त हासिल की और ब्रेक तक 11-10 से आगे रहा।

ट्रीसा की शानदार रक्षात्मक क्षमता और गायत्री के क्रॉस-कोर्ट स्मैश ने भारतीय जोड़ी को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। भारत ने दूसरा गेम 21-15 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। ट्रीसा और गायत्री ने निर्णायक गेम 21-13 से भी जीत लिया। इसके साथ ही उन्होंने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

स्पोर्ट्स विंडो

अरच्चिगे और कामिल मिशारा दूसरे टेस्ट के लिए श्रीलंका की टीम में

एजेंसी, कोलंबो। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ रविवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर साहन अरच्चिगे और बल्लेबाज कामिल मिशारा को टीम में शामिल किया है। भारत ने गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर दो मैचों की शृंखला में 1-0 की बढ़त बना रखी है। अरच्चिगे को रमेश मेंडिस की जगह टीम में लिया गया है। उन्होंने अब तक पांच वनडे और एक टी20 मैच खेला है। अरच्चिगे ने पिछले महीने श्रीलंका ए की कप्तानी करते हुए भारत ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने कुल 209 रन बनाए थे और वह साई सुदर्शन (332 रन) के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मिशारा ने टीम में निशान फर्नांडो की जगह ली, जिनका पहले टेस्ट मैच में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। पासिंदु सूरियाबंडारा चोटिल दिनेश चांदीमल की जगह टीम में बने रहेंगे।

भारतीय कप्तान गिल ने नेट में किया बाएं हाथ के स्पिनरों का अभ्यास

एजेंसी, कोलंबो। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में बाएं हाथ के स्पिनरों के सामने अपने निराशाजनक प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को यहां इस तरह की गेंदबाजों के सामने कड़ा अभ्यास किया। गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में गिल बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या के हाथों दो बार आउट हुए। इस मैच में उन्होंने 16 और आठ रन बनाए। भारत ने यह मैच 165 रन से जीता। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से यहां शुरू होगा। गिल सही लाइन का अनुमान नहीं लगा पाने के कारण बाएं हाथ के परंपरागत गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। पहले टेस्ट मैच में भी जयसूर्या को खेलने में उन्हें परेशानी हो रही थी। टेस्ट क्रिकेट में 42 मैचों में गिल को बाएं हाथ के स्पिनरों ने 11 बार आउट किया है। गिल ने सिंहली स्पोर्ट्स क्लब के नेट पर बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। उन्होंने काफी समय तक मानव सुथार, रविंद्र जडेजा और कुछ स्थानीय गेंदबाजों का सामना किया।

डुप्लांटिस को पोल वॉल्ट का खिताब

एजेंसी, लुसाने। मोंडो डुप्लांटिस ने डायमंड लीग प्रतियोगिता में पोल वॉल्ट में स्वर्ण पदक जीता, लेकिन वह विश्व रिकॉर्ड बनाने से चूक गए। ओलंपिक और विश्व चैंपियन ने 6.32 मीटर का नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए दो प्रयास किए, लेकिन इसमें नाकाम रहे। डुप्लांटिस ने 6.21 मीटर की ऊंचाई को पहली बार में ही पार कर लिया जो उनका मार्च के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में 6.25 मीटर की ऊंचाई पार करके विश्व रिकॉर्ड बनाया था और स्वर्ण पदक जीता था। डुप्लांटिस के घनिष्ठ मित्र और प्रतिद्वंद्वी एम्मानौइल कारालिस ने 6.16 की ऊंचाई पार की और उन्होंने रजत पदक जीता।

यूएस ओपन से वापसी करेंगे कार्लोस

एजेंसी, न्यूयॉर्क। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज चार महीने बाद कोर्ट पर वापसी करेंगे। दाहिनी कलाई की चोट के कारण वे अप्रैल से टेनिस से दूर हैं। अल्काराज ने 30 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाले यूएस ओपन में खेलने की पुष्टि की है। वे टूर्नामेंट के डिफेंडिंग चैंपियन हैं। चोट के कारण अल्काराज फ्रेंच ओपन, विंबलडन, टोरंटो और सिनसिनाटी ओपन में नहीं खेल सके। वे यूएस ओपन से पहले किसी भी वार्म-अप टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगे। अल्काराज ने अपनी वापसी की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। अल्कराज ने भी एक्स पर अमेरिकी झंडे और प्लेन की इमोजी के साथ पोस्ट किया।

हैदराबाद में होगी टेनिस प्रीमियर लीग

एजेंसी, हैदराबाद। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का आठवां सत्र 8 से 13 दिसंबर 2026 तक हैदराबाद के एलबी टेनिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। आठ फ्रेंचाइजी टीमों के बीच होने वाली इस लीग में रोमांचक 25 अंकों के प्रारूप में मुकाबले खेले जाएंगे। अखिल भारतीय टेनिस संघ के तत्वावधान और तेलंगाना सरकार के सहयोग से होने वाले टीपीएल के आठवें सत्र में देश-विदेश के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ भारत के प्रमुख टेनिस सितारे भी हिस्सा लेंगे। लीग के सभी मुकाबलों का सीधा प्रसारण जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा। छह दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में जीएस दिल्ली एसेस, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, लखनऊ ब्लेजर्स, गुरुग्राम ग्रैंड स्लैमर्स, गुजरात पैंथर्स, राजस्थान रेंजर्स, कोलकाता थंडर ब्लेड्स और मुंबई रॉयल्स खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

डाक से राखी भेजना हुआ महंगा,500 ग्राम पार्सल पर बढ़ा शुल्क

एजेंसी, नई दिल्ली। रक्षाबंधन से पहले डाक विभाग ने पार्सल और स्पीड पोस्ट की दरों में बढ़ोतरी कर बहनों की चिंता बढ़ा दी है। नई दरें एक अगस्त 2026 से लागू हो चुकी हैं। अब 500 ग्राम तक के पार्सल के लिए गंतव्य के अनुसार 77 से 84 रुपये तक शुल्क देना होगा। इसके अलावा जीएसटी भी लगेगा। पहले इसी वजन के पार्सल के लिए 42 रुपये शुल्क लिया जाता था। स्पीड पोस्ट की शुरुआती दर भी 42 से बढ़कर 56 रुपये हो गई है। ऐसे में राखी, मिठाई या उपहार डाक से भेजने वालों को पहले की तुलना में अधिक खर्च करना पड़ेगा।

तेंदुलकर की बराबरी पर पहुंचे जो रूट, 68वां अर्धशतक लगाया

एजेंसी, लंदन। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने सचिन तेंदुलकर के टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। 35 साल के रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ लीड्स में चल रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन 66 रन की पारी खेली। उन्होंने 68वां टेस्ट अर्धशतक लगाया। सबसे ज्यादा टेस्ट फिफ्टी के मामले में रूट और सचिन के बाद वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल का नाम आता है। उनके नाम 66 टेस्ट फिफ्टी हैं। राहुल द्रविड़ और ऑस्ट्रेलिया के एलन बॉर्डर 63-63 फिफ्टी के साथ संयुक्त चौथे नंबर पर हैं।

अंडर-20 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप : काजल धोचक ने लगातार दूसरी बार जीता खिताब

एजेंसी, ब्रातिस्लावा

काजल धोचक ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां अंडर-20 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में लगातार दूसरी बार खिताब जीता, जबकि तनु शर्मा और सविता को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

काजल ने फाइनल में चीन की जिंगरू सन को 7-0 से हराकर 76 किलोग्राम वर्ग का खिताब अपने नाम किया। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल 72 किलोग्राम वर्ग में अंडर-20 विश्व खिताब जीता था। काजल पहले ही सीनियर स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उन्होंने इस साल जून में मंगोलिया में रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने जुलाई में बुडापेस्ट प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने पटाया में अंडर-20 एशियाई चैंपियनशिप भी जीती। इस बीच तनु ने 72 किलोग्राम वर्ग में जापान की चिसातो योशिदा के खिलाफ स्वर्ण पदक के मैच में कड़ा मुकाबला किया, लेकिन आखिर में 3-5 से हार गईं। सविता 62 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में जापान की साकुरा ओनीशी से तकनीकी श्रेष्ठता (2-12) से हार गईं।

मानसी लादर भी 68 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक की दावेदार हैं। फाइनल में उनका मुकाबला चीन की चेनलिंग सोंग से होगा, जबकि कोमल 59 किलोग्राम वर्ग के रेपचेज राउंड में स्पेन की रोजा मोलिना रोड्रिगेज से भिड़ेंगी। भारत के किसी भी ग्रीको रोमन पहलवान ने पदक नहीं जीता।

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज की तारीखों में हो सकता है बदलाव

एजेंसी, नई दिल्ली। अफगानिस्तान और भारत के बीच अगले महीने होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के कार्यक्रम में बदलाव की संभावना है। मूल कार्यक्रम के अनुसार मुकाबले 13, 15 और 17 सितंबर को होने हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से इन्हें 11, 13 और 14 सितंबर को कराने का अनुरोध किया है। इसमें गणेश चतुर्थी के दिन 14 सितंबर को मैच कराने की संभावना भी शामिल है। सभी मुकाबले नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होने हैं। हालांकि अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है और दोनों बोर्डों के बीच बातचीत जारी है। माना जा रहा है कि बदली तारीखों से दर्शकों की संख्या बढ़ सकती है।

23 करोड़ डॉलर से सुधरेगी चेन्नई की जल व्यवस्था

चेन्नई बनेगा रिंग-मेन जल प्रणाली लागू करने वाला देश का पहला शहर

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने चेन्नई में जल आपूर्ति और स्वच्छता प्रणालियों के आधुनिकीकरण के लिए एशियाई विकास बैंक के साथ 23 करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहायता से चेन्नई की मौजूदा जल एवं सीवर व्यवस्था को अधिक आधुनिक, विश्वसनीय और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति लचीला बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। वित्त मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

विज्ञप्ति के अनुसार ऋण समझौते के लिए बातचीत वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग में संयुक्त सचिव एडीबी एवं जापान बलदेव पुरुषार्थ के मार्गदर्शन में की गई। बातचीत पूरी होने के बाद भारत सरकार की ओर से आर्थिक कार्य विभाग के उप सचिव सौरभ सिंह और एशियाई विकास बैंक की भारत में स्थानीय निदेशिका मियो ओका ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इस परियोजना के तहत चेन्नई में 170 किलोमीटर से अधिक लंबी जल आपूर्ति और सीवर पाइपलाइन का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा सात जल पंपिंग स्टेशनों और 38 सीवर पंपिंग स्टेशनों के उन्नयन का काम भी किया जाएगा। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शहर की जल आपूर्ति और स्वच्छता सेवाओं को बेहतर बनाना तथा बढ़ती शहरी आबादी की जरूरतों के अनुरूप बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में व्यापक रिंग-मेन समाधान शामिल है। इसके लागू होने के बाद चेन्नई भारत का पहला ऐसा शहर बन जाएगा, जहां व्यापक स्तर पर रिंग-मेन प्रणाली लागू की जाएगी। रिंग-मेन एक बंद-लूप पाइपलाइन प्रणाली है, जिसे जल का संतुलित दबाव बनाए रखने और अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में पानी की अधिक कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है।

इस प्रणाली के माध्यम से शहर में जल वितरण व्यवस्था को अधिक भरोसेमंद बनाया जा सकेगा। किसी एक हिस्से में पाइपलाइन या आपूर्ति व्यवस्था में समस्या आने की स्थिति में वैकल्पिक मार्ग से जल आपूर्ति जारी रखने में मदद मिलेगी। इससे जल आपूर्ति में होने वाले व्यवधान को कम करने और विभिन्न क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता को अधिक समान बनाने में सहायता मिलने की उम्मीद है।

एशियाई विकास बैंक की सहायता केवल पाइपलाइन और पंपिंग स्टेशनों के निर्माण या उन्नयन तक सीमित नहीं रहेगी। बैंक जल और स्वच्छता सेवाओं के डिजिटल रूपांतरण में भी सहयोग करेगा। इसके तहत सीधी निगरानी, आंकड़ों पर आधारित निर्णय लेने की व्यवस्था और ग्राहकों की जरूरतों के प्रति बेहतर प्रतिक्रिया विकसित करने पर जोर दिया जाएगा।

डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल से जल आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। इससे अधिकारियों को जल वितरण से जुड़ी समस्याओं की पहचान करने और उनके समाधान के लिए समय पर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों और आवश्यकताओं पर भी तेजी से प्रतिक्रिया देने की व्यवस्था मजबूत होगी।

चेन्नई में जल और स्वच्छता ढांचे का आधुनिकीकरण शहर के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बढ़ती आबादी और शहरीकरण के कारण जल की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में विश्वसनीय जल आपूर्ति, बेहतर सीवर व्यवस्था और आधुनिक बुनियादी ढांचा जरूरी है।

इस परियोजना से जल आपूर्ति प्रणाली की विश्वसनीयता, समानता और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की क्षमता में सुधार होने की उम्मीद है। साथ ही आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से जल एवं स्वच्छता सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा।

दुनिया की सबसे मूल्यवान रियल एस्टेट कंपनी 'एवरग्रैंड' दिवालिया

एजेंसी, बीजिंग

चीनी फाउंडर हुई का यान को उम्रकैद

2017 में दुनिया की सबसे मूल्यवान रियल एस्टेट कंपनी बनी चीन की एवरग्रैंड को कोर्ट ने शुक्रवार को दिवालिया घोषित कर दिया है। इससे पहले वीरवार को धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के फाउंडर हुई का यान को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। कंपनी पर करीब 28 लाख करोड़ रुपए का कर्ज था। एवरग्रैंड के फाउंडर हुई का यान की कहानी गांव के एक गरीब लड़के के शहरी सपनों का सौदागर बनकर चीन का सबसे अमीर आदमी बनने की है। उसने 'एवरग्रैंड' नाम का एक ऐसा विशाल साम्राज्य खड़ा किया, जो गगनचुंबी इमारतें बनाता था, फुटबॉल क्लब खरीदता था। मॉडल सरल था- जमीन खरीदो, नींव डलने से पहले ही कागजों पर पूरे फ्लैट बेच दो और ग्राहकों से मिले उस एडवांस पैसे से अगला प्रोजेक्ट शुरू कर दो। लेकिन ताश के पत्तों से बने इस महल की बुनियाद बेतहाशा कर्ज पर टिकी थी। जब सरकार ने कर्ज के नल बंद किए, तो साम्राज्य भरभराकर ढह गया।

सेंसेक्स-निफ्टी मामूली बढ़त के साथ हुए बंद

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार 21 अगस्त को फ्लैट बंद हुआ। सेंसेक्स सिर्फ 3 अंक चढ़कर 77,540 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 20 अंक की तेजी रही, ये 24,252 के स्तर पर बंद हुआ। मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी हुई है। बाजार में शुक्रवार का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहा। हालांकि, अंततः बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ कारोबार समाप्त किया। मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस कारण बाजार में बड़ी तेजी देखने को नहीं मिली।

सोना 2,419 और चांदी 6,623 रुपए हुई महंगी

एजेंसी, मुंबई। सोने-चांदी की कीमतों में 21 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 6,623 रुपए बढ़कर 2.44 लाख रुपए पहुंच गई। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,419 रुपए बढ़कर करीब 1.60 लाख रुपए हो गया है। इस महीने यानी अगस्त में 21 दिन में सोना 16,639 और चांदी 26,094 रुपए महंगी हो चुकी है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, सोना इस साल के आखिर तक 1 लाख 70 हजार रुपए तक जा सकता है।

किआ सोरेंटो का भारत में आगाज अनंतपुर संयंत्र में उत्पादन शुरू

एजेंसी, नई दिल्ली

किआ इंडिया ने आंध्र प्रदेश के अनंतपुर स्थित अपने संयंत्र में प्रीमियम एसयूवी सोरेंटो का उत्पादन शुरू कर दिया है। भारतीय बाजार में पेश किए जाने से पहले कंपनी ने इसकी पहली आधिकारिक तस्वीरें भी जारी की हैं। सोरेंटो किआ की भारत में पहली हाइब्रिड एसयूवी होगी और इसके जरिए कंपनी प्रीमियम तीन पंक्ति वाले एसयूवी वर्ग में प्रवेश करेगी। ऑल-व्हील ड्राइव वाली इस एसयूवी में हाइब्रिड के साथ डीजल इंजन का विकल्प भी मिलेगा। इससे ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार विकल्प चुन सकेंगे। सोरेंटो में किआ का कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहायक भी दिया जाएगा, जो बातचीत के अंदाज में जानकारी उपलब्ध कराने के साथ वास्तविक समय की अद्यतन जानकारी तक पहुंच प्रदान करेगा। कंपनी के अनुसार अनंतपुर संयंत्र में उत्पादन शुरू होना भारत में सोरेंटो को उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। किआ के प्रबंध निदेशक ग्वांगगु ली ने इसे कंपनी के प्रीमियम वाहन पोर्टफोलियो के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

असर भारतीय हवाई सेवाओं पर भी नजर आ रहा अमेरिका-ईरान युद्ध का असर

देसी एयरलाइंस की इंटरनेशनल उड़ानों में आई गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान युद्ध का असर भारत की हवाई सेवाओं पर भी नजर आ रहा है। अप्रैल-जून की पहली पूरी तिमाही में भारतीय एयरलाइंस की अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या में 26 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके उलट विदेशी एयरलाइंस ने 7 प्रतिशत ज्यादा यात्री ढोए। डीजीसीए के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान भारत से आने-जाने वाले कुल यात्रियों की संख्या भी 10.5 प्रतिशत घटकर 1.9 करोड़ से करीब 1.7 करोड़ रह गई है।

दुबई की एयरलाइन एमिरेट्स को इस दौरान फायदा हुआ। यूएई ने लंबे समय तक विदेशी एयरलाइंस की उड़ानों पर पाबंदियां रखीं। इसका फायदा एमिरेट्स को मिला और भारत आने-जाने वाले उसके यात्रियों की संख्या 7 प्रतिशत बढ़कर करीब 14.8 लाख हो गई। पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 13.8 लाख थी। वहीं, अबू धाबी की एतिहाद पर इसका असर काफी कम रहा। अप्रैल-जून में भारत आने-जाने वाले उसके यात्रियों की संख्या पिछले साल की करीब 8.5 लाख से सिर्फ 1,939 कम रही।

एयर इंडिया के यात्रियों में 36 प्रतिशत की कमी

एयर इंडिया ग्रुप (एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस) की अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या में भी बड़ी गिरावट आई है। अप्रैल-जून 2026 में ग्रुप ने 27.6 लाख यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सफर कराया। पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 43.3 लाख थी। यानी करीब 36 प्रतिशत की कमी आई। एयर इंडिया ने पिछले साल जून में अहमदाबाद विमान हादसे के बाद भी कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें कम की थीं।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में विदेशी कंपनियों का दबदबा बढ़ा

अमेरिका-ईरान संघर्ष से पहले से दबाव झेल रही भारतीय एयरलाइंस की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। पिछले साल अप्रैल से पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने के कारण भारतीय एयरलाइंस की उत्तर भारत और पश्चिमी देशों के बीच भी उड़ानें प्रभावित हैं। दिल्ली इस नेटवर्क का बड़ा केंद्र है, जहां एयर इंडिया और इंडिगो की कई उड़ानें संचालित होती हैं।